रांची

www.vananchaleye@gmail.com

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:42 मंगलवार,14 अक्टूबर

ब्रीफ न्यूज

मोदी ने हर्मिनी को राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी

एजंसी

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. पैट्रिक हर्मिनी को सेशेल्स का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी एवं उनके कार्यकाल में सफलता की कामना की। श्री मोदी के डॉ. हर्मिनी को भेजे गए बधाई संदेश में भारत और सेशेल्स के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें हिंद महासागर की साझा विरासत और दोनों देशों के लोगों की पारस्परिक आकांक्षाओं पर जोर दिया गया। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, हिंद महासागर का जल हमारी साझा विरासत है और हमारे लोगों की आकांक्षाओं और जरूरतों को पोषित करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. हर्मिनी के नेतृत्व में द्विपक्षीय संबंधों को और गति मिलेगी। प्रधानमंत्री का बधाई संदेश सेशेल्स के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। राष्ट्रीय एकता, आर्थिक पुनरुत्थान और क्षेत्रीय साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित डॉ. हर्मिनी के राष्ट्रपति पद के कार्यकाल से भारत-सेशेल्स संबंधों के और प्रगाढ़ होने की उम्मीद है। दोनों देशों ने ऐतिहासिक रूप से समुद्री सुरक्षा, विकास परियोजनाओं और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग किया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. हर्मिनी ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में 52.7 प्रतिशत मत प्राप्त कर निर्णायक जीत हासिल की।

झारखंड में मौसम रहेगा साफ, तापमान में गिरावट की संभावना

रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों में अगले पांच-छह दिनों तक मौसम साफ रहेगा। इस दौरान न्यूनतम तापमान में कमी होने की संभावना है।

यह जानकारी मौसम विभाग ने रविवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल झारखंड के ऊपर किसी तरह के सिस्टम बनने की कोई संभावना नहीं है, लिहाजा, अगले दो-तीन दिनों तक दक्षिणी-पश्चिमी मानसून पूरे झारखंड से विदा हो जाएगा। इस बीच राजधानी रांची और उसके आसपास के इलाकों में पिछले एक-दो दिनों से रात में ठंड बढ़ गई है, जबकि दिन में धूप में तल्खी महसूस की जा रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में एकाध जगह पर छिटफुट बारिश दर्ज गई है। रांची और उसके आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और गुनगुनी धूप खिली रही। तड़के सुबह हल्की ठंड महसूस हुई। रांची में अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री, जमशेदपुर में 33.5डि ग्री, डाल्टनगंज में 32.5 डिग्री, बोकारो में 31.5 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.4 डिग्रीसेल्सियस रिकार्ड किया गया।

बिहार चुनाव से ठीक पहले आरजेडी को बड़ा झटका, सियासी हलचल तेज

,एजेंसी

पटना : नई दिल्ली, 13 अक्तूबरः बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी व तेजस्वी यादव को तगड़ा झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने सोमवार को आइआरसीटीसी होटल भ्रष्टाचार मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ आइपीसी की धारा 420, धारा 120 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट) के तहत आरोप तय कर दिए हैं। कोर्ट ने राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के खिलाफ भी धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र के आरोप तय किए। अदालत ने तीनों आरोपितों से पूछा क्या आप खुद को दोषी मानते हैं या मुकदमे का सामना करेंगे? तीनों आरोपितों ने खुद को दोषी मानने से इनकार किया और कहा कि वे मुकदमे का सामना करेंगे और इसे चुनौती देंगे। इन मामलों में आने वाला फैसला बिहार के आगामी विधानसभा चुनावों पर बड़ा असर डाल सकता है। बता दें कि लालू यादव व्हीलचेयर पर राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत पहुंचे, जहां उनके खिलाफ

आईआरसीटीसी घोटाले में लालू, राबड़ी और तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोप तय

आइआरसीटीसी होटल घोटाला और नौकरी के बदले जमीन घोटाला में आरोप तय किए गए। उनके साथ उनकी पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बेटा तेजस्वी यादव भीमौजूद थे।सीबीआई के मुताबिक, इन होटलों कोलीज पर देने की प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी की गई और निविदा विनय कोचर की कंपनी मेसर्स सुजाता होटल्स को दिए गए। बताया गया कि टेंडर प्रक्रिया को जानबूझकर मनचाहे तरीके से पूरा किया गया और इसमें उस समय आइआरसीटीसी के एमडी पीके गोयल की भूमिका रही। सीबीआइ ने 17 जुलाई 2017 को लालू यादव समेत पांच आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी की और विजय व विनय कोचर समेत कई आरोपितों के 12 ठिकानों पर छापामारी की गई। सीबीआई ने आरोप लगाया कि कोचर बंधुओं को होटलों की लीज दिलाने के बदले में लालू यादव के परिवार को पटना में तीन एकड़ जमीन मिली। ये जमीन पहले सरला गुप्ता की कंपनी को दी गई, जिसे बाद में लालू की पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव की कंपनी ने अधिग्रहित कर लिया। इसी जमीन पर बिहार का सबसे बड़ा मॉल बन रहा था। यह मामला रांची और पुरी स्थित दो आइआरसीटीसी होटलों के टेंडर आवंटन में भ्रष्टाचार से जुड़ा है, जब लालूयादव रेल मंत्री थे।लीज पर देने की प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी की गई और निविदा विनय कोचर की कंपनी मेसर्स सुजाता होटल्स को दिए गए। बताया गया कि टेंडर प्रक्रिया को जानबूझकर मनचाहे तरीके से पूरा किया गया और इसमें उस समय आइआरसीटीसी के एमडी पीके गोयल की भूमिका रही। सीबीआइ ने 17 जुलाई 2017 को लालू यादव समेत पांच आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी की और विजय व विनय कोचर समेत कई आरोपितों के 12 ठिकानों पर छापामारी की गई। सीबीआई ने आरोप लगाया कि कोचर बंधुओं को होटलों की लीज दिलाने के बदले में लालू यादव के परिवार को पटना में तीन एकड़ जमीन मिली।

कार्रवाई : बालसिरिंग इलाके में हुई मुठभेड़, दो अपराधियों को भी पुलिस ने किया अरेस्ट

रांची में एनकाउंटर, सुजीत सिन्हा गैंग का एक अपराधी घायल, तीन पिस्टल बरामद

संवादाता

रांचीःसोमवार की सुबह रांची के बालसिरिंग इलाके में पुलिस और कुख्यात सुजीत सिन्हा गैंग के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। इस दौरान पुलिस की गोली से अपराधी आफताब घायल हो गया। पुलिस की गोली आफताब के पैर में लगी है।इसके बाद पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच उसे अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल आफताब का इलाज कराया जा रहा है। पुलिस ने आफताब के दो साथियों को भी गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल से तीन पिस्टल भी बरामद किए हैं। सभी अपराधी सुजीत सिन्हा गिरोह से जुड़े हैं। पकड़े गए अपराधी हाल ही में डोरंडा में हुई फायरिंग की घटना में शामिल थे। रांची एससपी राकेश रंजन को राजधानी में सुजीत सिंह गिरोह के कुछ अपराधियों के मूवमेंट की सूचना मिली थी, जिसके बाद रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर, हटिया डीएसपी पीके मिश्रा सहित कई थानों की टीम अपराधियो के तलाश में जुटी हुई थी। सूचना थी कि अपराधियों का एक गिरोह किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इसके बाद रांची में जगह-जगह नाकेबंदी और वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान बाइक चेकिंग भी की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार एक युवक को रोका और उसकी तलाशी ली। इसमें उसके पास से एक पिस्तौल बरामद हुई। कड़ाई से पूछताछ में युवक ने खुद का नाम सोनू बताया।उसने कहा कि वह कोयलांचल शांति समिति (केएसएस) गिरोह का सदस्य बताया, जिसका सरगना सुजीत सिन्हा है। पूछताछ के दौरान सोनू ने बताया कि उसके कई अन्य साथी बालसिरिंग पहाड़ के पास बैठकर शराब पी रहे हैं। पकड़े गए अपराधियों का केएसएस गिरोह से जुड़ाव : पुलिस ने जिन तीनों अपराधियों को गिरफ्तार किया है, वे जेल में बंद कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा द्वारा संचालित कोयलांचल शांति समिति (केएसएस) गिरोह से जुड़े हैं। घायल अपराधी आफताब बीते सप्ताह डोरंडा के कुसई कॉलोनी स्थित सत्यभामा अपार्टमेंट के बाहर हुई गोलीबारी में भी शामिल था। गोलीबारी के बाद घटनास्थल से पुलिस को चार कागज के टुकड़े मिले थे, जिन पर लाल स्याही से 'कुबेर केकेएस' लिखा था। पुलिस का दावा है कि यह संगठित गिरोह दहशत फैलाने और बिल्डरों से वसूली करने के उद्देश्य से न सिर्फ पर्चे फेंक रहा है, बल्कि हवाई फायरिंग भी कर रहा है,

आफताब के पैर में लगी गोली, कड़ी सुरक्षा के बीच अस्पताल में किया गया भर्ती

पकड़े गए अपराधी हाल ही में डोरंडा में हुई फायरिंग की घटना में भी थे शामिल

- ससपी राकेश रंजन को गिरोह के कुछ
- अपराधियों के मूवमेंट की मिली थी सूचना
- किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था अपराधियों का गिरोह
- वाहन चेकिंग में पकड़े गए युवक सोनू ने खुद को बताया कोयलांचल शांति सेना का सदस्य
- सोनू की निशानदेही पर ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने अपराधियों के खिलाफ शुरू की कार्रवाई
- पुलिस की टीम के नजदीक पहुंचते हीअपराधियों ने शुरू कर दी फायरिंग

मधुपुर जेल में बंद कुख्यात आकाश राय उर्फ मोनू के घर पर की गई थी फायरिंग

अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा

तीन अर्थशास्त्रियों को मिला नोबेल पुरस्कार

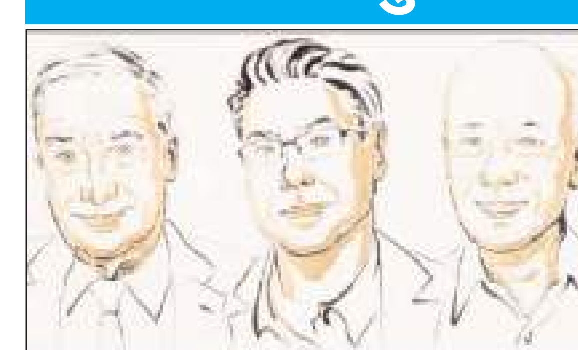

एजेंसी

ई दिल्ली, 13 अक्तूबरः इस वर्ष का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार जोएल मोकिर, फिलिप अघियन और पीटर हॉविट को नवाचार और आर्थिक विकास पर उनके अभूतपूर्व कार्य के लिए देने की घोषणा की गई है। नोबेल समिति के अनुसार, तीनों अर्थशास्त्रियों को नवाचार- संचालित आर्थिक विकास की व्याख्या करने के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। जोएल मोकिर ने तकनीकी प्रगति के माध्यम से सतत विकास के लिए आवश्यक शर्तों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जबकि फिलिप अघियन और पीटर हॉविट ने रचनात्मक विनाश के माध्यम से सतत विकास के सिद्धांत पर काम किया है। जोएल मोकिर, फिलिप एघियन और पीटर हाउविट ने इनोवेशन को अर्थव्यवस्था की रफ्तार का मुख्य इंजन बताया है।

नवाचार और आर्थिक विकास पर अभूतपूर्व कार्य के लिए मिला सम्मान

विमान में अचानक तकनीकी खराबी आने से हुआ हादसा

पायलट ट्रेनिंग के दौरान रांची के युवक की मौत

एजेंसी

रांची, 13 अक्तूबरः दक्षिण अफ्रीका के जोहानसबर्ग से एक दुखद खबर सामने आई है। पायलट ट्रेनिंग के दौरान विमान क्रैश हो जाने से झारखंड की राजधानी रांची के रहने वाले 20 वर्षीय युवक पीयूष पुष्प की दर्दनाक मौत हो गई। पीयूष पेशे से पायलट बनना चाहता था और वालकैन एविएशन इंस्टीट्यूट, जोहानसबर्ग में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था। जानकारी के अनुसार, विमान उड़ान के दौरान अचानक तकनीकी खराबी आ जाने के कारण हादसा हुआ। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पीयूष को तत्काल जोहानसबर्ग के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

पीयूष रांची के अरगोड़ा कटहल मोड़, लाजपत नगर का निवासी था और जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली का पूर्व छात्र था। वह पूर्व शिक्षक टीएन साहू का पुत्र था। दुर्घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है। रांची में शोक की लहर है। परिजनों के अनुसार, पीयूष बचपन से ही एविएशन क्षेत्र में करियर बनाना चाहता था और अपने सपनों को साकार करने के लिए वह दक्षिण अफ्रीका गया था। भारतीय दूतावास ने पीयूष का पार्थिव शरीर भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। संभावना है कि कुछ ही दिनों में अंतिम संस्कार के लिए उसका शव रांचीलाया जाएगा।

घाटशिला उपचुनाव की नामांकन प्रक्रिया शुरू

एजेंसी

जमशेदपूर । पूर्वी सिंहभूम जिले के 45-घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर सोमवार को नामांकन की अधिसूचना जारी कर दी गई है। सोमवार को गजट प्रकाशन के साथ ही स्थानीय स्तर पर भी अधिसूचना जारी की गई। इस मौके पर समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने नामांकन

और पूरी निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी अनुमंडल कार्यालय, घाटशिला से पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक नामांकन प्रपत्र क्रय कर सकते हैं। घाटशिला अनुमंडल पदाधिकारी सुनील चंद्र को इस उपचुनाव के लिए निवार्ची पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। नामांकन की प्रक्रिया 13 अक्टूबर से प्रारंभ हो गई है और इसकी अंतिम तिथि 21 अक्टूबर 2025 तय की गई है।

शिक्षा केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट से उजागर हुई राज्य में स्कूली शिक्षा की बदहाली

झारखंड के 9172 स्कूलों में है केवल 01 शिक्षक

4.36 लाख बच्चों की पढ़ाई पर संकट

संवादादता

रांची : भारत की शिक्षा व्यवस्था पर केंद्र सरकार की ताजा रिपोर्ट में झारखंड की चिंतनीय तस्वीर सामने आई है। शिक्षा मंत्रालय की 2024-25 की रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड में 9,172 स्कूल ऐसे हैं, जहां केवल एक ही शिक्षक तैनात है, जबकि इन स्कूलों में 4.36 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। यानी औसतन एक शिक्षक को करीब 48 छात्रों की जिम्मेदारी उठानी पड़ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति राइट टू एडुकेशन, 2009 के प्रावधानों का उल्लंघन है, जिसके तहत प्राथमिक स्तर पर 30 छात्रों पर एक और उच्च प्राथमिक स्तर पर 35 छात्रों पर एक शिक्षक होना अनिवार्य है। शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि देशभर में 1,04,125 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक ही शिक्षक कार्यरत है। इन स्कूलों में लगभग 33.76 लाख छात्र पढ़ रहे हैं।इसका औसत 'प्यूपिल-

टीचर रेशियो' (पीटीआर) 34:1 है। झारखंड इस सूची में तीसरे स्थान पर है। सबसे ज्यादा 12,912 ऐसे स्कूल आंध्र प्रदेश में हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश में 9,508 ऐसे स्कूल हैं, जहां सिर्फ एक शिक्षक है। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार में 1,865 सिंगल-टीचर स्कूल हैं, जिनमें 1.75 लाख छात्र पढ़ते हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 6.24 लाख छात्र ऐसे स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं। देशभर में 2024-25 तक 14.71 लाख स्कूल कार्यरत हैं, जिनकी संख्या पिछले वर्ष के मुकाबले थोड़ी घटी है। इन स्कूलों में 24.69 करोड़ छात्र पढ़ रहे हैं, और 1.01 करोड़ शिक्षक कार्यरत हैं। औसतन हर स्कूल में सात शिक्षक हैं और हर 24 छात्रों पर एक शिक्षक उपलब्ध है। शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि देशभर में 7,993 स्कूल ऐसे हैं जिनमें एक भी छात्र नहीं है, जबकि 20,817 स्कूल ऐसे हैं जिनमें छात्र नहीं लेकिन शिक्षक मौजूद हैं। झारखंड समेत कई राज्यों में बिजली, टॉयलेट और अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी भी बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में सिंगल-टीचर स्कूलों की संख्या 1.10 लाख थी, जो अब घटकर 1.04 लाख रह गई है। यानी लगभग 6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। लेकिन झारखंड और

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने विनोद कुमार पाण्डेय के आवास पहुंचकर उनकी माता के निधन पर प्रकट की शोक संवेदन

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने आज राज्य समन्वय समिति के सदस्य-सह-झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पाण्डेय के हरमू हाउसिंग कॉलोनी, रांची स्थित आवास पहुंचकर उनकी माता जलेश्वरी देवी जी के निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को इस कठिन घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने श्री विनोद कुमार पाण्डेय एवं उनके परिजनों से मुलाकात की तथा उनका ढांढ़स बंधाया। मालूम हो कि विगत 12 अक्टूबर 2025 को राज्य समन्वय समिति के सदस्य- सह-झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के केंद्रीय महासचिव श्री विनोद कुमार पाण्डेय की माता जलेश्वरी देवी जी का निधन हो गया था। जलेश्वरी देवी जी अपनेपीछे चार पुत्र एक पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई है

दीपों से जगमग हुआ आत्मनिर्भरता का रास्ता : मंईयां सम्मान योजना से रांची की महिलाएं रच रही नई कहानी

रांची, संवाददाता ।

करम टोली चौक की रहने वाली शीला लिंडा के घर में इन दिनों दीये की रौशनी केवल दीपावली के आगमन की नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की नई शुरूआत की गवाही भी दे रही है. पिछले 25 सालों से समाज सेवा में सक्रिय शीला लिंडा न सिर्फ अपने लिए, बल्कि अपने आस-पास की कई महिलाओं के जीवन में भी उजाला भर रही हैं. ये महिलाएं मईया सम्मान योजना का लाभ तो ले ही रही हैं, साथ ही व्होकल फॉर लोकल अभियान को भी बढ़ावा दे रही हैं, अपने हाथों से बने स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुंचाकर आत्मनिर्भर भारत की मिसाल बन रही हैं. शीला लिंडा बताती हैं कि मईया सम्मान योजना से मुझे अब तक 15,000 रुपए की राशि मिली है. पहले तो लगा यह छोटी पूंजी है, लेकिन आज यही मेरी सबसे बड़ी ताकत बन गई. इसी पैसे से मैंने दिया, मोमबत्ती और कागज के लिफाफे बनाना शुरू किया. अब मेरा छोटा सा व्यवसाय चल पड़ा है. दीपावली के इस मौसम में दीयों की मांग बढ़ गई है, और मैं खुश हूं कि मेरी मेहनत से घर भी रोशन है और दूसरों के घर भी.

दरअसल, मईया सम्मान योजना ने झारखंड की हजारों महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर दिया है. इस योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि उन्हें समाज में एक पहचान भी दे रही है. शीला लिंडा की कहानी इसी परिवर्तन का सजीव उदाहरण है. उन्होंने न केवल खुद को सशक्त किया बल्कि अपने इलाके की अन्य महिलाओं को भी इस मुहिम से जोड़ा. जिन महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिल पाया, उन्हें उन्होंने स्वयं सहायता समूह से जोड़कर रोजगार का रास्ता दिखाया.वो कहतीं हैं मैं चाहती हूं कि हर महिला अपने पैरों पर खड़ी हो. मैंने कई महिलाओं को मानदेय देकर काम सिखाया है. आज वे खुद दीया, लिफाफा और मोमबत्ती बनाकर मुनाफा कमा रही हैं.आत्मनिर्भर बनना अब सपना नहीं, हकीकत है.

दीपावली के अवसर पर उन्होंने डिजाइनर दीये बनवाने का काम शुरू किया है. सार्वजनिक मेलों से लेकर शहर के मॉल तक में उनके बनाये दीये बिक रहे हैं. उनकी मेहनत और रचनात्मक सोच ने उन्हें स्थानीय पहचान दिलाई है. एक दीदी प्रेममणि, जो शीला लिंडा के समूह से जुड़ी हैं, मुस्कुराते हुए कहती हैं, पहले लगता था हमारे बस की बात नहीं, लेकिन शीला दीदी ने हमें सिखाया कि थोड़ी सी हिम्मत और मेहनत से सबकुछ संभव है. मईया सम्मान योजना से मिले पैसों ने कई घरों की दीवारों में उम्मीद की रौशनी भर दी है. अब हम खुद अपने खर्च उठा पाती हैं, बच्चों की पढ़ाई में हाथ बंटा पाती हैं.

वहीं, इसी समूह से जुड़ी बसंती कहती हैं, मुझे वृद्धा पेंशन मिलती है. पहले उस पैसे को घर के खर्च में लगा देती थी, लेकिन अब वही पैसा शीला दीदी के काम में लगाती हूं. हम मिलकर दीये बनाते हैं और बेचते हैं. अब मुझे भी लगता है कि उम्र नहीं, इरादे बड़े होने चाहिए. दीपावली में जब हमारे बनाए दीये किसी के घर जलते हैं, तो लगता है कि जीवन सचमुच सफल हुआ. झारखंड सरकार की यह योजना ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों की महिलाओं के लिए नई दिशा दे रही है. जिन महिलाओं के पास पूंजी का अभाव था, वे अब इस योजना के माध्यम से अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं. दीपावली का त्योहार वैसे भी अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का प्रतीक है.

अस्मिता पेंचक सिलाट लीग: झारखंड की 300 महिला खिलाड़ियों ने दिखाया जज्बा व जुनून

रांची, संवाददाता ।

मोरहाबादी स्थित वुशु इनडोर स्टेडियम में रविवार को अस्मिता पेंचक सिलाट लीग 2025-26, झारखंड का सफल समापन हुआ. इस मुकाबले में राज्य भर से लगभग 300 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जहां खिलाड़ियों में जबरदस्त जोश और जुनून दिखाई दिया. उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ महुआ मांझी रहीं, जबकि समापन समारोह में झामुमो विधायक रामसूर्या मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में झारखंड पेंचक सिलाट संघ के अध्यक्ष किशोर मंत्री, सचिव मिस डॉली सिंह, चीफ टेक्निकल डायरेक्टर व चेयरमैन बिजय कुमार लिम्बु और आयोजन समिति के अध्यक्ष शिफू बिस्वजीत कर्मकार सहित कई सदस्यों का अहम योगदान रहा. साथ ही संदीप लाल, गणेश कालिंदी, धनांतर कुमार, जमील अंसारी, शकील अंसारी, अब्दुल कादिर, शशि कुमार, मानसिंह, शबनम मिंज, तेजस्विनी खाती, दीपक कच्छप, सुरज, कृष्णा भगत, प्रिंस कुमार, अंजन राणा, राजकुमार, शुभम् कुमार, आरव गुरुंग, कुमकुम विश्वकर्मा, ललन कुमार और कई स्कूलों के शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों का भी विशेष योगदान रहा, जिन्होंने बच्चियों को प्रेरित कर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया. संघ की सचिव डॉली सिंह ने बताया कि खेलो इंडिया के तहत आयोजित यह प्रतियोगिता महिलाओं को अपने खेल कौशल को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का सुनहरा अवसर देती है. यह मंच खिलाड़ियों को न केवल खिलाड़ी बल्कि भविष्य में कोच बनने की दिशा में भी प्रेरित कर रहा है. झारखंड पेंचक सिलाट संघ राज्य में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है. प्रतियोगिता का समापन शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ.

रांची में ज्वेलरी शॉप में ठगी का प्रयास विफल, अंतर्राज्यीय ठग गिरफ्तार

रांची, संवाददाता ।

सुखदेवनगर थाना क्षेत्र 12 बजे न्यू मार्केट चौक स्थित न्यू चंदन ज्वेलर्स नामक दुकान में एक व्यक्ति को दो अंगूठी खरीदने के बहाने ठगी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया. ज्वेलरी दुकानदार को ग्राहक के व्यवहार पर संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन शुरू की और ठगी करने का प्रयास कर रहे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान रितेश राज उर्फ सोनू राजा बीघा, थाना फतेहपूर, जिला गया, बिहार के रूप में हुई है. पूछताछ में रितेश राज उर्फ सोनू ने अपनी अपराध शैली का विस्तृत खुलासा किया, उसने बताया कि वह अपने सहयोगी अभय के साथ मिलकर रांची के विभिन्न एटीएम सेंटरों में ग्राहकों के एटीएम कार्ड फंसाकर उनका पिनकोड प्राप्त करते थे और फिर उनके खाते से पैसे की चोरी करते थे. उनकी कार्यशैली यह थी कि वे एटीएम मशीन में कार्ड प्रवेश स्थान पर गोंद लगा देते थे, जिससे ग्राहक का एटीएम कार्ड मशीन में ही चिपक जाता था. इसके बाद, रितेश राज उर्फ सोनू एटीएम सेंटर में प्रवेश कर, ग्राहक को अपने सहयोगी अभय का एक फर्जी मोबाइल नंबर देकर संपर्क करने को कहते थे, यह बताते हुए कि वह एटीएम के इंजीनियर हैं. इस बातचीत के दौरान वे ग्राहक से चतुराई से उसका पिनकोड प्राप्त कर लेते थे. फिर, वे कार्ड निकालकर दूसरे एटीएम से पैसे की चोरी करते थे.

डोरंडा में अमेरिका के श्री विष्णु मंदिर की थीम पर बन रहा काली पूजा पंडाल

रांची, संवाददाता ।

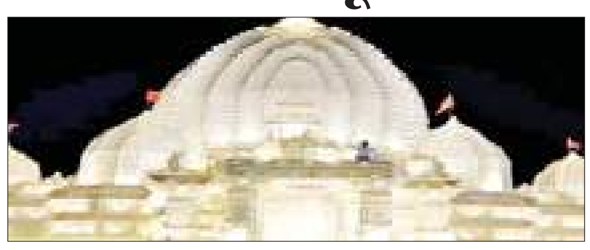

20 अक्टूबर को काली पूजा है. इसके लिए मेन रोड, डोरंडा समेत विभिन्न स्थानों पर भव्य पंडाल बनाए जा रहे है. इस बार डोरंडा में मां काली पूजा में भक्ति, भव्यता और कला का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा. श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति इस वर्ष अपने 75वें वर्ष मे प्रवेश करेगा. वर्ष 1951 से लगातार यहां मां काली की पूजा होती आ रही है, और इस बार आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप देने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है. इस वर्ष समिति ने अमेरिका के प्रसिद्ध श्री विष्णु मंदिर की थीम पर भव्य पंडाल बनाए जा रहे है. बंगाल के कुशल कारीगर इस आकर्षक पंडाल को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं. समिति के अध्यक्ष राजू चौरसिया ने बताया कि काली पूजा पांच दिनों तक चलेगी और इसमें लगभग 60 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं. पूजा के दौरान प्रतिदिन मां काली को खिचड़ी, सब्जी, चटनी और विभिन्न प्रकार के भाजा का भोग लगाया जाएगा. 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में आकर्षक विद्युत सज्जा, मेला की विशेष व्यवस्था की गई है. वहीं, न्यू काली पूजा समिति, डोरंडा इस बार अपनी परंपरा को नई दिशा देने जा रही है. यह समिति राजस्थानी स्थापत्य कला की थीम पर भव्य पंडाल बना रही है. करीब 10 लाख रुपए की लागत से तैयार यह पंडाल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा. मां काली की प्रतिमा 13 फीट ऊंची होगी, जबकि पंडाल की ऊंचाई 50 फीट, चौड़ाई 60 फीट और लंबाई 45 फीट रखी गई है. इस पूजा की शुरूआत वर्ष 1982 में हुई थी. समिति के अध्यक्ष शंभु गुप्ता, संस्थापक टापु घोष, महामंत्री अजय घोष, कोषाध्यक्ष मनोज मालाकार और अन्य 50 सदस्य आयोजन में जुटे हैं. पंडाल के भीतर और बाहर की लाइटिंग सजावट कोलकाता की चंदन नगर टीम द्वारा की जाएगी. राजस्थानी स्थापत्य कला से इस पंडाल को सजाए जाएंगे. पंडाल के मुख्य द्वार के प्रवेश और निकासी मार्ग पर आकर्षक विद्युत लाईटें से सजाई जाएगी. करीब 40 कारीगर खड़गपुर से आकर इस पंडाल को साकार रूप दे रहे हैं. पंडाल का उद्घाटन रांची के पांच संतों के द्वारा किया जाएगा.

रांची में निकलेगी डहरे सोहराय पदयात्रा और लगेगी प्रदर्शनी

रांची। झारखंड की पारंपरिक सोहराय संस्कृति को जीवित रखने और जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम डहरे सोहराय का आयोजन किया जा रहा है. यह आयोजन 16 अक्टूबर 2025 को राजधानी रांची में किया जाएगा. इस आयोजन की जानकारी विकास महतो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी. इस कार्यक्रम का आयोजन बहुभाषी झारखंड कला संस्कृति मंच के तत्वावधान में किया जा रहा है जिसका उद्देश्य राज्य की सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करना, स्थानीय कलाकारों को मंच देना और युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ना है. इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य झारखंड की प्रकृति, पशुपालन, कृषि जीवनशैली और समुदायिक एकता पर आधारित सोहराय संस्कृति, उसकी पेंटिंग, लोकगीत, नृत्य और कला को बढ़ावा देना है. इसका प्रदर्शन नाटकीय और जीवंत रूप में किया जाएगा ताकि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक धरोहर से परिचित हो सके।

गरीब मरीजों को राहत : प्रत्येक जिले में 100-100 नाम विशेष रूप से राशन कार्ड में जोड़े जाएंगे

रांची, संवाददाता ।

खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने घोषणा की है कि झारखंड के प्रत्येक जिले में विशेष रूप से 100-100 गरीब एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों के नाम राशन कार्ड में जोड़े जाएंगे, ताकि वे आयुष्मान भारत योजना और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा सकें. मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की उदासीनता के कारण अब तक कई गरीबों की जान इलाज के अभाव में चली गई. यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है. मैंने ठान लिया है कि मेरे रहते किसी गरीब की जान इलाज के अभाव में नहीं जाएगी. जनता है तभी हम हैं. विभाग में कई दौर की गंभीर विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है. अब यह योजना धरातल पर उतारी जा रही है, जिससे गरीबों के बीच राहत और सरकार के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है. मंत्री ने बताया कि वर्तमान गाइडलाइन के अनुसार केंद्र सरकार की नीति में नाम काटे बिना नया नाम नहीं जोड़ा जा सकता है. ऐसे में बड़ी संख्या में गरीब लोग सरकारी योजनाओं से वंचित थे. राज्य सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण से विशेष परिस्थिति में यह छूट देने का फैसला किया है. मैं राजनीति करने नहीं, काम करने आया हूं. मेरा विजन लंबा है, सोच स्पष्ट है, और मैं हर योजना को जमीन पर उतारने का संकल्प लेकर काम कर रहा हूं राज्य के सभी सांसदों और विधायकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में ऐसे जरूरतमंदों की सूची शीघ्र जिला उपायुक्त और जिला आपूर्ति पदाधिकारी को उपलब्ध कराएं.

झारखंड में मृत लाभुकों के नाम पर उठ रहा था राशन, सरकार ने 6.12 लाख नाम किए रद्द

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के अंतर्गत मृत लाभुकों के नाम पर वर्षों से राशन उठाए जाने का मामला सामने आया है. राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 59 लाख 71 हजार 211 परिवारों को अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे लगभग 2 करोड़ 60 लाख 95 हजार 355 लोग लाभान्वित हो रहे हैं. लेकिन जांच में सामने आया है कि इनमें कई ऐसे लाभुक भी हैं, जिनकी मृत्यु पिछले पांच से छह वर्षों के दौरान हो चुकी है, फिर भी उनके नाम पर राशन की आपूर्ति होती रही.

केंद्र के निर्देश पर सक्रिय हुई राज्य सरकार

केंद्र सरकार ने झारखंड सरकार को पत्र लिखकर सभी अयोग्य और मृत लाभुकों के नाम हटाने के निर्देश दिए थे. यह पत्र राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग के आंकड़ों के आधार पर भेजा गया था, जिसमें हाल के वर्षों में जारी मृत्युप्रमाण पत्रों के आंकड़े शामिल थे.

6.12 लाख मृत लाभुकों के नाम हटाए गए राशन कार्ड से

केंद्र के निदेर्शों के बाद झारखंड सरकार ने सभी जिलों में जांच शुरू की. मिलान प्रक्रिया में पाया गया कि 6 लाख 12 हजार से अधिक मृत लाभार्थियों के नाम अब भी राशन कार्ड की सूची में सक्रिय थे. इसके बाद इन सभी के नाम 18 सितंबर 2025 तक सूची से हटा दिए गए. विभागीय सूत्रों के अनुसार, मृत व्यक्तियों के नाम पर बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली (e-POS मशीन) की कमी और निगरानी तंत्र की कमजोरियों के कारण वर्षों तक राशन उठाया जाता रहा. खाद्य आपूर्ति विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि मृत या अयोग्य लाभुकों की फिलहाल जारी जांच रिपोर्ट जल्द जमा करें. अधिकारियों का मानना है कि मृत लाभुकों की वास्तविक संख्या 6.12 लाख से अधिक हो सकती है. राज्य सरकार अब पीडीएस प्रणाली को पूरी तरह आधार आधारित और पारदर्शी बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है ताकि भविष्य में इस तरह की गड़बड़ी की संभावना न रहे.

रांची को मिलेगी जीरो वेस्ट सिटी की नई पहचान, शुरू हुई हाईटेक कचरा प्रबंधन की पहल

रांची, संवाददाता ।

राजधानी अब जीरो वेस्ट सिटी बनने की दिशा में कदम बढ़ा रही है. रांची नगर निगम शहर के कचरे को वैज्ञानिक तरीके से संभालने के लिए राज्य का पहला मटीरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) सेंटर बना रहा है. यह सेंटर हाईटेक मशीनों से लैस होंगे, जो अपने आप सूखे और गीले कचरे को अलग कर देंगे. अब तक शहर का सारा कचरा बिना छंटाई के सीधे डंपिंग यार्ड तक पहुंचता था, जिससे गंदगी और बदबू की समस्या रहती थी. नई व्यवस्था में हर वार्ड से कचरा पहले एमआरएफ सेंटर भेजा जाएगा. वहां प्लास्टिक, कागज, धातु, कांच और गीले कचरे को अलग-अलग किया जाएगा. सूखा कचरा रीसाइक्लिंग एजेंसियों को दिया जाएगा, जबकि गीला कचरा गेल इंडिया लिमिटेड के गैस प्लांट में बायोगैस और कंपोस्ट बनाने के काम आएगा. रांची में ऐसे 12 आधुनिक एमआरएफ सेंटर बनाए जा रहे हैं. इससे शहर का कचरा व्यवस्थित रूप से इकट्ठा, छांटा और दोबारा उपयोग किया जा सकेगा. नगर निगम का लक्ष्य है कि अगले 6 महीनों में रांची को जीरो वेस्ट सिटी बनाया जाए.नगर निगम ने लोगों से अपील की है कि वे घर-घर कचरा संग्रहण के दौरान गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखें, ताकि सिस्टम बेहतर तरीके से काम कर सके. हालांकि कुछ जगहों पर इसका विरोध भी हो रहा है. आईटीआई परिसर में बन रहे एमआरएफ सेंटर के खिलाफ स्थानीय लोग और राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ भी विरोध जता चुके हैं. लोगों का कहना है कि यह सेंटर घनी आबादी वाले इलाके में बनाया जा रहा है, जिससे आसपास गंदगी और परेशानी बढ़ेगी.

झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ की एजीएम संपन्न, नई कार्यकारिणी गठित

वेदांत कौस्तव अध्यक्ष निर्वाचित, सचिव के रूप में राजेश कुमार एवं कोषाध्यक्ष कीर्ति कुमार चुने गए।

रांची, संवाददाता ।

झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ की वार्षिक आम सभा प्रेस क्लब, रांची सभागार में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में डॉ. राजेश गुप्ता को चेयरमैन, वेदांत कौस्तव को अध्यक्ष, राजेश कुमार को सचिव तथा कीर्ति कुमार को कोषाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। बैठक में राज्य में थ्रोबॉल खेल के दीर्घकालिक विकास के लिए लॉन्ग टर्म डेवलपमेंट प्रोग्राम पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही हाल ही में रांची में आयोजित राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता की समीक्षा की गई और उसके सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित सदस्यों को धन्यवाद दिया गया। बैठक में बतौर प्रवेक्षक थ्रोबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव संजीव कुमार उपस्थित रहे। वहीं दिल्ली से आए तकनीकी विशेषज्ञ कैलाश कुमार ने नई खेल नीति पर अपने विचार रखते हुए संघ की संरचना में आवश्यक सुधार एवं नवीनीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. राजेश गुप्ता ने कहा कि ह्झारखंड में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हमारा उद्देश्य है कि थ्रोबॉल खेल को हर जिले के विद्यालयों और ग्रामीण इलाकों तक पहुँचाया जाए, ताकि नई पीढ़ी इस खेल से जुड़ सके। अध्यक्ष वेदांत कौस्तव ने अपने संबोधन में कहा कि संघ की नई कार्यकारिणी राज्य के खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए ठोस कार्ययोजना पर काम करेगी। हम पारदर्शी और प्रोफेशनल तरीके से खेल प्रबंधन को और मजबूत बनाएंगे। अंत में कोषाध्यक्ष कीर्ति कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

नई कार्यकारिणी में निम्नलिखित पदाधिकारी एवं सदस्य चुने गए —

संरक्षक : चंद्रभूषण झा, गोविंद झा, चेयरमैन-डॉ. राजेश गुप्ता, अध्यक्ष-वेदांत कौस्तव, कार्यकारीअध्यक्ष-नगीना कुमार, उपाध्यक्ष-जमील अंसारी, राजेश कुमार सिंह, गूंजन सिंह, उपाध्यक्ष-सोनू सिंह, आशुतोष गोस्वामी, डॉ. लाल मनीष नाथ शाहदेव, बिस्वास उरांव, कृष्णा सिंह, सचिव-राजेश कुमार, संयुक्त सचिव-विश्वजीत कुमार, नीरज वर्मा, आशीष पाठक, देवव्रत कुमार, राकेश कुमार, दीपक वर्मा, गोकुलानंद मिश्रा, कोषाध्यक्ष-कीर्ति कुमार, कार्यकारिणी सदस्य-गौतम सिंह, क्वीन ठाकुर, गोकुलानंद मिश्रा, विवेक कुमार, अमित कुमार, मोहम्मद अमीरुल, अन्नु यादव, दीपक कुमार, सुनीता महतो, सुकांता आदि है कुंडू, सरस्वती उरांव, जेबा परवीन, अबोध राम, रविंद्र कुमार, अमरलाल मुंडा, दुर्गा कुमार। टेक्निकल कमिटी चेयरमैन झ्र विवेक कुमार, रेफरी बोर्ड चेयरमैन झ्र क्वीन ठाकुर

राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज रांची में छात्रों का हंगामा

रांची, संवाददाता ।

राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज रांची में आज सोमवार को छात्रों और बाहरी असामाजिक तत्वों के बीच हुई झड़प के बाद तनावपूर्ण माहौल बन गया. मारपीट की इस घटना में एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे तुरंत रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के विरोध में छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ में प्रदर्शन शुरू कर दिया. छात्रों का आरोप है कि जब वे इस घटना की शिकायत लेकर प्राचार्य के पास पहुंचे तो उन्होंने देखा कि जिन गुंडों ने मारपीट की थी वे प्राचार्य के कक्ष में आराम से बैठे चाय पी रहे थे. जैसे ही छात्रों ने आपत्ति जताई, उन गुंडों ने प्राचार्य कक्ष के भीतर ही लाठी चलानी शुरू कर दी, जिससे कार्यालय का शीशा टूट गया. इसके लिए छात्रों पर ही आरोप मढ़ा जा रहा है. प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि कॉलेज प्रशासन घटना की निष्पक्ष जांच करने के बजाय शिक्षा को रोकते हुए कॉलेज को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया है. उन्हें कॉलेज और होस्टल खाली करने का अल्टीमेटम दिया गया है, जिससे पढ़ने के लिए बाहर से आए छात्र खासे परेशान और आक्रोशित हैं.छात्रों ने कॉलेज परिसर का दौरा कर मीडिया को उसकी बदहाल स्थिति से भी अवगत कराया. उन्होंने बताया कि कॉलेज की कार्यशाला कोरोना लॉकडाउन के बाद से बंद है.

प्राचार्य अकिलुर रहमान ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह झगड़ा होस्टल के ही कुछ छात्रों के बीच हुआ था. स्थिति को शांत करने के लिए अस्थाई रूप से कॉलेज को बंद किया गया है और जल्द ही पढ़ाई फिर से शुरू कर दी जाएगी. उन्होंने आगे कहा कि हॉस्टल खाली करने का निर्देश केवल उन छात्रों को दिया गया है जो अनधिकृत रूप से रह रहे हैं. अधिकृत छात्रों को निकाला नहीं जाएगा. कॉलेज की जर्जर स्थिति को सुधारने के लिए सरकार को अनुरोध भेजा गया है और जैसे ही फंड प्राप्त होगा, मरम्मत कार्य शुरू कर दिए जाएंगे.छात्रों ने मांग की है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, निर्दोष छात्रों को परेशान न किया जाए, कक्षाएं फिर से शुरू की जानी चाहिए और कॉलेज में मूलभूत सुविधाएं तुरंत बहाल की जाएं।

वॉलीबॉल कोर्ट में घास उग आई है और वहां अब मवेशी चरते हैं.

कई इमारतें खंडहर में तब्दील हो चुकी हैं.

दो बॉयज हॉस्टल जर्जर हालत में हैं, जहां न शौचालय की समुचित व्यवस्था है, न पीने के पानी की, और न ही नियमित बिजली आपूर्ति.

गर्ल्स हॉस्टल में लाखों रुपये के पंखे, बेड आदि चोरी हो चुके हैं. छात्राओं की शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई और अब वह हॉस्टल बंद पड़ा है.

कॉलेज कैंपस में जमीन कब्जा कर कई लोग अपनी बस्ती बसा चुके हैं और आए दिन कॉलेज के छात्रों से मारपीट और छिनतई करते हैं.

बोकारो में पुलिस-सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में दो एसएलआर बरामद

संवाददाता । रांची

बोकारोः नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत बोकारो पुलिस, हजारीबाग पुलिस, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ 154 बटालियन की संयुक्त टीम ने सोमवार को एक बड़ी सफलता हासिल की। मुरपा जंगल में चलाए गए सर्च अभियान में कुख्यात माओवादी नक्सली भोला कोड़ा उर्फ रोहित कोड़ा उर्फ विकास दा की निशानदेही पर दो एसएलआर हथियार, 233 जिंदा कारतूस, एक खाली मैगजीन, तीन फुलथ्रु और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं। जानकारी के अनुसार, 17 जुलाई 2025 को माओवादी बीरसेन उर्फ चंचल दा के दस्ते की मौजूदगी की सूचना पर सीआरपीएफ कोबरा 209 और बोकारो जिला बल ने बिरहोरडेरा जंगल में संयुक्त छापेमारी की थी। उस दौरान मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए थे, जबकि प्रवेज दा, चंचल दा, विशन दा, राजू और भोला कोड़ा समेत कई उग्रवादी भाग निकले थे। भागने के क्रम मेंभोला कोड़ा और फुलचंद मांझी उर्फ राजू ने दो एसएलआर हथियार और मैगजीनों को मुरपा के समीप मिट्टी में गाड़कर छिपा दिया था।बाद में भोला कोड़ा गिरीडीह और अभयपुर होते हुए अपने गृह जिला मुंगेर (बिहार) पहुंचा, जहां उसने स्थानीय पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद उसे अनुसंधान हेतु हजारीबाग पुलिस रिमांड पर लाई गई। रिमांड के दौरान भोला कोड़ा ने छिपाए गए हथियारों के बारे में खुलासा किया, जिसके आधार पर
पुलिस महानिरीक्षक, कोयला प्रक्षेत्र के निर्देश पर मुरपा जंगल में ओपीएस योजना के तहत संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलायागया।बरामदगी के बाद पुलिस नेसभी सामग्री को विधिवत जब्त कर थाना लाया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।भोला कोड़ा के खिलाफ बिहार और झारखंड के कई जिलों में दर्जनों गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें यूएपीए, आर्म्स एक्ट और देशद्रोह की धाराएं शामिल हैं।छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव पवन कुमार, सीआरपीएफ व झारखंड जगुआर के अधिकारी, थाना प्रभारी चतरोचट्टी दीपक कुमार राणा, थाना प्रभारी आंगो जानु कुमार और गोमिया क्षेत्र के पुलिस दलशामिल थे।

ब्रीफ न्यूज

रांची के रातू में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, आरोपी चिह्नित; छापेमारी जारी

संवाददाता । रांची

रांची। रांची : रातू थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना सामने आई है। घटना रविवार रात की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नाबालिग रात के समय कहीं से अपने घर लौट रही थी, तभी रास्ते में बदमाशों ने उसे निशाना बनाया और इस वारदात को अंजाम दिया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़िता की मेडिकल जांच करा ली है। पुलिस ने दावा किया है कि इस घिनौनी वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की पहचान हो चुकी है।राँची पुलिस सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए सघन छापेमारी कर रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राँची//दशम फॉल में रविवार शाम एक हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार 37 वर्षीय रोशन कुमार, पिता दिनेश ठाकुर, जो मूल रूप से मधुबनी (बिहार) के कालिका रामनगर के रहने वाले हैं। फिलहाल पिस्का मोड़, पंडरा स्थित रवि स्टील में काम करते थे, नहाने के दौरान पानी के तेज बहाव में डूब गए। घटना रविवार शाम करीब 3:30 बजे की बताई जा रही।

कुडू के युवक की केरल में चाकू मारकर हत्या

संवाददाता । रांची

लोहरदगा : के कुडू थाना क्षेत्र के जिंगी पंचायत के जोंजरो गांव के एक युवक की केरल में चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। युवक का शव केरल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पड़ा हुआ है। इस संबंध में सोमवार को केरल पुलिस ने परिजनों को सूचना दी है। मृतक के परिजन युवक का शव लाने के लिए परेशान हैं। बताया जाता है कि कुडू थाना क्षेत्र के जोंजरो गांव निवासी परमेश्वर टोप्पो रोजगार की तलाश में गांव के साथियों के साथ केरल गया हुआ था और वह केरल के कालीकट जिला के बलसिरी थाना क्षेत्र के ऐंगेरूल में काम करता था।रविवार की रात केरल में काम करने वाले कुछ साथियों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपितों ने परमेश्वर टोप्पो की चाकू मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद सभी आरोपित फरार हो गए। साथ में रहने वाले ग्रामीणों की इसकी जानकारी हुई इसके बाद बलसिरी स्वास्थ्य केंद्र में प्रमेश्वर को इलाज के लिए ले जाया गया जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बलसिरी थाना पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देकर बताया कि परमेश्वर टोप्पो की हत्या हो गई है और शव स्वास्थ्य केंद्र में पड़ा हुआ है। केरल पुलिस ने प्रमेश्वर के परिजनों से जोंजरो गांव का निवासी होने का प्रमाण स्थानीय थाना से भेरीफाई कराकर पत्र भेजकर शव ले जाने को कहा है। परमेश्वर के परिजन जिंगी पंचायत के मुखिया दिलिप उरांव के साथ कुडू थाना पहुंचे और केरल पुलिस से फोन पर बातचीत की है। इसके बाद शव लाने की प्रक्रिया शुरू होगी।

भ्रष्टाचार के खिलाफ पलामू प्रमंडलीय एसीबी टीम की बड़ी कार्रवाई

संवाददाता । रांची

लातेहारः 5000 रिश्वत लेते लातेहार जिला मुख्यालय में स्वास्थ्य विभाग के कर्मी गिरफ्तार लातेहार जिले में पलामू प्रमंडलीय एसीबी टीम की बड़ी कार्रवाई, सोमवार को लातेहार जिला मुख्यालय में पदस्थापित स्वास्थ्य कर्मी बीपीएम सह एमटीएस अजय भारती को ?5000 रिश्वत लेते पलामू प्रमंडलीय एसीबी की टीम ने गिरफ्तार किया है, गिरफ्तार करने के बाद आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

रांची विश्वविद्यालय सहित कई संस्थानों में डिग्री के नाम पर वसूली, छात्रों की परेशानी बढ़ी

संवाददाता । रांची

लातेहारः रांची। समाजसेवी फराज अब्बास ने कहा कि झारखंड के शिक्षा जगत में एक छुपा घोटाला- भ्रष्टाचार, राज्य के कई विश्वविद्यालयों के परीक्षा विभागों में दलालों का बोलबाला,मार्कशीट / डिग्री निकलवाने के लिए बोली लगती है ।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुछ कर्मचारियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के आस पास फोटोकॉपी वाले दुकानदार भी इस घोटाले भ्रष्टाचार में शामिल हैं । 100-200 की नहीं जैसा काम वैसा दाम 5000-10000 या उससे अधिक की बोली लगाई जाती है। फराज ने कहा कि गरीब छात्र कैसे निकाले अपना काम, विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के पास वहां के ऑफिशियल स्टाफ के सहयोग से दलाल घुमते रहते हैं। विश्वविद्यालय में समय-सीमा में कोई काम नहीं होता है,स्टूडेंट को अपने काम के लिए बार बार चक्कर लगाना होता है ।।दूसरी सब से बड़ी दिक्कत ये है कि कर्मचारियों का कोई आने जाने का टाइम टेबल नहीं है।। कर्मचारियों का छात्रों के साथ व्यवहार भी अच्छा नहीं है, पुरा विश्वविद्यालय प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है,विशेष रूप से रांची विश्वविद्यालय !! इस स्थिति से महामहिम राज्यपाल

झारखंड में खास फसल के लिए होगा कलस्टर विकसित : मंत्री

संवाददाता ।रांची

रांची। झारखंड में रबी फसल के बीज वितरण का कार्य कलस्टर के फामूर्ले पर तय होगा। इसके तहत 80 से 100 गांव को मिलाकर कलस्टर निर्माण कर, हरेक कलस्टर को किसी खास फसल की पहचान के तौर पर विकसित किया जाएगा। यह बातें कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने नेपाल हाउस में सोमवार को कृषि एवं उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कही। उन्होंने बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत 100 प्रतिशत अनुदान पर बीज का वितरण करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही बैठक में नवंबर माह में रांची में राज्यस्तरीय कृषि व्यापार मेला आयोजित करने पर सहमति बनी है। मेला की सफलता को लेकर अधिकारियों को विशेष जिम्मेवारी दी गई है। समीक्षा बैठक के दौरान इस साल अच्छी बारिश के बाद अच्छी फसल होने की संभावनाएं जताई गई। मंत्री ने कहा कि खेतों में लगे धान की फसल कटने के साथ रबीफसल के लिए जिला स्तर पर मिलने वाले डिमांड के अनुरूप बीज उपलब्ध कराने की जरूरत है। ताकि किसानों को लाभ मिल सके। समीक्षा बैठक में योजनाओं की विस्तृत जानकारी लेते हुए कृषि मंत्री ने योजनाओं की रफ्तार बढ़ाने के साथ समय पर लाभुकों को योजना का लाभ दिलाने की बात कही। रबी फसल को लेकर विशेष रूप से तैयारी करने का निर्देश उन्होंने अधिकारियों को दिया। बैठक में कहा गया कि दलहन और तिलहन फसल को लेकर किसानों के बीच जागरूकता, गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। किसानों के लिए प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाली गोष्ठी इस बार पंचायत स्तर पर आयोजित होगी। इसका उद्देश्य गांव के लोगों को विभाग कीयोजनाओं को लेकर जागरूक करना है। समीक्षा बैठक में विभागीय सचिव अबू बकर सिदिदकी, विशेष सचिव गोपाल तिवारी, विशेष सचिव प्रदीप हजारी, कृषि निदेशक भोर सिंह यादव, उद्यान निदेशक माधवी मिश्रा, समेति निदेशक विकास कुमार सहित अन्यस अधिकारी- पदाधिकारी मौजूद थे।समीक्षा बैठक के दौरान इस साल अच्छी बारिश के बाद अच्छी फसल होने की संभावनाएं जताई गई।
मंत्री ने कहा कि खेतों में लगे धान की फसल कटने के साथ रबीफसल के लिए जिला स्तर पर मिलने वाले डिमांड के अनुरूप बीज उपलब्ध कराने की जरूरत है। ताकि किसानों को लाभ मिल सके। समीक्षा बैठक में योजनाओं की विस्तृत जानकारी लेते हुए कृषि मंत्री ने योजनाओं की रफ्तार बढ़ाने के साथ समय पर लाभुकों को योजना का लाभ दिलाने की बात कही।

रांची में पुलिस और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़, एक को लगी गोली

संवाददाता ।रांची

रांची : रांची के मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के जंगल में टीएसपीसी उग्रवादियों के साथ पुलिस के बीची मुठभेड़ की खबर है. एक उग्रवादी को गोली लगने की खबर है. मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चलीं. इस दौरान एक उग्रवादी प्रभात राम को गोली लगी है. वहीं उग्रवादी संजय को गिरफ्तार किया गया है. मौके से कार्बाइन के साथ कई हथियार भी बरामद हुए है. पुलिस घटनास्थल पर तलाशी अभियान चला रही है. पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और तलाशी अभियान जारी है.रांची पुलिस का आज लगातार दो-दो एनकाउंटर एक डोरंडा में फायरिंग करने वाले का और एक मैक्लुस्कीगंज में सीनियर एसपी का सीधा संदेश अपराधियों को अब किसी भी हालत में अपराधी बक्से नहीं जाएंगे लोगों को खुलकर व्यापार करने की सलाह दी गई भयभीत नहीं होना है पुलिस

राज्य के हर जिलों में 100-100 गरीब राशन कार्ड से जोड़े जायेंगे : मंत्री

संवाददाता । रांची

जामताड़ा. राज्य सरकार ने एक बार फिर गरीब और बीमार जनता के प्रति अपनी संवेदनशीलता दिखाई है और ऐतिहासिक निर्णय लिया है.

संवाददाता, जामताड़ा. राज्य सरकार ने एक बार फिर गरीब और बीमार जनता के प्रति अपनी संवेदनशीलता दिखाई है और ऐतिहासिक निर्णय लिया है. खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने घोषणा की है कि झारखंड के प्रत्येक जिलों में 100-100 गरीब एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों का नाम राशन कार्ड में जोड़े जाएंगे, ताकि वे आयुष्मान भारत योजना और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा सकें. मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की उदासीनता से अब तक कई गरीबों की जान इलाज के अभाव में चली गयी. यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है. मैंने ठान लिया है कि मेरे रहते किसी गरीब की जान इलाज के अभाव में नहीं जाएगी. जनता है तभी हम हैं. कहा, विभाग में कई दौर के विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है. मंत्री ने बताया कि वर्तमान गाइडलाइन के अनुसार केंद्र सरकार की नीति में नाम काटे बिना नया नाम नहीं जोड़ा जा सकता है. ऐसे में बड़ी संख्या में गरीब लोग सरकारी योजनाओं से वंचित थे. राज्य सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण से विशेष परिस्थिति में यह छूट देने का फैसला किया है. मंत्री ने राज्य के सभी विधायकों और सांसदों से आग्रह किया कि यदि उनके क्षेत्र में कोई गरीब मरीज ऐसा है, जिसका नाम राशन कार्ड में शामिल नहीं है और वह आर्थिक तंगी के कारण इलाज नहीं करवा पा रहे हैं, तो वे तुरंत संबंधित उपायुक्त और जिला आपूर्ति पदाधिकारी से संपर्क कर उसका नाम सूची में जुड़वाएं.

बीआईटी मेसरा का 35वां दीक्षांत समारोह कल, इसरो अध्यक्ष होंगे मुख्य अतिथि

संवाददाता । रांची

रांची, 13 अक्टूबर, 2025: बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा अपने 35वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 15 अक्टूबर को करने जा रहा है, जिसमें विभिन्न विषयों के स्नातकों को उनके पेशेवर सफर की शुरूआत के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ वी. नारायणन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। डॉ वी. नारायणन का संबोधन नवोदित पेशेवरों को अपने करियर के दौरान उत्कृष्टता, निष्ठा और उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा, जिससे विकसित भारत के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण में योगदान मिलेगा। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम परिसर में पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट और डिप्लोमा कार्यक्रमों में 1,600 से अधिक छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की जाएगी।इसके अलावा, संस्थान के कुलाधिपति और सीके बिरला समूह के अध्यक्ष श्री सीके बिरला भी सभा को संबोधित करेंगे। उनके ज्ञानवर्धक शब्द छात्रों को नए मानक स्थापित करने और संस्थान में अर्जित मूल्यों का उपयोग करके समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करेंगे।
संस्थान के कुलपति, प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना, वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत करेंगे, जिसमें अनुसंधान, उद्योग सहयोग और वैश्विक शैक्षणिक साझेदारियों में बीआईटी मेसरा की हालिया उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाएगा।

रांची में 15 अक्तूबर को बीआईटी मेसरा का 35वां दीक्षांत समारोह आयोजित होगा। इस समारोह में 1,600 से अधिक छात्रों को स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट और डिप्लोमा उपाधियां दी जाएंगी। मुख्य अतिथि डॉ वी...

संस्थान का 35वां दीक्षांत समारोह एक उल्लेखनीय आयोजन होने का वादा करता है, जो न केवल छात्रों के असाधारण शैक्षणिक प्रदर्शन का जश्न मनाएगा, बल्कि वैज्ञानिक नवाचार,

आज समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज आयोजित जनता दरबार में बड़ी संख्या में आम नागरिक अपनी शिकायतें लेकर पहुँचे

संवाददाता ।रांची

रांची:जिसपर प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही समाधान अथवा संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।चार दिन से मेरी बेटी ने कुछ खाया नहीं है सर... वो तड़प रही है... उसे बचा लीजिये सर प्लीज... आपके दरवाजे से सब खुशी-खुशी लौटते हैं, मेरी बच्ची को बचा लीजिए सर... मैंने अपने जेवर बेचकर अब तक बच्ची का इलाज करवाया है...सर प्लीज... वीणा देवी कुछ इस तरह से जनता दरबार में फरियाद लगा रही थी। बीमार बच्ची के इलाज के लिए एक मां की फरियाद पर तुरंत एक्शन लेते हुए सिविल सर्जन से बात की। सिविल सर्जन द्वारा बताया गया कि बच्ची का इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत संभव है। जिसपर त्वरित आयुष्मान कार्ड बनवाकर बच्ची के इलाज की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।
सेविका को शोकॉज करने का निर्देश माण्डर प्रखण्ड के बंझिला टोला से आयी महिलाओं ने सेविका पर सत्यापन में गड़बड़ी और शिकायत नहीं करने के एवज में पैसे का ऑफर करने का आरोप लगाया।इस पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को सेविका को शो-कॉज करने का निर्देश दिया। साथ ही, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा को सभी संबंधित मामलों की जांच कर निष्पादन करने का आदेश दिया। जनता दरबार के दौरान मंईयां सम्मान योजना से संबधित और भी शिकायतें आयी जिस पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा को जांच कर निष्पादन का निर्देश दिया गया। अनगड़ा सीओ और कर्मचारियों को शो-कॉज करने का निर्देश ??
अनगड़ा प्रखण्ड के हेसल पंचायत की मुखिया द्वारा बार बार आवेदन समर्पित करने के बाद भी खाता संख्या में सुधार न किये जाने की शिकायत की। दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद अनगड़ा सीओ और कर्मचारियों को शो-कॉज करने का निर्देश दिया गया।घरेलू हिंसा के मामले में चौकीदार का वेतन रोका गया ??पिठोरिया थाना क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि उसका पति दूसरी शादी कर चुका है और उसे घर से निकाल दिया गया है, इस संबंध में थाने में भी शिकायत करने के बाद कोई कार्रवाई नहीं की गयी, बल्कि महिला और उसके पिता पर झूठा केस भी दर्ज करा दिया गया। जिसपर चौकीदार का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। शैक्षणिक त्रुटि पर विशेष निर्देशबुण्डू प्रखण्ड के तैमारा निवासी छात्र अनुज कुमार रुण्डा द्वारा

'घाटशिला विधानसभा उपचुनाव की अधिसूचना जारी', जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की प्रेसवार्ता

कहा अभ्यर्थी सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक कर सकेंगे नामांकन

जमशेदपुर, संवाददाता

45-घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर सोमवार 13 अक्टूबर को गजट प्रकाशन कर स्थानीय स्तर पर अधिसूचना जारी कर दिया गया है। इस अवसर पर समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी द्वारा नामांकन एवं पूरी निर्वाचन प्रक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रेस प्रतिनिधियों से साझा की गई।

वार्ता में उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी/प्रत्याशी अनुमंडल कार्यालय घाटशिला से सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक नामांकन प्रपत्र का क्रय कर सकते हैं। घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के लिए अनुमंडल पदाधिकारी घाटशिला सुनील चंद्र निवार्ची पदाधिकारी हैं। नामांकन की प्रक्रिया सोमवार 13 अक्टूबर से प्रारंभ हो गई है और जिसकी अंतिम तिथि 21 अक्टूबर निर्धारित है। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 6 अक्टूबर को उपचुनाव की घोषणा के साथ साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता के अलावा सभी तरह के एसओपी का अनुपालन किया जा रहा है। सुगम, स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भयमुक्त वातावरण में निर्वाचन प्रक्रिया के सफल संपादन के लिए सभी प्रशासनिक तैयारियों को पूर्ण कर लिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए ईवीएम पर लगने वाले मत पत्र में बदलाव किए है। जिसके तहत अब ईवीएम पर उम्मीदवारों के रंगीन फोटो के साथ-साथ उनके नाम और क्रम संख्या बड़े अक्षरों में अंकित होंगे। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाताओं को शिक्षित एवं प्रेरित करते हुए

मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। साथ ही सभी अंतर्राज्यीय एवं अंतरजिला चेकनाकों की निगरानी सख्ती से की जा रही है। ताकि अवैध मादक पदार्थ, संदिग्ध पैसों का परिवहन, शराब, उपहार, असामाजिक तत्वों पर कड़ाई से निगरानी एवं कार्रवाई की जा सके। आगे उन्होंने बताया कि सभी मतदान केन्द्रों पर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी सुनिश्चित किया जा रहा है। उपचुनाव में भी होम वोटिंग की सुविधा रहेगी। वैसे दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाता जो मतदान के लिए मतदान केंद्र जाना चाहते हैं, उनके आवागमन के लिए वाहन, व्हीलचेयर, रैंप, वॉलंटियर की व्यवस्था रहेगी। सोशल मीडिया समेत अन्य मीडिया माध्यमों पर भी कड़ी निगरानी रखते हुए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

कदमा में डोर-टू-डोर घूमे भाजपा-जदयू कार्यकर्ता, लोगों से पूछी उनकी समस्याएं, समाधान का दिया आश्वासन

जमशेदपुर, संवाददाता

पश्चिमी विधायक सरयू राय के निर्देश पर सोमवार भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) के कार्यकताओं-पदाधिकारियों ने कदमा क्षेत्र के उलियान स्थित विभिन्न इलाकों का दौरा कर स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानीं। इस दौरान भाजपा-जदयू के कार्यकताओं ने स्थानीय निवासियों से मिलकर न सिर्फ उनकी समस्याएं सुनीं। बल्कि उन्हें एक रजिस्टर में नोट भी किया। साथ ही जो समस्या जिस विभाग से जुड़ी थीं, उनके अधिकारियों से बात करना भी तय किया। जिसके बाद समस्या के समाधान का प्रयास भी प्रारंभ कर दिया गया है। इस डोर-टू-डोर कैंपेन में सबसे ज्यादा समस्या साफ-सफाई को लेकर सामने आई। स्थानीय लोगों की शिकायत थी कि उनके इलाके में साफ-सपाई की स्थिति काफी खराब है और लोगों ने गंदगी के ढेर भी दिखाए। स्थानीय लोगों ने स्ट्रीट लाइट की समस्या के बारे में भी खुल कर बात कही। उन लोगों का कहना था कि अनेक स्थानों पर अब भी अंधेरा है। इन स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की गई। स्थानीय लोगों ने पुरानी स्ट्रीट लाइटों को बदल कर नई स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग भी रखी। जिसपर उन्हें आश्वस्त भी किया गया। भाजपा और जदयू के साथियों ने आपस में विचार-विमर्श किया कि समस्या के समाधान के लिए विभिन्न क्षेत्रों में बूथ स्तर पर कमेटी बनाई जाए। वहीं कमेटी ही अपने-अपने क्षेत्रों में समस्या का समाधान करने का प्रयास करेगी। दोनों पार्टियों के लोगों ने कदमा क्षेत्र के नीम तल्ला पथ, मधुसूदन पथ, बनिया पाड़ा क्षेत्र, उलियान हरि मंदिर लाइन, धोबी लाइन, उलियान मन रोड, उलियान टैंक रोड, नर्मदा पथ, नजरुल पथ, बंधु पथ आदि का भ्रमण कर लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनकर नोट भी किया। मौके पर राकेश सिंह, नीरज सिंह, राजेश सिंह, टीटू दास, भीम सिंह, संजीव आचार्या, राणा प्रताप सिंह, धरन सिंह, केपी सिंह, उमेश ठाकुर, अजीत सिंह, दीपल विस्वास, रंजन भगत, राजन नायक, संजीत सिंह, रविशंकर सिंह, रंजीत आइच, महादेव बसाख, रमेश राय, सुभाष सिंह, संजीत सिंह, संदीप कुमार, विश्वजीत सिंह, रामजतन प्रसाद, अजीम सिंह, लाली दीक्षित, सुनील कुमार, राहुल कुमार, आनंद कुमार, रिंकू सिंह, प्रेम प्रसन्न कुमार, जितेंद्र सिंह, आनंद राव, सुनीस पांडेय, अखिलेश शर्मा, ललन राय, दीपक दुबे, बिजेंद्र कुमार समेत अन्य भी मौजूद थे।

किसी भी सरकारी योजनाओं का लाभ का प्रलोभन के नाम पर मोबाइल ओटीपी शेयर न करें : बरही बीडीओ

बरही, संवाददाता

बरही बीडीओ जयपाल महतो ने प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों के ग्रामीण ,सरकारी योजना से लाभ पाने वाले लाभुक एवं आमजनों से पत्र के माध्यम से सूचित करते हुए कहा कि विभिन्न पंचायतों से मईया सम्मान, पेंशन, मातृत्व योजना एवं अन्य योजनाओं के तहत मोबाइल पर ओटीपी मांग कर साइबर ठगी का मामला प्रकाश में आया है। उन्होंने कहा कि प्रखण्ड स्तर से किसी भी प्रकार की योजनाओं यथा मईयाँ सम्मान योजना, पेंशन योजना, मातृत्व योजना एवं अन्य योजना की स्वीकृति अथवा अन्य किसी कार्य के लिए किसी भी प्रखण्ड कर्मी द्वारा मोबाइल ओ०टी०पी० की मांग नहीं की जाती है तथा किसी नये एप्लीकेशन को गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से इंस्टॉल करने के लिए नहीं कहा जाता है। यदि इस प्रकार की कोई सूचना अथवा एप्लीकेशन इंस्टॉल करने के संबंध में बोला जा रहा है तो ये पूर्ण रूप से ठगी का मामला है। किसी भी हाल में उनके झांसा में न आकर इंस्टॉल करें न ओटीपी शेयर करें अन्यथा आप ठगी का शिकार हो सकते हैं जिसकी पूरी जिम्मेदारी आप खुद होगें।

अवैध खनन और शराब पर कड़ा रुख, राजस्व वसूली में तेजी के निर्देश, जनहित में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : उपायुक्त ऋतुराज

कोडरमा, संवाददाता

विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जिले के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आमजन के हित में समर्पित भाव से कार्य करें। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने स्तर पर नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन करें। उपायुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी एवं कर्मी कार्यालय में समय पर उपस्थित रहें तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करें। उन्होंने कहा कि सरकार के दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन करते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों के पदाधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने विभागीय कार्यों में तेजी लाएं। राजस्व संग्रह के संदर्भ में उपायुक्त ने कहा कि विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप शत-प्रतिशत राजस्व की वसूली सुनिश्चित की जाए। जिला खनन पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जिले में अवैध रूप से खनिज के खनन, भंडारण तथा परिवहन पर सख्ती से निगरानी रखी जाए और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन करें। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ योग्य लाभुकों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने योजनाओं के सफल संचालन पर विशेष बल दिया। कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि वन पट्टा प्रदान करने के लिए एफ.आर. एवं सी.एफ.आर. रिपोर्ट यथाशीघ्र उपलब्ध कराएं। राजस्व विभाग से संबंधित निर्देश में उपायुक्त ने कहा कि अंचलवार म्यूटेशन एवं सुओ मोटू म्यूटेशन से संबंधित लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जाए। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने बैठक में कहा कि जिले में अवैध रूप से शराब की बिक्री एवं भंडारण करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। शराब माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अवैध रूप से नशीले पदार्थों की बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों पर कड़ा शिकंजा कसें। इस अवसर पर अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

अवैध अफीम/पोस्ता एवं गांजा की खेती रोकथाम हेतु पांकी प्रखंड में चलाया गया जागरूकता अभियान

पलामू, संवाददाता

पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम - केकरगढ़ एवं मतनाग में अवैध अफीम/पोस्ता एवं गांजा की खेती के रोकथाम हेतु एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। सोमवार को इस अभियान में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी पांकी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, केकरगढ़ पंचायत के मुखिया एवं वार्ड सदस्य, वन विभाग की टीम, तथा पांकी थाना के पदाधिकारी एवं पुलिस जवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में केकरगढ़ पंचायत के अंतर्गत आने वाले केकरगढ़ एवं मतनाग गांव के महिला एवं पुरुष, युवक एवं युवतियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अभियान के दौरान ग्रामीणों को अफीम/पोस्ता एवं गांजा की खेती के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, अवैध खेती में संलिप्त पाए जाने पर मिलने वाले कानूनी दंड के प्रावधानों से भी अवगत कराया गया। ग्रामीणों को यह भी समझाया गया कि वे अफीम, पोस्ता एवं गांजा की खेती छोड़कर वैकल्पिक फसलों जैसे – चावल, गेहूं, चना, सरसों, मसूर, ज्वार, सोयाबीन, मूंगफली, अरंडी, बाजरा एवं कटहल की खेती करें, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ के साथ सुरक्षित आजीविका भी मिल सके। कार्यक्रम के अंत में सभी ग्रामीणों को अवैध अफीम/पोस्ता एवं गांजा की खेती नहीं करने की शपथ दिलाई गई। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नशा उत्पन्न करने वाली फसलों की खेती पर अंकुश लगाना तथा किसानों को वैकल्पिक कृषि के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है।

बरही डीएवी के बच्चों ने लोक सेलिब्रेशन ऑफ फोक एंड ट्रेडीशन कार्यक्रम में लहराया परचम

बरही, संवाददाता

बरही डीएवी के बच्चों ने रांची में लोक 2025 सेलिब्रेशन ऑफ फोक एंड ट्रेडीशन का आयोजन हुआ।यह कार्यक्रम 10 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक रांची के आड्रे हाउस में आयोजित किया गया` जिसमें भारत के 11 राज्य के साथ साथ नेपाल के प्रतिभागी शामिल हुए।इस कार्यक्रम में बरही के डीएवी स्कूल के कला शिक्षक ललन यादव के नेतृत्व में छात्रों ने भी भाग लिया।यह कार्यक्रम फोक ऑटोपीडिया फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित की गई थी जो झारखंड के पर्यटन विभाग और आर्ट और कल्चर विभाग के अंतर्गत कार्य कर रही थी। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के पेंटिंग प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें सोहराय पेंटिंग, जारोपेटिया पेंटिंग, मिथिला पेंटिंग ,भोजपुरी पेंटिंग ,पिछवाई पेंटिंग जैसे भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाले विभिन्न प्रकार के कलाओं की सुंदर प्रदर्शनी लगाई गई थी। इस कार्यक्रम में डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के कला शिक्षक ललन यादव के नेतृत्व में यहां की छात्र-छात्राओं ने सोहराय कला में अपना बेहतर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मिताली,कशिश कुमारी ,दिलकश कायनात, तनु कुमारी ,आरोही, सोनाक्षी ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ आशुतोष कुमार ने कहा कि यह दिन डीएवी पब्लिक स्कूल के लिए बड़े ही गौरव का क्षण है क्योंकि ललन यादव के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने अपनी उम्दा कला का बेहतर प्रदर्शन किया। विद्यालय के कला शिक्षक ललन यादव ने अपनी कला के माध्यम से विद्यालय की छात्र-छात्राओं के बीच कला को एक नया जीवंत रूप प्रदान किया है। बच्चे उनके सिखाए कला के द्वारा अपने मनोभावों को प्रस्तुत करने में सदैव सक्षम हो पाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने शिक्षा से आने वाले दिनों के लिए नौनिहालों का निर्माण करते हैं। जो आगे चलकर अपने और अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने-अपने विभागों में बेहतर प्रदर्शन कर पाने में सक्षम हो पाते हैं। इसीलिए शिक्षक सिर्फ बच्चे का निर्माण नहीं करता बल्कि वह देश का भी निर्माण करता है।

डीजीपी ने चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ दीपावली एवं छठ पर्व को लेकर की बैठक

बोकारो, संवाददाता

झारखंड पुलिस के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और प्रदेश के सभी चैंबर के पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की। बैठक का उद्देश्य दीपावली और छठ पूजा के दौरान प्रदेश की विधि व्यवस्था, साइबर क्राइम, ट्रैफिक जाम और अन्य समस्याओं पर चर्चा करना था। बैठक में यह सुझाव दिया गया कि चास थाना परिसर को स्थानांतरित किया जाए, क्योंकि वर्तमान में यह चास बाजार में स्थित है, जहां हमेशा भारी ट्रैफिक जाम रहता है। इससे न केवल पुलिस कार्य में बाधा आती है, बल्कि आम जनता को भी परेशानी होती है। वीडियो कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ सदर चास प्रवीण कुमार सिंह, सिटी डीएसपी आलोक रंजन सहित चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी, महामंत्री राजकुमार जायसवाल, मुकेश अग्रवाल, विनय कुमार सिंह आदि पदाधिकारी शामिल हुए। डीजीपी ने सभी चैंबर के पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान नागरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही ट्रैफिक जाम कम करने और साइबर अपराध पर निगरानी बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। यह बैठक प्रदेश के सुरक्षित और व्यवस्थित त्योहार समारोह सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बोकारो में मां-बेटे को 15 महीने तक बंधक बनाकर रखा गया, पुलिस ने कराया मुक्त

बोकारो, संवाददाता

सेक्टर 6 थाना क्षेत्र के क्वार्टर नंबर 2517 में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां मां और बेटे को करीब 15 महीने तक बंधक बनाकर रखा गया था। पुलिस ने सूचना मिलने पर दोनों को मुक्त कराया। यह घटना संतोष कुमार महतो और उनकी मां सीता देवी की है, जो चास के बंसीडीह निवासी हैं। थाना प्रभारी संगीता कुमारी ने बताया कि उन्हें मामले की सूचना टेलीफोन से मिली थी। तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और मां-बेटे को बंद कमरे से मुक्त कराया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि संतोष कुमार की पत्नी के साथ कुछ पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसमें कानूनी प्रक्रिया के दौरान अशोक सिंह नामक व्यक्ति से आर्थिक लेनदेन हुआ था। बताया गया कि संतोष कुमार ने वह पैसा खर्च कर दिया था, जिसके बाद अशोक सिंह ने धमकी देकर कहा था कि प्रॉपर्टी बेचकर पैसा लौटाओ। इसी विवाद के चलते अशोक सिंह ने दोनों को क्वार्टर में बंधक बनाकर रखा। संतोष कुमार ने बताया कि उन्हें और उनकी मां को कभी-कभी चावल-दाल या थोड़ा बहुत खाना दिया जाता था। वे कई बार बालकनी से मदद की गुहार लगाते थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी अशोक सिंह सेक्टर 3 के निवासी हैं और हाल ही में किसी अन्य मामले में उन्हें चिराचास थाना क्षेत्र से जेल भेजा गया है। संतोष कुमार उक्त्त के मरीज हैं और कभी-कभी उनका व्यवहार असामान्य हो जाता है। फिलहाल पुलिस ने दोनों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया है। थाना प्रभारी ने कहा कि आवेदन मिलने पर आगे की जांच और कार्रवाई की जाएगी। यह मामला न केवल मानवता को झकझोर देने वाला है बल्कि पुलिस सतर्कता की एक बड़ी परीक्षा भी बन गया है।

देशभर में विस्तार की दिशा में बढ़ा 'अन्नपूर्णा घी'

हजारीबाग। पिछली तीन से अधिक पीढ़ियों से, अन्नपूर्णा घी सिर्फ. रसोई का जरूरी हिस्सा नहीं रहा है, बल्कि यह शुद्धता, पोषण और परंपरा का प्रतीक बना हुआ है। रोजमर्रा के भोजन से लेकर त्योहारों के अवसर तक, इसकी गाढ़ी खुशबू, दानेदार बनावट और असली स्वाद ने समय की कसौटी पर खरा उतरते हुए इसे पूरे भारत में घर-घर का भरोसेमंद नाम बना दिया है। यह विरासत केवल डेयरी उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवारों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाई जाने वाली परंपरा है, जो अपनी स्थायी गुणवत्ता से पीढ़ियों को जोड़ती है। 70 वर्षों से अधिक की घी बनाने की परंपरा और पूर्वोत्तर भारत के सबसे मजबूत तथा सर्वाधिक बिकने वाले ब्रांड होने के नाते, अन्नपूर्णा समूह को विश्वास है कि यह श्रेणी उनके विकास का प्रमुख आधार बनेगी। कंपनी अब अपने मौजूदा बाजार यानी पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में अपनी पकड़ और मजबूत करने के साथ-साथ रणनीतिक रूप से उत्तर भारत में कदम रख रही है और धीरे-धीरे पूरे भारत में विस्तार की दिशा में अग्रसर है।इस विस्तार यात्रा के तहत, अन्नपूर्णा ने उत्तर भारत के बाजार में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने शहनाज गिल जो देश की सबसे लोकप्रिय हस्तियों में से एक हैं, को अन्नपूर्णा काऊ घी का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इसे सुपरफूड के रूप में प्रस्तुत करते हुए, ब्रांड ने शुद्धता और विश्वास का अपना वादा उस क्षेत्र में और सुदृढ़ किया है, जहाँ भोजन, संस्कृति और परंपरा का विशेष महत्व है।

धनबाद पुलिस ने प्रिंस खान के 12 गुर्गे को किया गिरफतार

व्यापारियों को डरने की जरूरत नहीं पुलिस सुरक्षा देने में सक्षम : एसएसपी

धनबाद, संवाददाता

धनबाद। पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली। एसएसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की विशेष टीम ने प्रिन्स खान गिरोह के 12 अपराधकर्मियों को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गिरफ्तार किया है। इस सन्दर्भ में प्रेस वार्ता के दौरान एसएसपी ने मीडिया को बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि प्रिन्स गिरोह के कुछ अपराधकर्मी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के फिराक में है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस की विशेष टीम ने विभिन्न थाना क्षेत्रों मे छापेमारी करते हुए गिरोह के कुल 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों मे 4 शूटर, 1 साजिशकर्ता, 3 वित्तीय प्रबंधक, 4 साइबर संचालक समेत कुल 12 अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों का सम्बन्ध जमशेदपुर के भानु मांझी गिरोह से भी है। फिलहाल पुलिस की टीम भानु मांझी के साथ गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी में जुटी है।एसएसपी ने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी सूरत में डरने की जरूरत नही है। पुलिस उन्हें सुरक्षा देने मे सक्षम है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अगर कोई भी कारोबारी किसी भी तरीके से इन अपराधियों को आर्थिक लाभ देंगे तो फिर वैसे कारोबारियों के विरुद्ध भी देशद्रोह की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एस एस पी ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि उन्हें अपराध या अपराधियों से सावधान रहने की जरूरत है। पैसों के लालच में अगर कोई भी युवा अपराध के तरफ कदम बढ़ाएगा तो फिर पुलिस और कानून उसके खिलाफ सख्ती से पेश आएगा।

धनबाद जिले में भगौड़ा अपराधी प्रिंस खान एवं उसके गुर्गे सैफी उर्फ मेजर के द्वारा व्यवसायियों को लगातार फोन कर धमकी दिया जा रहा था। इन संगठित अपराधिक गिरोहों के आर्थिक श्रोतो का पता लगाने, शूटरों एवं समर्थकों के नेटवर्क का समापन करने, हथियार खरीद-बिक्री चैनलों को ध्वस्त करने के लिए धनबाद पुलिस निरंतर एवं नियमित रुप से अभियान चला रही है एवं इस क्रम में अपेक्षित सफलता भी मिली है। इसी क्रम में - 12-13/10/25 की रात्रि को धनबाद पुलिस को यह सूचना मिली कि उक्त गिरोह के सदस्य पुनः घटना कारित करने के लिये हरवे हथियार के साथ धनबाद आये हुए है, पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई कर इन अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी की गई तथा इस संबंध में राजगंज थाना कांड सं0-87/25 दि-13.10.25 धारा-111(4) /317(5) /61(2) बी.एन.एस. एवं 25(1-बी) ए/26(2)/35 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि दिनांक-09.09.25 को भी राजगंज थाना क्षेत्र के राजगंज स्थित एक पेट्रोल पम्प पर उक्त गिरोह के सदस्यों के द्वारा फायरिंग की घटना कारित की गई थी, जिस संबंध में राजगंज थाना कांड सं0-82/25 दि0-10.09.25 दर्ज किया गया था। पूछताछ के क्रम में अपराधकर्मियों द्वारा राजगंज स्थित पेट्रोल पम्प में फायरिंग करने की घटना में भी अपनी संलिपत्ता स्वीकार की गई तथा घटना में प्रयुक्त किया गया हथियार भी बरामद करवाया गया है। धनबाद पुलिस की टीम ने आज इस क्रम में कुल 12 (बारह) अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी की है, जिनमें इनके शुटर, समर्थक एवं वित्तीय प्रबंधन करने वाले अपराधी शामिल है। कांड में गिरफ्तार किये गये अपराधकर्मियों के अपराध स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर बैंकमोड़ थाना क्षेत्र से गिरोह के सदस्यों द्वारा छुपाकर रखा गया हथियार, बम एवं अन्य विष्फोटक सामग्री भी बरामद किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

आठ लाख नेपाली रुपए के साथ हुंडी कारोबारी गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण : बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में बरती जा रही विशेष चौकसी के दौरान हरपुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने रविवार को आठ लाख अठासी हजार नेपाली रुपये के साथ एक हुंडी कारोबारी को गिरफ्तार किया है।हरपुर थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि भारत-नेपाल सीमा होकर हुंडी कारोबारी नकदी लेकर जाने वाले है। सूचना के आलोक में विशेष जांच अभियान के दौरान भारत से नेपाल जा रहे एक युवक की जांच के लिए रोका गया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पिट्ठू बैग से आठ लाख नेपाली रुपये बरामद किये गये। गिरफ्तार युवक की पहचान आदापुर थाना क्षेत्र के राकेश कुमार के पुत्र रजत कुमार के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में रजत ने हवाला व हुंडी कारोबार में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया है। फिलहाल पुलिस बरामद राशि कहां से लाई गई थी और इसे नेपाल में किसे और कहां देना था, इसकी जांच कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि,गिरफ्तार हुंडी कारोबारी को आवश्यक पूछताछ के बाद विदेशी मुद्रा अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं के न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया जायेगा।

मतदाता जागरूकता अभियान को ले अभाविप की हुई बैठक

अररिया : फारबिसगंज के सार्वजनिक रेणु पुस्तकालय में मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बैठक रविवार को हुई। बैठक में पूर्णिया अररिया के विभाग प्रमुख प्रो. एम.पी. सिंह ने कहा कि अभाविप द्वारा स्थापना काल से ही प्रत्येक आम चुनाव में युवा मतदाता को प्रेरित करने हेतु युवा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाता रहा है। संपूर्ण जिले में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जागरूकता अभियान चला कर अधिक से अधिक युवा मतदाता मतदान के लिए जागरूक किया जाएगा। वहीं जिला संयोजक शिवम साह ने कहा कि मतदाता अभियान के लिए 15 अक्टूबर को विद्या मंदिर में युवा मतदाता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

तालाब में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

भागलपुर : जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के भवानीपुर देसरी पंचायत के फोटेपुर पोखर टोला में रविवार को तालाब में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गांव के ही रहने वाले विशु तांती उम्र 25 वर्ष की तालाब में डूबने से मौत हो गई है। विशु तांती, पिता दुखन तांती आज तालाब के पास गए थे। इसी दौरान किसी कारणवश तालाब में डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत गोताखोरों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकाला। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भागलपुर भेज दिया। उधर घटना के बाद से मृतक के परिजन का रो रोकर बुरा हाल है।

विधानसभा चुनाव के लिए ईवीएम,वीवीपैट का प्रथम रेंडमाइजेशन सम्पन्न

गोपालगंज : बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जिले में निर्वाचन तैयारियों की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी पवन कुमार सिन्हा के निर्देशन में ईवीएम और वीवीपैट मशीनों का प्रथम रैंडमाइजेशन कार्य सम्पन्न हुआ। यह प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग की ईवीएम मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस) के माध्यम से पारदर्शी तरीके से पूरी की गई। प्रथम रैंडमाइजेशन के दौरान जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में 99-बैकुंठपुर, 100-बरौली, 101-गोपालगंज, 102 कुचायकोट, 103-भोरे और 104-हथुआ के लिए आवश्यक संख्या में ईवीएम और वीवीपैट मशीनों का चयन किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन कार्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। इनमें भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, जनता दल (यू), राष्ट्रीय जनता दल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) (लिबरेशन) सहित अन्य दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने नामांकन केन्द्र का लिया जायजा, सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश

अपने दायित्वों का ईमानदारी व जिम्मेदारी से निर्वहन करें

एजेंसी

अररिया : बिहार विधानसभा चुनाव के द्वितीय चरण के तहत सोमवार से अररिया जिला के छह विधानसभा के लिए नामांकन शुरू होगी।

इसी कड़ी में रविवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अनिल कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार ने अररिया एवं फारबिसगंज में नामांकन केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी अररिया द्वारा भीड़ आगमन से संबंधित तैयारी, बैरिकेडिंग, मूलभूत सुविधा, निवार्ची पदाधिकारी कक्ष सहित सभी तैयारी का जायजा लिया और आवश्यक तैयारी के निर्देश सभी संबंधित पदाधिकारियों को दिये। उन्होंने बताया है कि बिहार विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 13 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से शुरू हो जायेगी। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुरूप अररिया जिला के सभी 06 विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन स्थलों का निर्धारण कर दिया गया है तथा सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था की दृष्टि से सभी स्तर पर पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मियों को ससमय अपने-अपने कार्यस्थल पर उपस्थित रहने तथा अपने दायित्वों का ईमानदारी व जिम्मेदारी से निर्वहन करने का सख्त निर्देश दिये गये। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- जिलाधिकारी ने बताया कि नामांकन अवधि में शांति एवं विधि व्यवस्था बनाये रखने हेतु पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती की गई है। समाहरणालय परिसर सहित दोनों अनुमंडलों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। सभी मुख्य प्रवेश एवं निकास द्वारों पर ड्रॉप गेट तथा बैरिकेडिंग की व्यवस्था बनाई गई है।

सुरक्षा की दृष्टि से निवार्ची पदाधिकारियों के कार्यालय से सौ मीटर की परिधि को स्पष्ट रूप से सीमांकित किया गया है, ताकि इस क्षेत्र में किसी भी अनधिकृत व्यक्ति या वाहन की आवाजाही न हो।

मोतिहारी में प्रेमी जोड़े ने की आत्महत्या

पूर्वी चंपारण : जिले में दिल दहला देने वाली एक घटना सामने आई है। रविवार को एक प्रेमी जोड़े का क्षत विक्षत शव रेलवे ट्रैक से बरामद किया गया। ऐसी संभावना जतायी जा रही है,कि अपने प्रेम संबंधों में अड़चनों से तंग आकर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली है। घटना मुजफ्फरपुर-मोतिहारी रेल खंड पर पिपरा थाना क्षेत्र के कुंअरपुर रेलवे हाल्ट के समीप हुई है,जहाँ रेलवे ट्रैक किनारे दोनो प्रेमी जोड़े का गर्दन कटी अवस्था में शव को पुलिस ने बरामद किया है। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गया है। शव देखने से ऐसा प्रतीत होता है,कि दोनों ने सुनोयिजित तरीके आत्महत्या की नीयत से रेलवे ट्रैक पर अपनी गर्दन रख कर लेट गए थे,क्योंकि दोनो शव से सिर अलग हो गया है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

देसी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

सहरसा : जिले के सोनवर्षा राज प्रखंड क्षेत्र के सिसवा मुसहरी से फ्लैग मार्च अभियान के दौरान रविवार को दो व्यक्ति के घर से सोनवर्षा पुलिस ने 44 लीटर महुआ देसी शराब बरामद किया है। उक्त बात सोनवर्षा थाना अध्यक्ष संजय कुमार सत्यार्थी ने बताया कि फ्लैग मार्च अभियान के तहत गुप्त सूचना मिला की सिसवा मुसहरी में दो व्यक्ति अवैध देसी महुआ शराब का कारोबारी कर रहा जब दोनों व्यक्ति के यहां छापामारी किया गया तो दोनों व्यक्ति के घर से कुल 44 लीटर देसी महुआ शराब बरामद किया गया एक व्यक्ति शंकर साह को गिरफ्तार किया गया। जबकि एक व्यक्ति भागने में फरार रहा।

सूचना के अधिकार कानून पर मोदी-नीतीश पर हमलाः अभय दुबे

एजेंसी

पटना : बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे और प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने संयुक्त रूप से संबोधित किया संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम डॉ. मनमोहन सिंह और श्रीमती सोनिया गांधी के नेतृत्व में 12 अक्टूबर 2005 को पारित हुआ था। यह कानून भारत के नागरिकों के संवैधानिक और सामाजिक सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम बना। इसने आम जनता को सरकारी तंत्र से जवाब मांगने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की ताकत दी।

राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि आरटीआई के माध्यम से लाखों नागरिकों ने अपने हक – जैसे राशन, पेंशन, मजदूरी, छात्रवृत्ति और योजनाओं का लाभ – हासिल किया,परंतु पिछले दशक में, विशेषकर मोदी&नीतीश सरकार के दौरान, इस कानून की आत्मा को कुचलने की संगठित कोशिश हुई है।

एसएसबी जवानों ने गरैया में चलाया स्वच्छता अभियान

अररिया : एसएसबी 52वीं वाहिनी के कमांडेंट महेन्द्र प्रताप के दिशा निर्देश पर बाह्य सीमा चौकी गरैया के एसएसबी जवानों और कर्मियों के द्वारा रविवार को स्वच्छता का विशेष अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत यात्री शेड गरैया सहित अगल बगल के इलाकों में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसएसबी के जवानों ने यात्री शेड की सफाई की। साथ ही अगल बगल में पसरे गंदगी की सफाई की। मौके पर एसबीसी जवानों ने ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति सजग करते हुए अपने घरों के साथ अगल बगल के इलाकों को साफ सुथरा रखने की अपील की। ग्रामीणों को गंदगी के कारण होने वाली बीमारियों से सजग करते हुए जीवन में स्वच्छता नियम के पालन करने को जागरूक किया गया।

मोतिहारी सिकरहना नदी में नाव पलटी, दो की मौत, एक लापता

▸ नाव पर चौदह लोग थे सवार-पशुओं का चारा लेकर लौट रहे थे सभी

एजेंसी

पूर्वी चंपारण : बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के लखौरा थाना क्षेत्र में सिकरहना नदी में नाव पलटने से दो की मौत हो गई। जबकि एक लापता है। मिली जानकारी के अनुसार नाव पर चौदह लोग सवार थे। जिसमे ग्यारह लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई। जबकि एक की मौत इलाज के दौरान हो गई और दो लोग लापता थे,जिसमे एक का शव रविवार को बरामद किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि लखौरा पुरवारी टोला के राजू सहनी, सत्य नारायण सहनी, बिरको सहनी, राधेश्याम सहनी, विजय सहनी, जंगाली सहनी, दिलीप सहनी, कैलाश सहनी, गोपाल प्रसाद, शिवपूजन सहनी, तूफानी सहनी, मुकेश सहनी, बाबूलाल सहनी व गोबरी सहनी कुल चौदह लोग उफनती सिकरहना नदी को पार कर पशुओं के लिए चारा लेकर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज हवा के कारण नाव असंतुलित होकर पलट गई। जिसमें कैलाश सहनी की मौत हो गयी, जबकि मुकेश सहनी व बाबूलाल सहनी लापता हो गए,हालांकि बाबूलाल सहनी का शव रविवार ढूंढ लिया गया,जबकि मुकेश सहनी की तलाश की जा रही है। नाव पर सवार लोगों ने बताया कि नाव पलटते ही चीख पुकार मच गई। सभी एक-दूसरे का सहारा लेने लगे। इस बीच कुछ लोग तैरकर बाहर निकल गये।

नवजात शिशु के खरीद-फरोख्त गिरोह का भंडाफोड़ तीन गिरफ्तार, शिशु सकुशल बरामद

एजेंसी

पटना : सारण पुलिस ने नवजात शिशु के खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही नवजात को सकुशल बरामद किया है।

सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने बताया कि दिनांक 26.09.2025 को जनता बाजार थाना में एक महिला द्वारा आवेदन दिया गया, जिसमें आरोप लगाया गया कि जनता बाजार थानाक्षेत्र के निवासी हरिकिशोर प्रसाद पिता रामप्रीत प्रसाद, ग्राम भटवलिया, जो संगम ऑर्केस्ट्रा पार्टी का संचालक है, एवं उसके भाई उपेन्द्र सिंह, पिता स्व० रामप्रीत प्रसाद, जो माँ दुर्गा नर्सिंग होम नामक फर्जी क्लिनिक चलाता है, द्वारा महिला का प्रसव उक्त क्लिनिक में कराया गया था। आवेदिका के अनुसार प्रसव के उपरांत अभियुक्तों ने अधिक राशि की मांग करते हुए नवजात शिशु को जबरन छीन लिया तथा किसी व्यक्ति को बेच दिया। इस संदर्भ में आवेदिका के लिखित आवेदन के आधार पर जनताबाजार थाना कांड सं0-228/25 दर्ज किया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस संदर्भ में उनके निर्देशन में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा प्राप्त आसूचना के आधार पर छापामारी कर गिरोह के सरगना आर्केष्ट्रा संचालक हरिकिशोर प्रसाद को दिनांक 27.09.2025 को गिरफ्तार किया गया।

जॉच में 6 कार्टन शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

नवादा : बिहार-झारखंड सीमावर्ती क्षेत्र चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर रविवार को कलकत्ता से बिहारशरीफ जा रही बस से उत्पाद बलों ने भारी मात्रा में शराब को जब्त किया है। साथ ही बस के तीन स्टाफ,जो शराब परिवहन में संलिप्त थे को गिरफ्तार किया गया है।

उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्यनिषेध एवं बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर उत्पाद बलों के सहयोग से जांच चौकी पर झारखंड की ओर से आ रही प्रत्येक छोटी एवं बड़े वाहनों की सघन जांच की जा रही है, जिसका नेतृत्व उत्पाद इंस्पेक्टर अमृत कुमार गुप्ता कर रहे हैं। कलकत्ता से बिहारशरीफ जा रही बस राजा डीलक्स संख्या डब्लूबी15एफ6886 की जांच उत्पाद एसआई प्रवीण कुमार के द्वारा की गई। जांच के दौरान बस की छत पर 6 कार्टनों में बंद विभिन्न प्रकार के विदेशी शराब को जब्त किया गया है।

कारोबार

अगले सप्ताह सिर्फ एक नए आईपीओ की लॉन्चिंग,

10 कंपनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

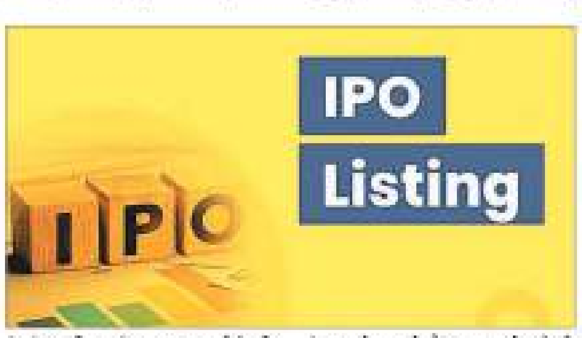

एजेंसी

नई दिल्ली : सोमवार यानी 13 अक्टूबर से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में हलचल लगभग शांत रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ एक नया आईपीओ लॉन्च होने वाला है। ये आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है। हालांकि निवेशकों के सामने पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले छह आईपीओ में भी बोली लगाने का मौका बचा हुआ है। इनमें से तीन आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। जहां तक इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार शुरू करने की बात है, तो एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स और टाटा कैपिटल जैसी बड़ी कंपनियों समेत 10 कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्ट हो सकते हैं। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 15 अक्टूबर को मेनबोर्ड सेगमेंट में मिडवेस्ट लिमिटेड का 451 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। ये आईपीओ 17 अक्टूबर को बंद होगा। आईपीओ में आवेदन करने के लिए 1,014 रुपये से लेकर 1,065 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 14 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद मिडवेस्ट लिमिटेड के शेयर बीएसई और एनएसई पर 24 अक्टूबर को लिस्ट हो सकते हैं। इस एक नए आईपीओ के अलावा 30 सितंबर से सब्सक्रिप्शन के लिए खुले श्लोका डाइंज लिमिटेड के 57.79 करोड़ रुपये के आईपीओ में 14 अक्टूबर तक आवेदन किया जा सकता है। जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। ये आईपीओ अभी तक 60 प्रतिशत सब्सक्राइब हो सका है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद श्लोका डाइंज लिमिटेड के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर 17 अक्टूबर को लिस्ट हो सकते हैं। इसी तरह पिछले सप्ताह 9 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) का 1,326.13 करोड़ रुपये के आईपीओ में 13 अक्टूबर तक आवेदन किया जा सकता है।

टॉप 10 की 8 कंपनियों का मार्केट कैप 1.94 लाख बढ़ा, टीसीएस को सबसे ज्यादा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 1.94 लाख करोड़ रुपये से अधिक की उछाल दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक फायदे में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। दूसरी ओर टॉप 10 कंपनियों में से 2 कंपनियों के मार्केट कैप में 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस और इंफोसिस के मार्केट कैप में 1,94,148.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 8,220.25 करोड़ रुपये की कमी हो गई। 6 से 10 अक्टूबर के बीच हुए कारोबार के दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 45,678.35 करोड़ रुपये बढ़ कर 10,95,701.62 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप 28,125.29 करोड़ रुपये उछल कर 6,29,080.22 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। भारती एयरटेल का मार्केट कैप 25,089.27 करोड़ रुपये बढ़कर 11,05,980.35 करोड़ रुपये के स्तर पर, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 25,035.08 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 18,70,120.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

शेयर बाजार में पूरे सप्ताह बनी रही मजबूती

▸ लगातार दूसरे सप्ताह मजबूती के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली : शुक्रवार यानी 10 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे सप्ताह मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुआ। इस सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 1,293.65 अंक यानी 1.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,500.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 391.10 अंक यानी 1.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,285.35 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। माना जा रहा है कि मजबूत वैश्विक संकेतों, घरेलू बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों के साथ ही विदेशी निवेशकों की खरीदारी, जियो-पॉलिटिकल टेंशन में कमी आने के संकेत और अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर जारी वार्ता में सकारात्मक प्रगति होने के कारण घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान ज्यादातर समय मजबूती के साथ कारोबार करता रहा। सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के दौरान बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 1.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

इस इंडेक्स में शामिल मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, डिवीज लेबोरेटरीज, पॉलिकैब इंडिया, एटरनल, एलटी माइंड ट्री, एचसीएल टेक्नोलॉजी, विप्रो, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस और टेक महिंद्रा के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

घरेलू सराफा बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी से नए शिखर पर पहुंचे सोना और चांदी

▸ एक हफ्ते में 25 हजार रुपये महंगी हो गई चांदी, सोना भी 5 हजार रुपये से ज्यादा उछला

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला आज भी बरकरार रहा। दोनों चमकीली धातुएं आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंची हुई हैं। आज के कारोबार में सोना 1,110 रुपये से लेकर 1,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत 5,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल कर नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,25,080 रुपये से लेकर 1,25,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,14,650 रुपये से लेकर 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 1,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 5,680 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की उछाल दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 5,200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है।

सोने की तरह ही पूरे सप्ताह के कारोबार में के बीच चांदी के भाव में साप्ताहिक आधार पर 25,000 रुपये प्रति किलोग्राम की जबरदस्त मजबूती आ गई है।

लखनऊ में योगी ने खेल सामग्री वितरित की

बोलेः 500 खिलाड़ियों को नौकरियां दीं, डिप्टी एसपी और नायब तहसीलदार तक बनाया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में युवक और महिला मंगल दलों के प्रोत्साहन एवं खेल सामग्री वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक और महिला मंगल दलों को खेल सामग्री वितरित की। उन्हें समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना है, ताकि वे खेल, संस्कृति और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से एक सशक्त, अनुशासित और आत्मनिर्भर प्रदेश के निर्माण में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि हमने 500 खिलाड़ियों को नौकरियां दी हैं। डिप्टी एसपी और नायब तहसीलदार तक बनाया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवा खेल विभाग के द्वारा खेल की किट प्रोवाइड कराई जा रही है। दीपावली के पहले स्पोर्ट्स किट 16,000 महिलाओं के लिए एक उपहार है। 1 लाख 5 हजार से अधिक युवा मंडल दल और महिला मंडल दल प्रदेश में हैं, जिन्हें स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें फुटबॉल और बैडमिंटन जैसी तमाम खेल किट है। उन्होंने कहा कि खेल अपने आपको स्वस्थ रखने का एक माध्यम है। जीवन में स्वस्थ स्पर्धा नहीं है, तो जीवन व्यर्थ है। प्रधानमंत्री ने भी खेलो इंडिया, फिट इंडिया जैसे कई कार्यक्रमों को देश के लिए चलाया है, जिस देश का युवक स्वस्थ रह सके। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभी गांव के लोग एकजुट होकर रामलीला का मंचन करते हैं। इसी तरह खेल के माध्यम से हम काम करते हैं। खेल विकास को प्रोत्साहित करता है। समाज को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। खेलकूद प्रतियोगिता और स्पोर्ट्स किट उसमें सहयोगी बन सकते हैं। इसलिए आज का कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। मेरा युवा मंडल दल और महिला मंडल दल से यही कहना है आपका काम

सिर्फ भारत में पुरस्कार को प्राप्त करने तक नहीं है। खेल ग्रुप की प्रतियोगिता में शामिल होकर गांव-गांव में लोक कथाओं और लोक गाथाओं का भी आयोजन किया चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी आपने देखा होगा कि यूथ पार्लियामेंट में उत्तर प्रदेश के युवाओं को कहानी लेखन, कविता लेखन और अन्य प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। आपने देखा होगा कि उन्हें मंच पर सम्मानित किया गया है। इसके पीछे केवल लोक कथा नहीं होती है, हमारा इतिहास छिपा होता है। हमारी परंपरा और हमारे पूर्वजों की गाथा छिपी होती है। अपने पूर्वजों की गाथा को पुनर्जीवित करना और उसे मंच देना यह गांव-गांव में होना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर ग्राम पंचायत और नगर पंचायत आत्मनिर्भर होगी, तो क्षेत्र पंचायत अपने आप आत्मनिर्भर हो जाएगा। जिला भी आत्मनिर्भर हो जाएगा। प्रदेश भी आत्मनिर्भर हो जाएगा, अगर प्रदेश आत्मनिर्भर हो जाएगा, तो देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का महिला सुरक्षा सम्मान मिशन शक्ति का पंचम चरण चल रहा है। इसके पीछे का उद्देश्य महिलाओं के सुरक्षा के प्रति जागरूकता और महिलाओं के प्रति केंद्र और राज्य सरकार ने क्या-क्या कार्यक्रम हुए हैं इसके बारे में हमें जागरूक करना है। कार्यक्रम मौजूद लोगों से कहा कि अपने ग्राम पंचायत में इस तरह के कार्यक्रमों के साथ उसे सफलता की ओर आगे बढ़ाएं। वर्तमान में विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित उत्तर प्रदेश का एक अभियान सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है योगी आदित्यनाथ ने कहा-मैंने स्वयं भी विधानसभा में 28 घंटे तक चर्चा की। विधायकों ने उसमें भाग लिया। इसके बाद 300 बुद्धिजीवियों को अलग-अलग अकादमिक संस्थानों में भेजा गया। 57000 ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों के साथ सीधे संवाद किया। विकसित उत्तर प्रदेश के लिए अब तक लगभग 40 लाख सुझाव प्राप्त किए हैं। यह आज की आवश्यकता है। विजन 2047 प्रधानमंत्री ने हमें दिया है। अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा तब कैसा भारत होना चाहिए? उस भारत में युवाओं की भूमिका बड़ी होगी। इस भूमिका के लिए सभी एक लाख पांच हजार युवा मंडल दल और महिला मंडल दल का योगदान होगा। हमारे युवा प्रतिभाशाली हैं। आज के कार्यक्रम पर एक बार सबसे कहूंगा कि प्रदेश भर में यह पर्व त्योहार का समय है। हमारा प्रयास होना चाहिए इस समय भी कुछ समय खेलकूद के लिए जरूर निकालें, क्योंकि पर्व पर छुट्टी भी रहती है। उसी दौरान खेल की प्रतियोगिताएं होंगी, तो गांव में चहल-पहल भी रहेगी। इससे लोगों के मन में एक नए उत्साह का संचार भी होगा। अनेक प्रकार के कार्यक्रमों को हमें आगे बढ़ना होगा। अब यह एक औपचारिक गतिविधि नहीं है, बल्कि जीवन की आवश्यकता हो चुकी है। हमने पिछले तीन वर्ष के अंदर 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को विभिन्न नौकरियों में उपलब्ध कराई हैं हमने उनको डिप्टी एसपी भी बनाया है। हमने उन्हें नायब तहसीलदार भी बनाया है। खेल विभाग में भी भर्ती किया है। अन्य विभागों में भी अवसर दिया है।

क्रांतिकारियों की किताबें अनिवार्य रूप से पढ़ाई जाएः आनन्द पटेल दयालु

संवाददाता

खेत कटवा (ग्राम पंचायत)। राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट के तत्वाधान में क्रांतिकारी अशफाक उल्ला खान का जन्मदिवस इस वर्ष भी बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष श्री संतोष कनौजिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आनन्द पटेल दयालु ने कहा कि संस्था क्रांतिकारियों के जन्मदिवस और शहादत दिवस इसलिए मनाती है ताकि लोगों के अंदर देशभक्ति की भावना प्रेरित हो सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह डॉक्टर, इंजीनियर, नेता, अभिनेता, बिजनेसमैन या अधिकारी-कर्मचारी बनना चाहे, सबसे पहले एक सच्चा देशभक्त बनना चाहिए। श्री दयालु ने साथी प्रतिभागियों के साथ यह मांग भी रखी कि क्रांतिकारियों की किताबें अनिवार्य रूप से हर क्लास में पढ़ाई जानी चाहिए, क्योंकि क्रांतिकारियों ने अपना पूरा जीवन देश की आजादी के लिए बलिदान कर दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जनाब महताब आलम ने कहा कि क्रांतिकारियों के जीवन को हम सभी लोगों को आत्मसात करना चाहिए। उनका जीवन बहुत ही प्रेरणादायक है और हर वर्ग तथा हर समाज के लिए देशभक्ति सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रदेश सचिव जनाब शरीफ खान ने कहा कि सशक्त भारत की सशक्त नींव क्रांतिकारी अशफाक उल्ला थे। शिक्षक सरोज पटेल को भी उनके योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में जिला महामंत्री श्री अजय पटेल, श्री अनिल पटेल और अन्य प्रतिभागी शामिल रहे। इसके अलावा रीता देवी, सुमन देवी, सीमा देवी, ललिता देवी, संजू देवी और रिया कुमारी सहित महिलाओं की बड़ी संख्या इस कार्यक्रम में उपस्थित रही। यह कार्यक्रम देश के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को जीवंत रखने और युवा पीढ़ी को प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बच्चों संग जमीन पर बैठकर खण्ड शिक्षा अधिकारी ने चखा एमडीएम

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हाटा विकास खण्ड के खण्ड शिक्षा अधिकारी अखिलेश कुमार सिंह सोमवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय सेमरी परसौनी का निरीक्षण किया। विद्यालय की समस्त व्यवस्थाएं सुसज्जित तथा अच्छी पाई गई। बच्चे बिल्कुल अनुशासन में अपने कक्षाओं में बैठ कर शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। कक्षा 8 के बच्चे स्मार्ट क्लास में बैठ कर पढ़ाई-लिखाई करते हुए पाए गए तथा बीईओ सिंह द्वारा विद्यालय के बच्चों के साथ बैठकर एक पंक्ति में एमडीएम भोजन ग्रहण किया गया। भोजन की गुणवत्ता अच्छी पाई गई। बी ई ओ सिंह पढ़ रहे छात्र छात्राओं से पढ़ाई का स्तर की जानकारी लेते हुए कुछ सवाल पूछे। सबकुछ ठीक मिलने पर प्रधानाध्यापक बीएल मल्ल और सभी स्टाफ को पिठ थपथपाया और शाबासी दिया इस दौरान कम्प्यूटर आपरेटर राजन तिवारी मौजूद रहे।

मां रेनूका छठ घाट पर सामाजिक प्रगति परिषद की बैठक संपन्न

संवाददाता

ओबरा, सोनभद्र। आगामी भव्य देव दीपावली कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए ओबरा सोनभद्र के सेक्टर 3 स्थित रेणुका छठ घाट पर 12 अक्टूबर 2025 को सामाजिक प्रगति परिषद के तत्वाधान में दूसरी महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता संकट मोचन झा ने की, जबकि (सुशील मिश्रा संग्राम) और अरविंद सोनी ने आयोजन की जिम्मेदारी संभाली। बैठक में मुख्य रूप से देव दीपावली के भव्य आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। यह आयोजन

पिछले 10 सालों से मां रेणुका छठ घाट पर एक विशाल रूप ले चुका है इस वर्ष देव दीपावली कार्यक्रम को और अधिक भव्यता प्रदान करने का निर्णय लिया गया है कार्यक्रम में कला का प्रदर्शन करने के लिए तीन सुपरस्टार कलाकारों को आमंत्रित किया जाएगा, जो इसे और भी आकर्षक बनाएंगे। बैठक के दौरान कुछ प्रमुख पदाधिकारियों को उनके पद और कार्यभार सौंपे गए, ताकि कार्यक्रम की तैयारियों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाया जा सके। बैठक में सामाजिक प्रगति परिषद के सैकड़ों की संख्या में सदस्य और शहर के पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि रेणुका छठ घाट पर होने वाला यह देव दीपावली समारोह अब एक बड़ा सामाजिक और धार्मिक पर्व बन चुका है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। इस वर्ष भी इसे ऐतिहासिक बनाने की पूरी तैयारी की जा रही है। इस दौरान वरिष्ठ संरक्षक अनिल राय, आलोक पाण्डेय, रणजीत तिवारी, कार्यक्रम संयोजक अक्षय पाण्डेय, समीर माली, शुभम पटेल, कुमार सौरभ सिंह, परवेज अहमद, अभिषेक सेठ, विकास पाठक, मुकेश पांडे, अक्षय पांडे, उमेश राम ,विमल कांत दुबे, कुमार सौरभ सिंह पत्रकार विकास हलचल, अजीत सिंह इत्यादि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

12.50 लाख की लागत से नव निर्मित सामुदायिक भवन का विधायक पीएन पाठक ने किया लोकार्पण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने ग्रामसभा अंध्या के दुर्गा मंदिर (ललका बाबा स्थान) के समीप विधायक निधि से 12.5 लाख की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। सोमवार को विधायक पीएन पाठक ने विधि- विधान से पूजन किया और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिलापट्ट का लोकार्पण कर

किया। देवतुल्य जनता ने ढोल नगाड़ों के साथ विधायक श्री पाठक का माल्यार्पण किया और बुके देकर स्वागत किया।विधायक श्री पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार में चौतरफा विकास हो रहा है, क्षेत्र का चतुर्दिक विकास उनकी प्राथमिकता है। हर घर स्वदेशी अभियान को बल देकर भारत आत्मनिर्भर बनेगा। हर घर स्वदेशी घर घर स्वदेशी अभियान को अपनाने का आह्वान किया। इस दौरान वीरेन्द मिश्र, कस्तूर जायसवाल, धर्मेंद्र यादव, प्रधान प्रेम गौड़, रामलोचन शर्मा, शिवेश्वर शाही, रजनीश मिश्रा, कैलू पटेल, सर्वेश गुप्ता,अवर अभियंता पी.एन मिश्रा, अमरजीत कुशवाहा, राज पाठक, सिब्लू सिंह, सभासद सूर्यनाथ यादव, राकेश यादव मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान का हुआ समापन

संवाददाता

हमीरपुर, । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव महेन्द्र कुमार पाण्डेय नालसा के साथ ही मीडियेशन और कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली की देखरेख में पूरे मुल्क में 1 जुलाई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान के तहत 10 अक्टूबर 2025 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर में राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान का समापन किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर में कार्यरत मध्यस्थगण, सभी पैनल अधिवक्तागण के साथ ही नवनियुक्त चयनित 10 मध्यस्थगण मौजूद रहे।

कार्यक्रम में सचिव महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने अभियान के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि वे अभियान के जरिये से सभी अदालतों में पैंडिंग वैवाहिक झगड़े के मामले, दुर्घटना मामले से जुड़े, भूमि अधिग्रहण, दाण्डिक शमनीय मामलों सहित दीवानी विवाद के मामलो का डिस्पोजल पक्षकारों की सहमति से मध्यस्थता के जरिये से किया गया है। जिसमे फैमिली अदालत के 81 मामले, अपर जनपद न्यायाधीश-प्रथम कोर्ट के 19 मामले, स्पेशल अदालत, आ0व0अधि0 के 1, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट के 187 मामले, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट के 110 मामले, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, राठ कोर्ट के 115 वाद, सिविल जज (सी0डि0) कोर्ट के 44 वाद, सिविल जज (सी0डि0) /एफ0टी0सी0 कोर्ट से 24 वाद, सिविल जज (जू0डि0) हमीरपुर कोर्ट से 85 वाद, सिविल जज (जू0डि0) मौदहा कोर्ट से 90 वाद व सिविल जज (जू0डि0)/ एफ0टी0 सी0(सी0ए0डब्लू0) कोर्ट से 71 वाद, सिविल जज (जू0डि0) राठ कोर्ट से 32 वाद, इसी तरह सभी अदालतों के 920 मामलों को सुलह समझौते के जरिये डिस्पोजल किया गया था। जिसमें सिर्फ 62 मामलों को कामयाबी के साथ डिस्पोजल किया गया। इस मौके पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर ने मध्यस्थता अभियान में हिस्सा करने वाले सभी पीठासीन अधिकारी, कर्मचारी, मध्यस्थगण, अधिवक्तागण को कार्यक्रम के कामयाब आयोजन के लिये मुबारक बाद दी।

विश्व हिंदू महासंघ की बैठक में संगठन विस्तार और सामाजिक कार्यों पर जोर

विश्व हिंदू महासंघ सोनभद्र की महत्वपूर्ण बैठकः संगठन विस्तार और सामाजिक समरसता पर जोर, विंध्याचल मंडल प्रभारी ने किया मार्गदर्शन

संवाददाता

रॉबर्ट्सगंज/सोनभद्र। जिले में विश्व हिंदू महासंघ (स्लट) की गतिविधियों को गति देने और आगामी कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से रॉबर्ट्सगंज स्थित [यहां स्थान/हॉल का नाम जोड़ा जा सकता है] में सोनभद्र इकाई द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक/कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन में संगठन के पदाधिकारियों, विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रमुखों और सक्रिय कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू महासंघ के विंध्याचल मंडल प्रभारी प्रमोद कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। श्री मिश्रा जी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की रीति-नीति और आगामी लक्ष्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू महासंघ का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था को बल देना नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, गौ-रक्षा और निःस्वार्थ सेवा के कार्यों को भी प्राथमिकता से आगे बढ़ाना है। उन्होंने सोनभद्र इकाई के अब तक के समर्पण और कार्यों की प्रशंसा की और भविष्य में और अधिक निष्ठा के साथ काम करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विजय कुमार चौबे ने की। उन्होंने ज़िले में

महासंघ द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की और सभी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं को उनके समर्पण के लिए प्रेरित किया। श्री चौबे जी ने जोर देकर कहा कि महासंघ की गतिविधियों को ज़िले के हर कोने तक पहुँचाने और उसे और अधिक सक्रियता से चलाने का संकल्प लिया गया है। मंच पर उपस्थित उपाध्यक्ष श्री विजय सिंह जी और मनोज चौहान जी ने अपने विचार व्यक्त किए और संगठन की मजबूती के लिए सभी से एकजुट होकर सहयोग करने का आह्वान किया। जिला संरक्षक ओमप्रकाश सिंह जी ने संगठन को सही दिशा प्रदान करने और हिंदू समाज के नैतिक मूल्यों को बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी सदस्यों को संगठित होकर समाज और धर्म की सेवा करने का संदेश दिया। मातृशक्ति जिलाध्यक्ष श्रीमती रीना देवी जी ने महिला सशक्तिकरण के महत्व और धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों में मातृशक्ति की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने ज़िले में महिला इकाई को और अधिक सक्रिय बनाने की दिशा में काम करने की बात कही। ओबरा नगर अध्यक्ष सर्वेश दुबे जी ने नगर इकाई की ओर से आश्वस्त किया कि वे संगठन के निर्देशों का पालन करते हुए ओबरा क्षेत्र में महासंघ के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी अजीत प्रताप सिंह, अधिवक्ता प्रकोष्ठ के प्रमुख नरेंद्र कुमार पाठक, महामंत्री अमरनाथ, तथा रीमा देवी जी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक साथ मिलकर और अधिक समर्पण से कार्य करने का संकल्प लिया, ताकि जिले में विश्व हिंदू महासंघ के लक्ष्य–सनातन धर्म की रक्षा और समाज सेवा–को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सके। यह बैठक सोनभद्र में संगठन की मजबूत नींव और व्यापक सामाजिक प्रभाव को दर्शाती है।

संक्षिप्त डायरी

पौधरोपण और केक काटकर मनाया गया लियाकत का जन्मदिन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका कुशीनगर निवासी पत्रकार उमर फारूक के सुपुत्र लियाकत अंसारी का चौदहवां जन्मदिन उनके आवास पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। परिवार की महिलाओं, बच्चों ने केक काटा और हैप्पी बर्थ डे बोलकर विश किया व दीर्घायु सुखी जीवन की कामना की। रविवार की रात में आयोजित जन्मदिन कार्यक्रम में लियाकत ने अपने माता पिता की उपस्थिति में केक काटा और पौधरोपण किया व बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। लियाकत ने कहा कि सभी लोग एक दूसरे का सहयोग और आपस में प्रेम करें। यही मेरा संदेश है क्योंकि इसी से समाज में एकता आयेगी। लियाकत को अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह, जिलाध्यक्ष एबीपीएसएस कुशीनगर जिलाध्यक्ष हृदया नन्द शर्मा, मनीष यादव, पवन कुमार शर्मा, सनाउल्ल अंसारी, रौनक सिंह, तौफीक अंसारी अमन अंसारी जिलानी साहब अंसारी नूरहसन अंसारी सहित सैकड़ों लोगों और पत्रकारों ने जन्मदिन की बधाई दी है।

संघ स्वयंसेवकों द्वारा विजयादशमी उत्सव के उपलक्ष्य में किया गया पथसंचलन

संवाददाता

कुशीनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी कार्य योजनानुसार विजयादशमी उत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को देर शाम नगर पालिका परिषद कुशीनगर के केशवनगर बस्ती का एकत्रीकरण एवं पथसंचलन कार्यक्रम रविवार को देर शाम महर्षि अरविंद विद्या मन्दिर के परिसर में सम्पन्न हुआ।

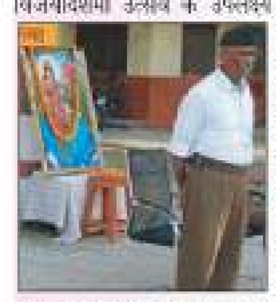

पथसंचलन गोपालगढ़ ओवरब्रिज से गांव में भ्रमण करते हुए केलहिया पोखरे भरौली मोड़ होते हुए महर्षि अरविंद विद्या मन्दिर पर आकर समाप्त हुआ। ग्रामवासियों द्वारा जगह जगह पुष्पवर्षा की गयी। संगठन गढ़े चलो, सुपन्थ पर बढ़े चलो, भला हो जिसमें देश का वह काम सब किये चलो गीत से केशवनगर बस्ती गुंजायमान हो गया। पथ संचलन से पूर्व स्वयंसेवकोंको सम्बोधित करते हुए विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख सुरेश प्रसाद गुप्त ने कहा कि विजयादशमी का दिन अधर्म पर धर्म की, असत्य पर सत्य की, अनाचार पर सदाचार की, असुरी शक्ति पर दैवी शक्ति की विजय का प्रतीक है। इसी दिन 1925 में नागपुर में डाक्टर केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा संघ की स्थापना की गयी। संघ कार्य का आधार शुद्ध सात्विक प्रेम है। अध्यक्षता नगर संघचालक पर्मोदकान्त ने की। मुख्य शिक्षक अमन, अमृत वचन चन्दन, एकल गीत आदित्य, संचालन नगर कार्यवाह रवीन्द्र कुमार ने की। आभार बस्ती पालक अष्टभुजा दलाल वत्स ने व्यक्त किया।जिला बौद्धिक शिक्षण प्रमुख जनार्दन आचार्य, नगर विस्तारक अलोक कुमार, नगर सेवा प्रमुख दिनेश, धर्मेन्द साहू, श्रीवांश,धर्मराज, संजीवसिंह, बबलु, दिव्यांश, मुकेश, अमित, दशरथ, देवता, आदर्श, संदीप, अनुराग, अभिनव, शिवांश उपस्थित रहे।

रामेश्वरम धाम पहुँची दिव्य ज्योति कलश यात्रा

संवाददाता

कुशीनगर। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में निकाली जा रही दिव्य ज्योति कलश रथ यात्रा क्षेत्र के लठिया स्थित श्री रामेश्वरम महादेव धाम पहुँची। सैकड़ों ग्रामीणों ने श्रद्धापूर्वक कलश की आरती व पूजन कर स्वागत किया। शांतिकुंज हरिद्वार में वरिष्ठ गायत्री साधक श्री अवधेश पाण्डेय, अपने पिता स्व. रामहर्ष पाण्डेय जी की स्मृति में इस प्राचीन सिद्धपीठ का भव्य जीर्णोद्धार करवा रहे हैं। धाम में महादेव मंदिर, गायत्री मंदिर और राधा-कृष्ण मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। यह स्थल मलवा जी कुटी के रूप में दो सौ वर्षों से भी अधिक पुराना सिद्धपीठ माना जाता है। गायत्री परिजन डा. रामएकबाल कुशवाहा ने बताया कि यह यात्रा 2026 में माता भगवती देवी शर्मा जी की जन्म शताब्दी एवं अखंड दीप के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में निकाली जा रही है। उद्देश्य हैभारतीय संस्कृति, आत्मबोध और सामाजिक उत्थान को जन-जन तक पहुँचाना। वरिष्ठ गायत्री परिजन त्रिवेणी सिंह के अनुसार, 2026 से 2050 तक युग परिवर्तन के लिए 24,24,000 प्राणवान साधकों की तैयारी की जा रही है, जो नियमित गायत्री मंत्र जप से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करेंगे। द्रौपदी गुप्ता ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य देवत्व का जागरण और संस्कारवान समाज की स्थापना है। यह गुरुदेव के विचार, साहित्य और युगनिर्माण आंदोलन को घर-घर तक पहुँचा रही है। पूर्व ग्रामप्रधान परसन कुशवाहा ने कहा कि यह यात्रा लोगों को स्वयं को जानने की प्रेरणा दे रही है। मानव जीवन अपने श्रेष्ठ कर्मों से दिव्यता प्राप्त कर सकता है, यही इसका मूल संदेश है। आगामी 3 नवम्बर को पाँच कुण्डीय महायज्ञ में सभी श्रद्धालु सादर आमंत्रित हैं।इस अवसर पर त्रियुगीनारायण पांडेय, आमोद कुमार उपाध्याय, गणेश गुप्ता, कैलाश मिश्र, पं. सुभाष पाण्डेय, डा. सुरेन्द्र मिश्र, अरविन्द सिंह, हरिकेश कुशवाहा, डॉ. हीरालाल श्रीवास्तव, सिंधु बर्नवाल, कविता सिंह, सुमन सिंह, रमेश वर्मा उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के आयोजन से विकसित होगा वैज्ञानिक दृष्टिकोणः शैलेश त्रिपाठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अंध्या स्थित पूमावि के सभागार में विकसित भारत बिल्डथान 2025 के यूट्यूब सेशन का आयोजन कर शिक्षकों और बच्चों को आत्मनिर्भर भारत अभियान कार्यक्रम की जानकारी दी गई। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम के मुख्यअतिथि प्रधान प्रतिनिधि ने शिक्षा और संस्कार पर चर्चा की।विशिष्ट अतिथि व विषय विशेषज्ञ एआरपी आरती दुबे रहीं। ने कहा कि विकसित भारत बिल्डथान 2025 का उद्देश्य भारत को आत्मनिर्भर बनाना , स्वदेशी का प्रचार, स्थानीय स्वनिर्मित चीजों को लोकल फॉर वोकल के तहत बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे इस प्रकार के आयोजन से बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को निखारने का उत्तम प्रयास है जिससे उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, क्षमतावर्द्धन, निपुणता का विकास होता है। इस अवसर पर शिक्षक अजय कुमार, सपना शर्मा, रसोइया अतवारी देवी, राबड़ी देवी छात्र व छात्राएं उपस्थित रहीं।

सोना और बिटकॉइन दोनों भर रहे उड़ान

ट्रंप 2.0 के दौर में इस डी-डॉलराइजेशन की रफ्तार और बढ़ गई

नई दिल्ली, एजेंसी।
सोना और बिटकॉइन दोनों उड़ान भर रहे हैं। इसके पीछे एक वैश्विक वजह है। अमेरिका, जिसे हमेशा से दुनिया की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता था, उसकी नीतियों और उसकी करेंसी (डॉलर) में विश्वास घट रहा है। ट्रंप 2.0 के दौर में इस डी-डॉलराइजेशन की रफ्तार और बढ़ गई है, जिसके चलते दुनिया भर के निवेशक वैकल्पिक संपत्तियों जैसे सोने और क्रिप्टो की ओर रुख कर रहे हैं।

सोने ने समय की कसौटी पर खुद को साबित किया है, इसका इतिहास ईसा पूर्व के जमाने से शुरू होता है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि शेयर बाजार के मुश्किल दौर में सोना अक्सर स्थिर रिटर्न देता है।

इसकी ताजा रैली की एक बड़ी वजह दुनिया भर की केंद्रीय बैंको द्वारा अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड्स से दूरी बनाकर अपने रिजर्व में सोना बढ़ाना है। पहले के जमाने में कुछ देशों में सोने के भंडार के आधार पर ही मुद्रा छापी जाती थी। अब वह संबंध खत्म हो चुका है, लेकिन तथ्य यह है कि केंद्रीय बैंक आज भी अपने भंडार के लिए सोना खरीद रहे हैं, यह इसकी स्थायी वैल्यू और संस्थागत समर्थन को रेखांकित करता है।

यह एक सांस्कृतिक बदलाव का प्रतीक है। इसका भविष्य अभी अनिश्चित है और इसमें जोखिम काफी हैं। अमेरिका में ब्लैकरॉक जैसी बड़ी फंड हाउसों ने बिटकॉइन ईटीएफ लॉन्च किए हैं, जिससे निवेशकों के लिए क्रिप्टो बाजार में प्रवेश करना आसान हो गया है। दोनों के बीच मुख्य अंतर उनके मूलभूत सिद्धांतों में निहित है। सोने की मांग मुख्य रूप से केंद्रीय बैंकों और ज्वैलरी खरीदारों से आती है, और इसके औद्योगिक उपयोग सीमित हैं। सोना कुछ भी उत्पादन नहीं करता, लेकिन सदियों से इसने अपना मूल्य बरकरार रखा है। वहीं बिटकॉइन की कीमत का आंदोलन पूरी तरह से सामूहिक विश्वास पर निर्भर करता है। यह एक माध्यम ऑफ एक्सचेंज है, लेकिन इसे किसी भी देश में लीगल टेंडर का दर्जा नहीं मिला है, सिवाय एक छोटे से देश अल सल्वाडोर के। इसके एडॉप्शन के बढ़ने की संभावना है, लेकिन यह अभी भी एक ऐसी संपत्ति है जिसकी पहचान को लेकर संघर्ष जारी है।

बिटकॉइन: डिजिटल विश्वास पर टिका एसेट

बिटकॉइन, डिजिटल युग की देन है, जो मुख्य रूप से निजी इनोवेशन और निवेशकों के उत्साह से ऊर्जा पाता है। इसकी रैपिड तेजी असाधारण रही है, लेकिन यह गति इसे अत्यधिक अस्थिर भी बनाती है। सोना एक पोर्टफोलियो डाइवर्सिफायर का काम करता है। ऐतिहासिक डेटा दिखाता है कि पोर्टफोलियो का केवल 5% से 10% हिस्सा भी सोने में लगाने से जोखिम-समायोजित रिटर्न में सुधार हो सकता है। संक्षेप में, सोना पोर्टफोलियो के नतीजों को बेहतर बनाने में मदद करता है।

निवेशक के लिए सलाह

आपके पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन के लिए सोने में कुछ एक्सपोजर रखना समझदारी है। चूंकि यह एक कोर एसेट नहीं है, इसलिए आवंटन टोटल पोर्टफोलियो के लगभग 5% से 10% तक सीमित रखा जा सकता है। हालांकि सोना अपने ऑल टाइम हाई के आसपास कारोबार कर रहा है, लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि ज्यादातर एसेट क्लासेज अपनी लाइफ साइकिल में कई बार नए शिखर को छूते हैं।

वहीं क्रिप्टो, हाई रिटर्न्स की संभावना के बावजूद, एक हाई रिस्क रास्ता बना हुआ है। ज्यादातर निवेशकों के लिए, इसे टालना ही बेहतर है। हालांकि, अगर आप इसमें हिस्सा लेना चाहते हैं, तो अपने एक्सपोजर को अपने पोर्टफोलियो के एक छोटे हिस्से (5% से कम) तक सीमित रखें।

ट्रंप के टैरिफ से चीन के अमेरिका को निर्यात में कमी

हांगकांग, एजेंसी। चीन के अमेरिका निर्यात में सितंबर में पिछले साल की तुलना में 27% की गिरावट आई है, जबकि चीन के वैश्विक निर्यात में वृद्धि छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। चीन के कस्टम विभाग की तरफ से सोमवार को जारी आंकड़ो के अनुसार, चीन का कुल वैश्विक निर्यात इस साल सितंबर में 328.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 8.3% अधिक है। यह आंकड़ा अर्थशास्त्रियों की उम्मीद से कहीं अधिक था। अगस्त में वैश्विक निर्यात केवल 4.4% बढ़ा था। वहीं, अमेरिका निर्यात लगातार छह महीनों से गिरावट पर है। अगस्त में यह गिरावट 33% तक पहुंच गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण व्यापार का भविष्य अनिश्चित है। दोनों देशों ने आपसी व्यापार पर नए टैरिफ और अन्य जवाबी कदम उठाए हैं, जिससे व्यापारिक स्थिति पर दबाव बना हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण, जो अमेरिकी कंपनियों को अपने कारखाने अमेरिका में शिफ्ट करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, चीन ने अन्य क्षेत्रों में अपने उत्पादों के लिए नए बाजार खोजने की कोशिश की है।

अरबपतियों की संपत्ति में सेंध, टॉप-20 में केवल अडानी-अंबानी ही चमके

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर बाजारों में शुक्रवार को आए तूफान का असर अमेरिकी अरबपतियों के नेटवर्थ पर दिखा। एक झटके में ही फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट समेत दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों के करीब 70 अरब डॉलर डूब गए। इन अरबपतियों में नौ अमेरिका के हैं। सबसे बड़ा झटका एलन मस्क को लगा। टेस्ला के शेयर में 5 फसद से अधिक की गिरावट से उनकी संपत्ति एक ही दिन में 15.8 अरब डॉलर कम हो गई। ब्लूमबर्ग बिलनेनियर इंडेक्स के मुताबिक अब उनकी दौलत 437 अरब डॉलर ही रह गई है।

टॉप-20 अरबपतियों में केवल अडानी-अंबानी ही चमके

वहीं, दुनिया टॉप-20 अरबपतियों में केवल अंबानी और अडानी की संपत्ति में ही शुक्रवार को बढ़ोतरी देखने को मिली। अडानी की दौलत 630 मिलियन डॉलर बढ़कर 88.8 अरब डॉलर हो गई है। जबकि, अंबानी के नेटवर्थ में 379 अरब डॉलर बढ़े। अब अंबानी की कुल संपत्ति 97.5 अरब डॉलर है।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स

दौलत गंवाने वालों में लैरी पेज भी हैं। इनकी कुल संपत्ति 209 अरब डॉलर है। इन्हें 3.84 अरब डॉलर का झटका लगा है। सर्गी ब्रिन को 3.56 अरब डॉलर की चपत लगी है। इनके पास अब 195 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। बर्नार्ड अर्नाल्ट को 2.99 अरब डॉलर की चोट पहुंची है। इनकी कुल संपत्ति अब 177 अरब डॉलर है। स्टीव बाल्मर ने 3.65 अरब डॉलर गंवाए हैं। इनका नेटवर्थ अब 176 अरब डॉलर रह गया है। माइकल डेल 5.92 अरब डॉलर गंवाए हैं और इनका नेटवर्थ अब 151 अरब डॉलर है। बता दें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन के साथ ट्रेड वॉर बढ़ाने के बाद शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट आई। डॉऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 878.82 अंक या 1.90% गिरकर 45,479.60 पर आ गया, जबकि एसएंडपी 500 182.60 अंक या 2.71% फिसलकर 6,552.51 पर आ गया। नैस्डैक कंपोजिट 820.20 अंक या 3.56% की गिरावट के साथ 22,204.43 पर बंद हुआ।

जेफ बेजोस की संपत्ति 10.2 घटी

वहीं अमेजन के शेयर 4.99% गिरे तो जेफ बेजोस की संपत्ति 10.2 अरब डॉलर घटकर 248 अरब डॉलर रह गई। मेटा के शेयर 3.85 टूटे और इससे मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति में शुक्रवार को 9.67 अरब डॉलर की सेंध लग गई। अब इनका नेटवर्थ 248 अरब डॉलर रह गया है। एनवीडिया के शेयर की कीमत 4.91% गिर गई तो जेनसेंग हुआंग 8.07 अरब डॉलर गंवा बैठे। अब इनके पास 159 अरब डॉलर की संपत्ति है। इनके अलावा ऑरेकल के शेयर टूटे तो लैरी एलिसन को 5.17 अरब डॉलर का झटका लगा। इनकी कुल संपत्ति अब 351 अरब डॉलर है, जिसमें 159 अरब डॉलर इसी साल बढ़े हैं।

धनतेरस तक 130000 रुपये तक जा सकता है सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में जारी रैली थमने का नाम नहीं ले रही है। सोने के दाम इस साल अब तक करीब 50 पर्सेंट उछल गए हैं। वहीं, अगर साल 2022 से देखें तो गोल्ड प्राइसेज में 140 पर्सेंट की जोरदार तेजी आई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि वैश्विक स्तर पर चल रहे मौजूदा आर्थिक बदलाव और मौद्रिक नीति से जुड़ी उम्मीदें गोल्ड प्राइसेज में मोमेंटम बनाए हुए हैं और इस धनतेरस सोने के दाम रिकॉर्ड हाई पर पहुंच सकते हैं। यह बात मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट में कही गई है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट में एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज में कमोडिटी रिसर्च की हेड वंदना भारती ने कहा है, सेंट्रल बैंक और ईटीएफ की मजबूत खरीदारी से कीमतों में तेजी देखने को मिलेगी। उनका मानना है कि इस धनतेरस सोने की कीमतें 1,20,000 से 1,30,000 प्रति दस ग्राम के बीच रह सकती हैं। उन्होंने कहा है कि साल 2026 की शुरुआत में सोने के दाम 1,50,000 रुपये तक जा सकते हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट के लिए गोल्ड प्राइसेज इस हफ्ते पहले ही 1,22,284 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं, यह वैश्विक और घरेलू कारकों के मिक्स को दर्शाता है। इसके अलावा, दुनिया भर के सेंट्रल बैंक गोल्ड खरीदने में जुटे हुए हैं। दुनिया भर के देश अपने रिजर्व को डायवर्सिफाई कर रहे हैं, इससे गोल्ड का ऑफिशियल खरीदारी कई दशक के हाई पर जा पहुंची है। इस बीच, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखने को मिल रहा है, क्योंकि इक्विटी मार्केट्स और बॉन्ड यील्ड्स में उतार-चढ़ाव के बीच इनवेस्टर्स सुरक्षित माध्यम पर दांव लगा रहे हैं।

डॉ. कुलविंदर दुआ द्वारा वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मान्यता मिली

बैतूल, एजेंसी। नागपुर के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में से एक, मिडास हॉस्पिटल को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उसे वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूईओ) ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मान्यता मिली है। यह मान्यता अमेरिका के प्रसिद्ध एंडोस्कोपी विशेषज्ञ और डब्ल्यूईओ आउटरीच कमेटी के चेयरमैन डॉ. कुलविंदर दुआ द्वारा दी जाएगी। इस अवसर पर मिडास हॉस्पिटल, वर्धा रोड, नागपुर में एक छोटा समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रिबन काटने के साथ प्रमाणपत्र और प्लेक का अनावरण किया गया। वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन ट्रेनिंग सेंटर की यह प्रतिष्ठित मान्यता डॉ. कुलविंदर दुआ ने मिडास हॉस्पिटल के डायरेक्टर, डॉ. श्रीकांत मुकेवार और डॉ. सौरभ मुकेवार को प्रदान की।

डॉ. कुलविंदर दुआ द्वारा वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मान्यता मिली

बैतूल, एजेंसी। नागपुर के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में से एक, मिडास हॉस्पिटल को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उसे वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूईओ) ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मान्यता मिली है। यह मान्यता अमेरिका के प्रसिद्ध एंडोस्कोपी विशेषज्ञ और डब्ल्यूईओ आउटरीच कमेटी के चेयरमैन डॉ. कुलविंदर दुआ द्वारा दी जाएगी। इस अवसर पर मिडास हॉस्पिटल, वर्धा रोड, नागपुर में एक छोटा समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रिबन काटने के साथ प्रमाणपत्र और प्लेक का अनावरण किया गया। वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन ट्रेनिंग सेंटर की यह प्रतिष्ठित मान्यता डॉ. कुलविंदर दुआ ने मिडास हॉस्पिटल के डायरेक्टर, डॉ. श्रीकांत मुकेवार और डॉ. सौरभ मुकेवार को प्रदान की अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डॉ. कुलविंदर दुआ, अमेरिका के विस्कॉन्सिन मेडिकल कॉलेज के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी प्रोफेसर और प्रसिद्ध एंडोस्कोपी विशेषज्ञ, एंडोस्कोपी से जुड़ी नवीनतम तकनीक और महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। वर्धा रोड, नागपुर स्थित मिडास हॉस्पिटल अब अंतरराष्ट्रीय डॉक्टरों को एंडोस्कोपी में प्रशिक्षण देगा, जिसमें लिवर पर होने वाली अत्याधुनिक एंडोस्कोपी प्रक्रियाओं का लाइव डेमो भी शामिल होगा। पिछले एक साल में इटली, फ्रांस, रवांडा, साउथ अफ्रीका, यूएई, ओमान और फिलीपींस सहित कई देशों के डॉक्टर मिडास हॉस्पिटल आकर अतिरिक्त प्रशिक्षण ले चुके हैं।

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सफेदपोश अपराधों के सख्त कार्रवाई जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के दो पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, न्यायमूर्ति यू. यू. ललित और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, ने भारत की आर्थिक ईमानदारी को बनाये रखने और 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करने के लिए सफेदपोश अपराधों के विरुद्ध एकजुट और ठोस कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया है। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा आयोजित टीपीएफ दायित्व-नेशनल लीगल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉम्बैटिंग व्हाइट कॉलर क्राइम को संबोधित करते हुए दोनों न्यायविदों ने संस्थागत सुधार, कानूनी सामंजस्य और नैतिक पुनर्निर्माण की जरूरत पर जोर दिया, ताकि संस्थाओं में जनता का विश्वास फिर से बहाल किया जा सके। सम्मेलन में व्हाइट कॉलर क्राइम पर नियंत्रण हेतु 10 सूत्रीय चार्टर भी जारी किया गया, जिसमें नीतिगत, संस्थागत और नैतिक उपायों का उल्लेख किया गया है। इस चार्टर का उद्देश्य पारदर्शिता को सशक्त बनाना, प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाना और पेशेवर जवाबदेही सुनिश्चित करना है। टीपीएफ के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार नाहटा ने घोषणा की कि यह चार्टर शीघ्र ही भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश को औपचारिक रूप से विचारार्थ सौंपा जाएगा। श्री नाहटा ने कहा कि देश के पेशेवर समुदाय को व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर अपने दायित्व यानी सार्वजनिक और निजी जीवन में नैतिक आचरण बनाए रखने के कर्तव्य को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें केवल कानून की भाषा ही नहीं, बल्कि ईमानदारी और निष्ठा की भावना का भी पालन करने का संकल्प लेना होगा। यदि हम सब इस सामूहिक मिशन में एकजुट हो जाएं, तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश फिर से 'सोने की चिड़िया' कहलाएगा। न्यायमूर्ति यू. यू. ललित ने कहा कि सफेदपोश अपराध देश की आर्थिक संरचना को भीतर से खोखला कर रहे हैं, संस्थानों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक संगठित कानूनी और संस्थागत ढांचे की आवश्यकता बताई।

कंपनी के शेयरों में तूफानी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी।
मैपमायइंडिया चलाने वाली कंपनी सीई इंफो सिस्टम्स के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। सीई इंफो सिस्टम्स के शेयर सोमवार को बीएसई में इंट्राडे के दौरान 10 पर्सेंट के उछाल के साथ 1885.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। रेल मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने अपनी कार में मैपमायइंडिया के स्वदेशी नेविगेशन ऐप मैप्पल्स का इस्तेमाल किया और इसके फीचर्स की तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस ऐप को आजमाना चाहिए। मैपमायइंडिया की कंपनी सीई इंफो सिस्टम्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2200 रुपये है।

मैप्पल्स के साथ इंडियन रेलवे जल्द करेगा समझौता ज्ञापन: रेल मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि इंडियन रेलवे जल्द ही गूगल मैप्स के प्रतिस्पर्धी मैप्पल्स के साथ एक समझौते पर दस्तखत करेगा। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में मिनिस्टर ने स्वदेशी मैपिंग प्लेटफॉर्म के साथ अपना अनुभव साझा किया और मैप्पल्स टीम के साथ एक मीटिंग के बाद इसके कुछ एडवांस्ड फीचर्स को हाइलाइट किया। एक वीडियो में उन्होंने फ्लाईओवर्स, अंडरपास और राउंडअबाउट्स का थ्री-डायमेंशनल जंक्शन व्यू या प्रिव्यू उपलब्ध कराने से जुड़ी ऐप की क्षमता का इशारा किया। उन्होंने बताया कि यह ऐप स्पीड लिमिट्स, स्पीड ब्रेकर्स, ट्रैफिक सिग्नल और ट्रैफिक कैमरा लोकेशंस के लिए रियल-टाइम ड्राइविंग अलर्ट्स उपलब्ध कराता है।

अरट्टई ऐप के साथ इंटीग्रेशन पर यह बोले मैपमायइंडिया के डायरेक्टर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने प्रस्ताव दिया कि मैपमायइंडिया के ऐप मैप्पल्स को अरट्टई ऐप के साथ इंटीग्रेट किया जाना चाहिए, इसके जवाब में मैपमायइंडिया के डायरेक्टर रोहन वर्मा ने कहा कि उन्हें ऐसा करने में खुशी होगी। सीई इंफो सिस्टम्स के शेयरों का परफॉर्मेंस पिछले एक साल से बहुत अच्छा नहीं रहा है। कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 10 पर्सेंट से अधिक टूट गए हैं। वहीं, इस साल अब तक कंपनी के शेयरों में 13 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। आईपीओ में सीई इंफो सिस्टम्स के शेयर का दाम 1033 रुपये था। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए 9 दिसंबर 2021 को खुला था।

नेटफ्लिक्स की नई एनिमेटेड सीरीज़ ने भोपाल को आनंदित कर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के दो पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, न्यायमूर्ति यू. यू. ललित और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, ने भारत की आर्थिक ईमानदारी को बनाये रखने और 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करने के लिए सफेदपोश अपराधों के विरुद्ध एकजुट और ठोस कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया है। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा आयोजित टीपीएफ दायित्व-नेशनल लीगल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉम्बैटिंग व्हाइट कॉलर क्राइम को संबोधित करते हुए दोनों न्यायविदों ने संस्थागत सुधार, कानूनी सामंजस्य और नैतिक पुनर्निर्माण की जरूरत पर जोर दिया, ताकि संस्थाओं में जनता का विश्वास फिर से बहाल किया जा सके। सम्मेलन में व्हाइट कॉलर क्राइम पर नियंत्रण हेतु 10 सूत्रीय चार्टर भी जारी किया गया, जिसमें नीतिगत, संस्थागत और नैतिक उपायों का उल्लेख किया गया है। इस चार्टर का उद्देश्य पारदर्शिता को सशक्त बनाना, प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाना और पेशेवर जवाबदेही सुनिश्चित करना है। टीपीएफ के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार नाहटा ने घोषणा की कि यह चार्टर शीघ्र ही भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश को औपचारिक रूप से विचारार्थ सौंपा जाएगा। श्री नाहटा ने कहा कि देश के पेशेवर समुदाय को व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर अपने दायित्व यानी सार्वजनिक और निजी जीवन में नैतिक आचरण बनाए रखने के कर्तव्य को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें केवल कानून की भाषा ही नहीं, बल्कि ईमानदारी और निष्ठा की भावना का भी पालन करने का संकल्प लेना होगा। यदि हम सब इस सामूहिक मिशन में एकजुट हो जाएं, तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश फिर से 'सोने की चिड़िया' कहलाएगा। न्यायमूर्ति यू. यू. ललित ने कहा कि सफेदपोश अपराध देश की आर्थिक संरचना को भीतर से खोखला कर रहे हैं, संस्थानों को कमजोर कर रहे हैं और विश्वास को क्षीण कर रहे हैं।

जोमैटो डिलीवरी बॉय ने ठेले से बना दिया ब्रांड

अब सालाना 40 लाख का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी 23 साल के नंदन रेणुकप्पा की है। उन्होंने पारंपरिक बिजनेस की सीमाओं को तोड़कर एक अनोखे वेंचर को जन्म दिया है। बेंगलुरु के सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स में बी.कॉम के छात्र रहे नंदन ने अपने प्री-यूनिवर्सिटी के दिनों में कॉलेजों के लिए कस्टम जैकेट बनाकर फैशन की दुनिया को समझा। कई शुरुआती विफलताओं से सीखने के बाद उन्होंने भारतीय बाजार में एक बड़ा गैप देखा। यह था वर्ल्ड क्वालिटी ट्रेंडी स्ट्रीटवियर का अभाव। इसी कमी को दूर करने के लिए उन्होंने सितंबर 2022 में अपना ब्रांड अनटेम्ड स्ट्रीटवियर लॉन्च किया। यह आइसक्रीम कार्ट (ठेला) से प्रेरित था। सिर्फ वीकेंड में बिक्री करने वाला यह अनूठा डायरेक्ट-टू-कस्टमर मॉडल जेन जेड और मिलेनियल्स को टारगेट करता है। ये अक्सर फैशन को पहचान और अभिव्यक्ति मानते हैं। नंदन ने जोमैटो डिलीवरी बॉय जैसे काम करके 1 लाख रुपये की शुरुआती पूंजी जुटाई। इस वेंचर को महज एक साल में 40 लाख रुपये के सालाना टर्नओवर तक पहुंचाया। आइए, यहां नंदन रेणुकप्पा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। 23 साल के नंदन रेणुकप्पा ने सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स में बीकॉम में प्रवेश लेने से पहले ही फैशन की दुनिया में कदम रख दिया था। तब वह प्री-यूनिवर्सिटी यानी दाखिला लेने से ठीक पहले ही कॉलेजों के लिए थोक में कस्टम जैकेट और हुडीज बनाते थे। 2021 में शुरू हुए इस सफर ने उन्हें फैशन की बुनियादी समझ दी। अपनी शुरुआती विफलताओं (एक फूड बिजनेस और एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी) से सीखने के बाद नंदन ने स्ट्रीटवियर सेक्टर में कदम रखा। यहां उन्होंने एक बड़ा गैप पाया। भारतीय बाजार में या तो लक्जरी ब्रांड थे या बहुत ही सामान्य कपड़े। लेकिन, वर्ल्ड क्वालिटी आरामदायक और ट्रेंडी फैशन नहीं था। इसी गैप को भरने के लिए उन्होंने सितंबर 2022 में अपना ब्रांड अनटेम्ड स्ट्रीटवियर लॉन्च किया। इसने सिर्फ सप्ताहांत पर एक कार्ट के जरिए बेंगलुरु के चर्च स्ट्रीट और इंदिरा नगर में बिक्री शुरू की। महज एक साल में 40 लाख रुपये का सालाना टर्नओवर हासिल कर लिया। नंदन को चर्च स्ट्रीट पर एक आइसक्रीम कार्ट देखकर स्ट्रीटवियर कार्ट शुरू करने का आइडिया आया। उनका ब्रांड स्ट्रीटवियर को सिर्फ कैजुअल वियर नहीं, बल्कि कल्चर, आइडेंटिटी और आर्ट के रूप में देखता है। यह ब्रांड जेन जेड और मिलिनियल्स को टारगेट करता है। ये सिर्फ कपड़े नहीं, बल्कि एक एहसास भी चाहते हैं। वेंचर अपने डिजाइन और प्रोडक्शन का ज्यादातर काम इन-हाउस स्टूडियो में करता है। सीधे ग्राहकों को कार्ट के जरिये बेचता है। वर्तमान में इसके पास टी-शर्ट, हुडीज, कार्गो और एक्सेसरीज की लगभग 40 डिजाइन हैं। नंदन की मां उनकी सबसे बड़ी सपोर्टर हैं। नंदन के लिए स्ट्रीटवियर कोई अचानक आया स्टार्टअप आइडिया नहीं था। यह उनके कई प्रयोगों और असफलताओं का नतीजा था।

रेयर अर्थ को लेकर चीन का रोज रोज का झँझट खत्म करने की तैयारी में हैं मोदी

नीरज कुमार दुबे

भारत सरकार दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन (NCMM) के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

वैश्विक रणनीति और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के इस युग में 'रेयर अर्थ एलिमेंट्स' केवल वैज्ञानिक तत्व नहीं रहे बल्कि ये अब भू-राजनीतिक शक्ति का स्रोत बन चुके हैं। चीन द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों ने न केवल अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत सहित विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को अपनी रणनीतियाँ पुनः परिभाषित करने पर मजबूर कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार अब नेशनल क्रिटिकल मिनरल स्टॉकपाइल (NCMS) कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है जो आने वाले वर्षों में भारत की तकनीकी और सामरिक आत्मनिर्भरता का आधार स्तंभ बन सकता है।

हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ तत्व कुल 17 विशिष्ट धात्विक तत्वों का समूह हैं, जिनमें नियोडिमियम, प्रसीओडिमियम, डिस्प्रोसियम आदि शामिल हैं। इन तत्वों की खासियत यह है कि ये आधुनिक प्रौद्योगिकी की लगभग हर अहम मशीनरी में काम आते हैं– इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटर, पवन चक्कियों के टर्बाइन, मोबाइल फोन, मिसाइलों के गाइडेंस सिस्टम और यहां तक कि उपग्रहों के इलेक्ट्रॉनिक सर्किट में भी।

इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन विश्व आपूर्ति का लगभग 85% हिस्सा अभी भी चीन नियंत्रित करता है। जब चीन निर्यात पर रोक लगाता है, तो वैश्विक उद्योगों की नींव डगमगा जाती है। ऐसे में भारत की यह पहल केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि सामरिक आवश्यकता भी है। हम आपको बता दें कि भारत सरकार अब दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' (NCMM) के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस पहल का पहला लक्ष्य रेयर अर्थ तत्वों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है,

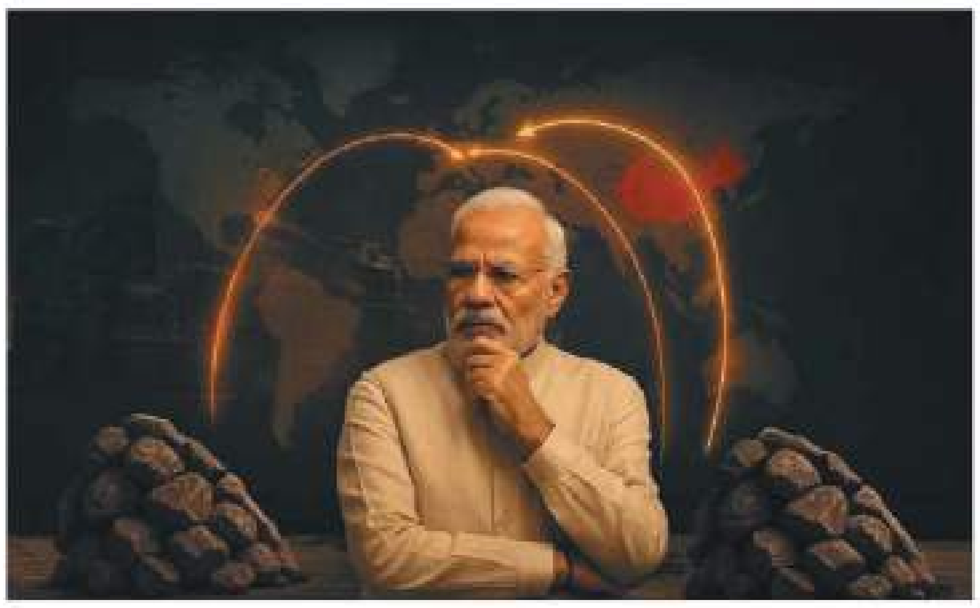

ताकि देश में रेयर अर्थ मैग्नेट उत्पादन को गति मिल सके। इसके लिए सरकार ने पहले ही 7,300 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन कार्यक्रम को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 6,000 टन उत्पादन हासिल करना है।

सरकार का इरादा भविष्य में इस दायरे को अन्य महत्वपूर्ण खनिजों– जैसे लिथियम, कोबाल्ट, निकल और ग्रेफाइट तक विस्तारित करने का भी है। हम आपको बता दें कि भारत में रेयर अर्थ की उपलब्धता का अनुमान लगभग 7.23 मिलियन टन रेयर अर्थ ऑक्साइड का है, जो मुख्यतः 13.15 मिलियन टन मोनाजाइट अयस्क में पाया जाता है। ये अयस्क आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में फैले हुए हैं।

हालांकि, असली चुनौती इन तत्वों को निकालने और शुद्ध करने की तकनीकी क्षमता की है। वर्तमान में भारत अपने घरेलू भंडारों से इन तत्वों का सीमित उपयोग करता है और प्रोसेसिंग के लिए बड़े पैमाने पर चीन और अन्य देशों पर निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को यदि वास्तविक आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो केवल भंडारण नहीं, बल्कि प्रसंस्करण और परिष्करण तकनीकों में निवेश करना होगा।

देखा जाये तो चीन के कदम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 'खनिज कूटनीति' आने वाले दशकों में ऊर्जा और रक्षा नीति का नया मोर्चा बनेगी। अमेरिका ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और चीनी आयात पर 100% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। भारत के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों है। यदि भारत समय रहते अपनी तकनीकी क्षमता विकसित कर लेता है और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों– जैसे ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, ब्राजील या अफ्रीकी देशों से साझेदारी करता है, तो वह न केवल अपनी घरेलू जरूरतें पूरी कर सकेगा बल्कि एशिया में एक सप्लाई हब के रूप में उभर सकता है।

हम आपको बता दें कि खनिज मंत्रालय ने अब तक पाँच चरणों में 55 रणनीतिक और महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी की है, जिनमें से 34 सफलतापूर्वक आवंटित किए जा चुके हैं। छठा चरण हाल ही में आरंभ हुआ है। यह निरंतरता दर्शाती है कि भारत अब खनिज नीति को केवल संसाधन-दोहन तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और औद्योगिक नीति के साथ जोड़ रहा है। हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ केवल धातु-संसाधन नहीं हैं बल्कि ये भारत के मेक इन इंडिया और ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन की आत्मा हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा, और रक्षा उपकरणों के लिए ये तत्व उतने ही जरूरी हैं जितना तेल किसी अर्थव्यवस्था के लिए।

देखा जाये तो भारत का यह कदम समयोचित और दूरदर्शी है। जब चीन जैसी ताकतें आपूर्ति को कूटनीतिक हथियार बना रही हैं, तब भारत अपनी स्वतंत्र आपूर्ति व्यवस्था और भंडारण नीति के माध्यम से 'सप्लाई सिक्योरिटी' का मजबूत ढांचा तैयार कर रहा है। फिलहाल मात्र दो महीने का भंडार और सीमित क्षमता एक शुरुआत है, लेकिन दिशा स्पष्ट है। यह उस भारत की झलक है जो हर संकट को अवसर में बदलना जानता है। रेयर अर्थ के इस दौर में भारत ने संदेश दिया है- 'खनिज भी अब रणनीति हैं और आत्मनिर्भरता ही सर्वोच्च कूटनीति है।'

संपादकीय

कृषि समृद्धि की नई राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समृद्धि की नयी राह बनायी है। 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई पीएम धन-धान्य कृषि योजना भारतीय कृषि के परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा सकती है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। जब जलवायु परिवर्तन, घटती उत्पादकता, और बढ़ती लागतों के बीच किसान जीवनयापन के संकट से जूझ रहे हैं, तब यह योजना उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास देने का कार्य करेगी। इस योजना का मूल उद्देश्य देश के हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता में वृद्धि करना, किसानों को सुलभ ऋ ण और भंडारण की बेहतर व्यवस्था प्रदान करना है। भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में आज भी लाखों किसान वर्षा आधारित खेती पर निर्भर हैं। अनियमित मानसून और सीमित सिंचाई संसाधन किसानों के जीवन को अनिश्चित बनाते हैं। ऐसे में, यह योजना जल प्रबंधन और सिंचाई के विस्तार के माध्यम से खेती को स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान करेगी। धन-धान्य योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू आधुनिक भंडारण सुविधाओं के सृजन से जुड़ा है। भारत में हर वर्ष लाखों टन अनाज भंडारण की कमी के कारण खराब हो जाता है। अब आधुनिक गोदामों, कोल्ड स्टोरेज और ग्रामीण स्तर पर वेयरहाउसिंग की व्यवस्था किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में मदद करेगी। इससे उन्हें फसल को सही मूल्य मिलने तक बेचने का इंतजार करने का अवसर मिलेगा, और बिचौलियों पर उनकी निर्भरता घटेगी। किसानों को सुलभ और कम ब्याज पर ऋ ण उपलब्ध कराना भी इस योजना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। छोटे और सीमांत किसान अक्सर बैंकिंग प्रणाली से दूर रह जाते हैं और स्थानीय साहूकारों के शोषण का शिकार बनते हैं। अब उन्हें सस्ते ऋ ण की सुविधा मिलेगी, जिससे वे आधुनिक बीज, कृषि यंत्र और नई तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे। योजना का एक अन्य अहम आयाम कृषि में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है। ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, मिट्टी परीक्षण, और जैविक खेती को प्रोत्साहन जैसी पहलें भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएंगी। यह कदम देश को डिजिटल एग्रीकल्चर के नए युग में ले जाने की क्षमता रखता है। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ आज भी कृषि ही है। यदि यह योजना ईमानदारी, पारदर्शिता और राज्य सरकारों के सहयोग से सही दिशा में लागू होती है, तो यह केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण पुनर्जागरण का आधार बनेगी। इससे कृषि को उद्योग से जोड़ने, ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस प्रगति होगी। निस्संदेह, पीएम धन-धान्य योजना भारतीय कृषि को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाली ऐतिहासिक पहल है। यदि इसका क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से हुआ, तो यह देश के खेतों को हरियाली से, और किसानों के चेहरों को समृद्धि की मुस्कान से भर देगी।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उसकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेश्वर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निर्गुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्विक कार्यों से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

एआई की लहर में खत्म होती नौकरियां, तकनीक वरदान या विनाश?

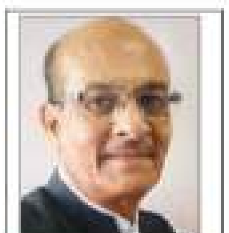

संतत जैन

अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तेज रफ्तार ने टेक उद्योग की तस्वीर ही बदल कर रख दी है। बड़ी आईटी कंपनियाँ अब ऐसे दौर में पहुँच चुकी हैं, जहाँ मशीनें इंसानों से कहीं ज्यादा तेज, सटीक और सस्ती साबित हो रही हैं। जो प्रोजेक्ट पहले किसी इंजीनियर को दो साल पूरे करने में लगते थे, अब एआई से उन्हें महज 20-30 दिनों में पूरा हो रहे हैं। कंपनियों के लिए यह तकनीकी एक क्रांति की तरह है। यह एक वरदान भी है, जो सोचते हैं उसे कुछ ही समय में पूरा कर लेते हैं। उत्पादकता बढ़ी है, लागत घट गई है। मानव संसाधन जिसमें इंजीनियरों और कर्मचारियों की एक बड़ी फौज काम करती थी, उनके लिए यह बदलाव किसी डरावने सपने के साकार होने की तरह है। अमेरिका में इसका असर दिखना शुरू हो गया है। अमेरिका की दिग्गज कंपनियाँ मानव संसाधन का 'री-स्ट्रक्चरिंग' कर 'एआई एडॉप्शन' के नाम पर कर्मचारियों से इस्तीफा लेकर उन्हें नौकरी से हटा रही हैं। जिनकी सेवा अवधि 10 साल से कम है। उन्हें तीन महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। वहीं, पुराने कर्मचारियों को 18 महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। यह एक तरह की चुपचुप छंटनी है। जिसमें कंपनियाँ 'टर्मिनेशन' शब्द से बचते हुए बदलाव का नाम देकर हजारों नौकरियों को खत्म कर रही हैं। इससे अमेरिका जैसे देश में जहां एच-1बीजा लेकर जो लाखों लोग काम कर रहे हैं, उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से वीजा पर शुल्क लगा रहे हैं, बार-बार नियम बदल रहे हैं, उसे अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीयों के लिए एक तरफ कुआं और दूसरी तरफ खाई बताया जा रहा है। यह लहर अब भारत पहुँच चुकी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इन्फोसिस, विप्रो और एक्सेंचर जैसी कंपनियाँ भी 'एआई स्किलिंग' के नाम पर कर्मचारियों की छंटनी दबे-छुपे तरीके से कर रही हैं। टीसीएस में इंजीनियरों को एआई और मशीन लर्निंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जो इस नए दौर की परीक्षा में पास नहीं होते हैं, उन्हें कंपनी से बाहर निकालने की तैयारी तरह-तरह से की जा रही है। जो कर्मचारी वर्तमान तकनीकी पर अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें सुनियोजित तरीके से कंपनी से बाहर निकालने के लिए तरह-तरह के प्रयास शुरू हो गए हैं। भारत में भी जल्द ही बड़े पैमाने पर इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। सरकार और दूसरे संगठनों द्वारा लगातार एआई को प्रमोट किया जा रहा है। जैसे-जैसे एआई में काम बढ़ता जाएगा, मानव संसाधन कम होता चला जाएगा। इसका अगला कदम इस्तीफा और छंटनी के रूप में भारत में भी शुरू हो चुका है।

कर्मचारियों के लिए यह स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। सोशल मीडिया पर ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं। जहाँ बिना किसी स्पष्ट कारण के इंजीनियरों एवं अन्य कर्मचारियों को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया है। यह एक व्यक्ति या एक परिवार के लिए संकट नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक चुनौती बनकर सामने आ गया है। बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई और हैदराबाद जैसे आईटी हब में बड़े पैमाने पर हजारों लोगों की नौकरियाँ जाती दिख रही हैं। तो उसका असर रियल एस्टेट, परिवहन, हॉस्पिटैलिटी और स्थानीय व्यवसायों तक पहुंचेगा जिसके कारण लाखों लोग बेरोजगार होंगे। यह सच है, एआई के जरिए कंपनियाँ अधिक कुशल हो रही हैं। यह भी उतना ही सच है, इससे मानव श्रम का महत्व तेजी से घट रहा है। आने वाले वर्षों में गिने चुने वही इंजीनियर और कर्मचारी मैदान में टिक पाएंगे जो खुद को एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों से लैस करेंगे। अब डिग्री और पिछले वर्षों के अनुभव का कोई महत्व नहीं रह गया है। सब काम सॉफ्टवेयर और मशीन करने लगी हैं। इसका असर सारी दुनिया में पड़ना शुरू हो गया है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। एआई की अपडेटेड स्किल ही करियर और नौकरी की गारंटी होगी। एआई अब केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि उद्योगों कृषि कार्यों एवं रोजगार के भविष्य में निर्णायक स्थिति बन गई है। अमेरिका से उठी छंटनी की लहर भारत तक पहुँच चुकी है। 'सुरक्षित' मानी जाने वाली आईटी नौकरियाँ भी अब सुरक्षित नहीं हैं। आने वाले समय में तकनीकी ही तय करेगी, कौन आगे बढ़ेगा और कौन तकनीकी दौड़ में पीछे छूटकर बेरोजगार हो जाएगा। एआई युग की यही सच्चाई है। जो खुद को बदलना सीखेगा, वही अपने भविष्य को सुरक्षित रख पाएगा। वैसे जिस तरह से मानव संसाधन की जगह तकनीकी और मशीनें लेती चली जा रही हैं, इसका असर दुनिया के सभी देशों में देखने को मिलेगा। करोड़ों लोगों को काम नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में इतनी बड़ी जनसंख्या को किस तरह से रोजगार से जोड़कर रखा जा सकता है? तकनीकी के इस दौर में एक नई चुनौती सामाजिक, शासन-प्रशासन के सामने वैश्विक स्तर पर खड़ी होती चली जा रही है। इसका जवाब किसी के पास नहीं है। तकनीकी का यह प्रभाव शुरुआती दौर में है, आगे चलकर यह बहुत सारी मुश्किलें खड़ी करने वाली है। जिस तरह से दुनिया में बेरोजगारी और आर्थिक संकट बढ़ रहा है, यदि समय रहते इसका कोई बेहतर रास्ता नहीं निकला गया तो बहुत भयानक दुष्परिणाम आने वाले वर्षों में देखने को मिल सकते हैं।

राजनीति : विपक्ष वही बढ़ेगा जो सत्ता से लड़ेगा

नरेंद्र शिशोद

सत्ता से लड़ने वाला ही सत्ता हासिल कर सकता है, जो जितना लड़ पाएगा वो उतना सत्ता के करीब बढ़ पाएगा। बेहतर कार्यों को नजरंदाज कर सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म है।

मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में दो विपक्षी खेमे है- एक सपा-कांग्रेस का इंडिया गठबंधन और दूसरी बहुजन समाज पार्टी। विपक्ष की इन दो ताकतों की आपसी प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है। किंतु जो विपक्षी खेमा दूसरे विपक्षी खेमे पर ज्यादा हमला करेगा और सत्ता पर अधिक हमलावर होने के बजाय तारीफ करेगा उस दल के बारे में सरकार विरोधी मतदाताओं की राय बहुत अच्छी तो नहीं होगी। और जो विपक्षी खेमा हुकूमत पर हमलावर होगा सरकार विरोधी वोटर एकजुट होकर उस विपक्षी दल के समर्थन में खड़ा होगा।

धर्म-जाति को किनारे रखकर देखिए तो चार तरह का वोटर नजर आता है। एक सत्ता को पसंद करता है और दूसरा सत्ता से नाखुश होता है, सत्ता के कार्यों से संतुष्ट नहीं होता। जो सत्ता के कार्यों से संतुष्ट हैं और उसे पसंद करता है वो वर्ग सत्तारूढ़ पार्टी को वोट देता है। जो सत्ता को पसंद नहीं करता वो वर्ग उस विपक्षी दल को चुनेगा जो सत्ता उखाड़ने में संघर्ष कर रहा हो और सत्ता के प्रति आक्रामक हो। तीसरा वोटर वर्ग वो है जिसने सत्तारूढ़ पार्टी पर विश्वास कर सत्ता बनवाई। लेकिन उसकी अपेक्षाएं पूरी नहीं हुई, ऐसे वर्ग विकल्प ढूंढेगा।

चौथा वर्ग भी है जो सत्ता को बेहतर इसलिए समझता है क्योंकि उसे सत्ता की खामियों का ज्ञान नहीं है। ऐसे सत्ता समर्थक वोटरों की आंखें खोलकर अपने पाले में लाने के लिए भी विपक्षी दल सत्ता का कच्चा चिट्ठा खोलते हैं। बताते हैं कि मौजूदा सरकार ने जन अपेक्षाएं पूरी नहीं की। जन-विरोधी है सरकार। हुकूमत पर ऐसे हमले करने के लिए विपक्षियों में मुकाबला होता है। यही कारण है कि विपक्ष का मूल स्वभाव सत्ता की आलोचना करना और सत्ता की किसी भी खूबी को नजरंदाज करना है।

बीते 9 अक्टूबर को बसपा की रैली में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने सत्ता से अधिक विपक्ष पर हमले किए। योगी सरकार की तारीफ की तब सवाल उठना लाजमी थे। बसपा भाजपा की बी टीम है! ऐसी तोहमतों के रंग गहराना भी स्वाभाविक था। बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा मैदान वापसी और खूब भीड़ वाली एक सफल रैली के बाद बसपाइयों और सपाइयों में नई जंग छिड़ गई। बी टीम की तोहमतों को आधार मिल गया। सपाई कह रहे हैं कि बहन जी ने मंच पर योगी आदित्यनाथ की सरकार की तारीफ करके अब तो भाजपा से अघोषित गठबंधन प्रकट कर दिया है। आरोप ये भी लग रहे हैं कि सरकारी मशीनरी ने मायावती की रैली में भीड़ जुटाई।

भाजपा के सहयोग से बसों का इंतजाम किया गया था। समाजवादी कह रहे हैं कि विपक्ष का काम सत्ता की कमियों को सामने लाना होता है, लेकिन बसपा सुप्रीमो तो सत्ता की तारीफ कर रही हैं और विपक्षी दलों पर हमलावर हैं। वो स्पष्ट करें कि बसपा एनडीए की सहयोगी है या विपक्ष में है ? इस तरह तारीफ तो भाजपा के सहयोगी संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल और ओम प्रकाश राजभर भी नहीं करते। सपा के ऐसे आरोपों के जवाब भी बसपाई खेमे से आने लगे हैं। कहा जा रहा है कि विपक्षी दल द्वारा सत्ता का आभार व्यक्त करना कोई गलत बात नहीं।

बसपाई सत्तारूढ़ भाजपा से सपा के रिश्ते याद दिला रहे हैं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव द्वारा संसद में नरेंद्र मोदी की जीत की शुभकामनाएं देने की याद दिला रहे हैं। मुलायम परिवार से मोदी-योगी के व्यक्तिगत मधुर रिश्तों से लेकर मुलायम सरकार का हिस्सा बनी कल्याण सिंह की पार्टी की याद दिलाई जा रही है। ये सच है कि प्रतिद्वंद्वी होना, राजनीति प्रतिस्पर्धी या राजनीति में विरोधी होने का अर्थ ये कतई नहीं कि हम आपसी शिष्टाचार भी भूल जाएं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह का संघ प्रमुख मोहन भागवत के करीब बैठना, मुलायम परिवार के विवाह समारोह में प्रधानमंत्री मोदी का आना, मुलायम सिंह का कुशलक्षेम पूछने योगी आदित्यनाथ का जाना शिष्टाचार है।

इससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या विरोध का कोई मतलब नहीं। इसी तरह बसपा सुप्रीमो मायावती का योगी सरकार को आभार व्यक्त करना भी गलत नहीं। लेकिन ये तय है कि यदि मायावती सत्तारूढ़ भाजपा से ज्यादा सपा-कांग्रेस पर आक्रमक होती रहीं तो बसपा की स्थिति और भी खराब होती रहेगी। और सपा-कांग्रेस भी सत्ता के बजाय बसपा पर ज्यादा हमले करती रहेंगी तो ये इंडिया गठबंधन के लिए हानिकारक होगा। दलित समाज में कुछ ऐसे भी है जब उन्हें लगता है कि बसपा लड़ाई से बाहर और सत्ता में आने की संभावनाओं से काफी दूर है ऐसे लोगों ने भाजपा को विकल्प मान कर भाजपाई सरकार बनवाने में अपना बड़ा योगदान दिया। भाजपा के लिए सॉफ्ट और बसपा को पसंद करने वाला एक बड़ा वोटर वर्ग है। ये वर्ग मजबूरी में बसपा से इसलिए दूर हो गया था क्योंकि बसपा ने मैदान छोड़ दिया था। मायावती मैदान में वापस आ गई हैं इसलिए ये वोटर वर्ग बसपा में वापस होगा। बसपा के एक-एक वोटर में एक बात कामन रहेगी कि वो भाजपा के प्रति सॉफ्ट होगा। मायावती द्वारा सपा के साथ कांग्रेस पर जबरदस्त हमलों से सपा का ये डर कम हो गया कि कांग्रेस उसका साथ छोड़ कर बसपा के साथ गठबंधन कर सकती है।

योगी सरकार की तारीफ से ये तय हो गया कि अब सपा के मुस्लिम बल्कि वोट में अब बसपा आठ-दस फीसद वोट में भी सेंध नहीं लगा सकेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती के दोबारा मैदान में आने से यदि दलित घर वापसी कर बसपा में वापस होता है तो इसका नुकसान सिर्फ सपा-कांग्रेस को ही नहीं भाजपा को भी खूब होगा। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि आगामी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में यदि त्रिकोणीय मुकाबला हुआ और दलित वोटों के सहारे बसपा पचास-पचपन सीटें भी ले आई और इंडिया गठबंधन और एनडीए को बहुमत नहीं मिल सका तो दोनों गठबंधनों में किसी एक को मायावती को मुख्यमंत्री बनाना होगा। बहन जी ऐसी राजनीतिक कार्ययोजना पर काम कर रही हैं।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

रॉकेटशिप में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं ईशा कोप्पिकर

ईशा कोप्पिकर की अगली फिल्म, रॉकेटशिप, का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक रूप से भरपूर सिनेमाई अनुभव की पहली झलक देता है। निर्माता हरमन राय सहगल ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को एक भावुक कैप्शन के साथ साझा किया है जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता है- हर सपने को चाहिए एक सहारा, हर सफर को चाहिए प्यार। व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की इस प्रस्तुति में ईशा कोप्पिकर एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जिसमें वे एक ऐसी भूमिका निभा रही हैं जो अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में समर्थन करने वाली एक माँ के रूप में उनके अभिनय कौशल को दर्शाता है। ईशा कोप्पिकर, जिन्होंने सालों से अपनी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर राज किया है, अब रॉकेटशिप में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं जो दर्शकों के दिल को छूने और भावनाओं की गहराइयों में ले जाने का वादा करती है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अनुभवी प्रतिभाओं और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं – खासकर सुभाष घई की प्रतिष्ठित व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल अकादमी के छात्रों – के बीच एक सुंदर सहयोग का प्रतीक है। ईशा का इस डिप्लोमा प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने का फैसला इस बात को दर्शाता है कि वह नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए कितनी प्रतिबद्ध हैं, और किस तरह वो इन छात्रों की संघर्षपूर्ण यात्रा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। रॉकेटशिप का ट्रेलर सोशल मीडिया पर आते ही खूब चर्चा बटोर रहा है। दर्शक इसके संवेदनशील विषयवस्तु और ईशा की दमदार भूमिका की जमकर सराहना कर रहे हैं।

मेरे पुराने दोस्त की तरह है मिर्जापुर में गोलू का किरदार

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में बनारस में मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में श्वेता फिर से अपने लोकप्रिय किरदार गजगामिनी गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। इंटरव्यू में श्वेता ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए किसी पुराने दोस्त से मिलने जैसा है। एक ऐसा दोस्त, जो मेरे जीवन के उतार-चढ़ाव और बदलावों का साक्षी रहा है। बनारस की खासियत है कि यहां की हर कहानी और भी ज्यादा जीवंत लगती है। श्वेता के लिए बनारस वापसी एक खास एहसास लेकर आई है। उन्होंने बताया कि इस शहर ने उनके एक्टिंग करियर में कई महत्वपूर्ण पल देखे हैं। उनकी पहली बड़ी फिल्म मसान से लेकर मिर्जापुर सीरीज तक, बनारस उनके सफर का अहम हिस्सा रही है। उन्होंने कहा, अब जब मैं इस शहर में मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूं, तो यह मेरे लिए सफर का पूरा होना जैसा है। अपने किरदार के बारे में श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार बदल चुका है और वह खुद भी बदली है, लेकिन उसके अंदर का जोश और आग अब भी वही बनी हुई है। मैं दर्शकों को इस किरदार से मिलवाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। बता दें कि मिर्जापुर भारत की सबसे लोकप्रिय क्राइम-थ्रिलर सीरीज में से एक है। इसकी कहानी अखंडानंद कालीन त्रिपाठी नाम के एक अपराधी और व्यवसायी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मिर्जापुर जिले का बेताज बादशाह माना जाता है। पहले सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रसिका दुग्गल, हर्षिता गौर और कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। दूसरे सीजन में ज्यादातर कलाकार वापस आए, लेकिन विक्रांत मैसी और श्रिया पिलगांवकर की जगह कुछ नए कलाकार देखे गए, जिनमें विजय वर्मा, ईशा तलवार, लिलिपुट, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेन्युली, अनंग्शा बिस्वास, और नेहा सरगम शामिल हैं।

वरुण की है जवानी तो... में दिखेगा लव ट्राएंगल

पूजा हेगड़े के अलावा मौनी रॉय और मृणाल ठाकुर भी आएंगी नजर

वरुण धवन जल्द ही पिता डेविड धवन की नई कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में दिखाई देंगे। यह फिल्म डेविड के पुराने सिग्नेचर कॉमेडी स्टाइल की वापसी मानी जा रही है। वरुण के साथ पूजा हेगड़े इस फिल्म की लीड हीरोइन हैं, जबकि फिल्म में दो नायिकाओं के बीच का त्रिकोणीय रोमांस और झूठ-फरेब भरी चीटिंग कहानी का मुख्य आकर्षण होगा। फिल्म में मौनी राय और मृणाल ठाकुर भी हैं। वरुण की हाल ही में जाह्नवी कपूर के साथ रिलीज हुई सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के बाद यह उनकी लगातार दूसरी हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी है। राकेश बेदी, जिमी शेरगिल और चंकी पांडे जैसे मंझे हुए कलाकार भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म की शूटिंग आधी भारत और आधी लंदन में हुई है

राकेश बेदी ने से खास बातचीत में फिल्म को लेकर बताया कि... यह फिल्म लाफ्टर-राइड वाली है। वरुण का किरदार एक हीरोइन से भी झूठ बोलेगा और दूसरी से भी। अब सोच लीजिए फिर पकड़े जाने और निकल जाने का खेल कितनी कॉमेडी पैदा करेगा। फिल्म आधी भारत और आधी लंदन में शूट हुई है, इसलिए इसकी दुनिया भी अलग तरह का रंग-ढंग लेकर आएगी। आमतौर पर वरुण को सेट पर बड़ा मस्तीखोर माना जाता है लेकिन पिता डेविड के सामने उनकी यह मस्ती पूरी तरह कंट्रोल हो जाती है। डेविड किसी को नहीं बख्शते, चाहे वह वरुण ही क्यों न हो। अगर वह लेट होते हैं, तो सबके सामने डांट पड़ती है।

कृति शेट्टी ने अब्दी-अब्दी के लिए सीखा बेली डांस

अभिनेत्री कृति शेट्टी बहुत जल्द दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता के साथ फिल्म जीनी में दिखाई देंगी। इसका गाना अब्दी अब्दी बहुत जल्द रिलीज होगा। इस गाने के लिए खासतौर पर उन्होंने बेली डांस सीखा। कृति शेट्टी ने बताया कि इस गाने की तैयारी के लिए उन्हें अपने बिजी शेड्यूल से वक्त निकालना काफी मुश्किल रहा, फिर भी वह इसकी प्रैक्टिस के लिए जाती थी। इस गाने में कल्याणी भी है, दोनों फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। गाने के रिलीज होने से पहले इनका बेली डांस करते हुए एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

इस गाने के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, जब मुझे फिल्म में बेली डांस के बारे में पता चला, तो मैं बेहद खुश हुई, क्योंकि जैसा कि हम जानते हैं, जीनी एक मध्य पूर्व का विचार है, जो अरेबियन नाइट्स की कहानियों में देखा गया है। इसलिए फिल्म में बेली डांस का होना पूरी तरह से फिट बैठता है। यह मुझे बेली डांस की दुनिया तक ले गया, और मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत उत्साहित थी, क्योंकि मुझे डांस करना पसंद है और इसने मुझे एक नया डांस फॉर्म सीखने का शानदार मौका दिया। उन्होंने बताया, मेरे लिए यह सीखना थोड़ा मुश्किल हो गया क्योंकि मैं चेन्नई में अपनी तीन तमिल फिल्मों की लगातार शूटिंग कर रही थी। मुझे अभ्यास करने का मौका केवल तभी मिलता था जब मैं मुंबई वापस आती थी और डांस क्लासेज में जाकर इसे सीखती थी। मैं वास्तव में वहां कुछ घंटे बिताती थी और इसमें काफी समय लगता था। खैर, मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मजेदार था। कृति ने यह भी बताया कि बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन पूरी लगन के साथ इसकी तैयारी में उन्होंने खुद को झोंक दिया। इस दौरान कमर को एक विशेष प्रकार से मूव करना सबसे कठिन रहा। बताया जा रहा है कि इस गाने में बेमिसाल कोरियोग्राफी, शानदार दृश्य और एक आकर्षक धुन है।

शूजित सरकार ने दीपिका के आठ घंटे शिफ्ट के मुद्दे पर दी प्रतिक्रिया

पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपने आठ घंटे काम करने की शर्त को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। कथित तौर पर दीपिका के संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर होने की वजह भी उनके आठ घंटे शिफ्ट की मांग थी। इसके बाद पिछले दिनों दीपिका 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से भी बाहर हो गईं। इसके पीछे भी मेकर्स ने काम के प्रति प्रतिबद्धता को ही जिम्मेदार बताया था। अब दीपिका के प्रोफेशनलिज्म और आठ घंटे की शिफ्ट पर निर्देशक शूजित सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दीपिका के साथ 'पीकू' में काम कर चुके शूजित ने अभिनेत्री का समर्थन किया है।

शूजित ने किया दीपिका का समर्थन

डीएनए के साथ बातचीत में शूजित सरकार ने दीपिका के दो बड़ी पैन इंडिया फिल्मों से बाहर होने पर कहा कि मैं हर व्यक्ति के व्यक्तिगत फैसलों का सम्मान करता हूं। वे क्या करते हैं, इसके लिए वो स्वतंत्र हैं।। मुझे नहीं पता कि पूरी कहानी क्या है। हालांकि, दीपिका के आठ घंटों की शिफ्ट को लेकर निर्देशक ने कहा कि कोई बात नहीं। हमें हर व्यक्ति की सीमाओं का सम्मान करना चाहिए। इसलिए उसकी पूरी इज्जत करनी चाहिए। मैं ऐसा ही करता हूं। दीपिका के प्रोफेशनलिज्म पर बात करते हुए शूजित ने कहा कि एक पेशेवर कलाकार के रूप में वह शानदार है। वह बहुत ही प्रतिभाशाली है।

'पीकू' में शूजित सरकार के साथ दीपिका ने किया काम

दीपिका पादुकोण ने शूजित सरकार के साथ साल 2015 में आई फिल्म 'पीकू' में काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने ही किया था। फिल्म में दीपिका के साथ अमिताभ बच्चन और इरफान खान सरीखे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा था।

अल्लू अर्जुन और शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से बाहर होने के बावजूद दीपिका की पाइपलाइन में कई फिल्में है। इन दिनों दीपिका शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा वो एटली और अल्लू अर्जुन की बड़े बजट की फिल्म में भी नजर आएंगी।

ग्लोबल स्टेज पर अच्छा काम करना जरूरी है

दुनिया भर के प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल से लेकर ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री तक अपने अभिनय की गूंज पहुंचाने वाले एक्टर ईशान खट्टर ने अपने करियर का आगाज भले सिनेमा के जीनियस कहलाने वाले अनुराग कश्यप सरीखे फिल्मकार के असिस्टेंट के रूप में किया हो, मगर उनकी मंजिल हमेशा से एक्टिंग ही थी। यही वजह है, चाहे वो माजिद मजीदी की बियॉन्ड द क्लाउड्स रही हो या फिर धड़क, ईशान ने अपना सिक्का जमाया। इंटरनेशनल वेब सीरीज परफेक्ट कपल में भी वे एक अहम रोल में पसंद किए गए।

ईशान खट्टर की शुरुआती फिल्म बियॉन्ड द क्लाउड्स ईरानी फिल्मकार द्वारा निर्देशित थी, जिसे कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना मिली थी। होमबाउंड की विश्व विख्यात ख्याति के साथ-साथ उन्होंने इंटरनेशनल वेब सीरीज में भी लोकप्रियता पाई। ग्लोबल स्टेज पर अपने अपने प्रतिनिधित्व के बारे में वे वे कहते हैं, मैं खुद को बहुत ही खुशकिस्मत मानता हूं। हॉलिवुड के इस शो में मेरी केंद्रीय भूमिका थी। जब मुझे इस शो के ऑडिशन का मौका मिला था, तब अपनी भूमिका को पढ़कर मैं भी बहुत खुश था, क्योंकि आम तौर पर हॉलिवुड में साउथ एशियन एक्टर्स को एक ही तरह की भूमिकाएं देकर टाइपकास्ट कर दिया जाता है साउथ एशियन एक्टर्स के प्रति एक आम नजरिया क्या होता है, मगर जब यह शो आया और इसमें मेरे किरदार को सराहना मिली, तब अहसास हुआ कि री प्रेजेंटेशन कितना जरूरी है।

मैंने और विशाल ने अपनी असुरक्षाएं खोल कर रख दीं

होमबाउंड में ईशान की भूमिका मोहम्मद शोएब अली को देखने के बाद दर्शक स्वयं अपने भीतर टूट-फूट महसूस करने लगता है। अपने मानसिक हाल पर ईशान कहते हैं, कुछ फिल्में फिल्मों से बढ़कर होती हैं। निर्देशक नीरज घेवान ने पहले ही साफ कर दिया था कि हम ये रोल निभाएं नहीं बल्कि उसे जिएं। किरदार को जीने के लिए उसकी तह में जाना जरूरी था और इसके लिए ये समझना भी भी आवश्यक था कि हमारी जिंदगी में आइडेंटिटी का मोल क्या है? जातिगत भेदभाव क्या है? इस किरदार के लिए हमारा एंट्री पॉइंट जुबान थी। जुबान हमारा कल्चर होता है। हमने तीन महीने डायलेक्ट पर काम किया। हमने बाराबंकी के लिए एक ट्रिप ली। हमने वहां गांव के लोगों से मिलकर उनके सुख-दुख जाने। इसमें दोनों दोस्तों शोएब और चंदन (विशाल जेठवा) की दोस्ती केंद्र में है, तो हम एक -दूसरे के सामने वल्नरेबल बने, हमने अपनी असुरक्षाएं खोल कर रख दीं। वो रोल के लिए एक बड़ा हथियार साबित हुआ।

अपनी डायवर्सिटी को खोना नहीं है

फिल्म में ईशान खट्टर का किरदार शोएब जातिगत भेदभाव का शिकार होता है। असल जिंदगी में ईशान गंगा-जमुनी तहजीब से ताल्लुक रखते हैं (उनकी मां नीलिमा अजीम और पिता राजेश खट्टर) हैं, तो क्या कभी निजी जिंदगी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उन्होंने उस डिस्क्रिमिनेशन का सामना किया? इस पर ईशान कहते हैं, मेरे लिए गंगा-जमुनी तहजीब बहुत बड़ी चीज है। मैंने हमेशा इस बात पर बहुत गर्व किया है कि हम डायवर्सिटी से आते हैं। ये हमारे लिए बहुत खूबसूरत चीज है। हमें वो चीज खोनी नहीं चाहिए, क्योंकि वो हमारी ताकत है।

भाई शाहिद कपूर से तुलना किए जाने पर मुझे ऐतराज नहीं

फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने और शाहिद कपूर जैसे स्टार के भाई होने के नाते आरंभिक दिनों में ईशान को तुलना का शिकार होना पड़ता था। तो क्या अब विश्व पटल पर आने के बाद कंपेरिजन बंद हो गया है? इस सवाल पर वे कहते हैं, मैंने इस बात से कभी कोई ऐतराज नहीं किया है। वो मेरे बड़े भाई हैं और मुझसे 15 साल बड़े हैं, मैं उन्हें देख कर बड़ा हुआ हूं और मैंने उन्हीं से प्रेरणा ली है।

मुझे इस बात से कोई आपत्ति नहीं कि हमारी तुलना होती है। वो तो होगी ही. मुझे अपनी सचाई पता है। मैं हमेशा से अपने बलबूते पर काम करना चाहता था। मैं बहुत खुशनसीब हूं, मुझे ऐसे मौके मिले, मैंने मेहनत की और आज मैं जो करना चाहता था, जहां होना चाहता था, अपने दम पर हूं।

भारत/वेस्ट इंडीज दूसरे टेस्ट: वेस्टइंडीज के खिलाफ सूपड़ा साफ करने से भारत 58 रन दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 63/1 रन बनाए हैं और अब जीत से सिर्फ 58 रन दूर है। केएल राहुल 25* और साई सुदर्शन 30* रन बनाकर नाबाद हैं। वेस्ट इंडीज ने भारत को जीत के लिए 121 रन का टारगेट दिया है।

भारत ने अपनी पहली पारी 518/5 घोषित की थी और वेस्ट इंडीज ने पहली पारी में 248 रन बनाए। इसके बाद भारत ने फॉलो-ऑन देते हुए वेस्ट इंडीज को दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए भेजा। वेस्ट इंडीज ने दूसरी पारी में 390 रन बनाए, जिसमें जॉन कैम्पबेल ने 115 और शाई होप ने 103 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया।

जॉन कैम्पबेल और शाई होप ने तीसरे विकेट के लिए 177 रनों की साझेदारी कर भारत की जीत को चुनौती दी। कैम्पबेल का यह टेस्ट करियर का पहला शतक था। शाई होप ने आठ साल बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाया।

भारतीय गेंदबाजों में कुलदीप यादव ने 5 विकेट, जसप्रीत बुमराह ने 3 और मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट लिए। रनचेज में भारतीय टीम की शुरुआत यशस्वी जायसवाल (8 रन) के जल्दी आउट होने से थोड़ी धीमी रही, लेकिन केएल राहुल और साई सुदर्शन ने नाबाद अर्धशतकीय साझेदारी कर भारत को जीत के करीब पहुंचा दिया।

भारत के लिए कुलदीप यादव ने 5 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा को तीन विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जायसवाल (175) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 129) की शतकीय पारियों के दम पर पांच विकेट पर 518 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी थी।

भारत की पहली पारी: जायसवाल और शुभमन का कमाल

पहले दिन भारत के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। सलामी जोड़ी यशस्वी जायसवाल (175) और केएल राहुल (36) ने ठोस शुरुआत दी। इसके बाद साई सुदर्शन (87) ने जायसवाल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 193 रनों की साझेदारी की।

जायसवाल का शतक 145 गेंदों में आया, जबकि शुभमन गिल ने 196 गेंदों पर नाबाद 129 रन की पारी खेलते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

नीतीश रेड्डी (43) और ध्रुव जुरेल (44) ने भी तेज पारी खेली। भारत ने 134.2 ओवर में 518 रन बनाकर पारी घोषित की।

वेस्टइंडीज की पारी: फिरकी में फंसे बल्लेबाज

जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत निराशाजनक रही। ओपनर जॉन कैम्पबेल (10) जल्दी आउट हुए। तेजनारायण चंद्रपॉल (34) और एलिक अथानाज (41) ने थोड़ी देर प्रतिरोध किया, लेकिन जडेजा ने दोनों को चलता किया।

कप्तान रोस्टन चेज बिना खाता खोले आउट हुए। दिन के अंत में शाई होप (31)* और टेविन इमलाच (14)* नाबाद रहे।

भारत की नजर 10वीं सीरीज जीत पर

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली 9 टेस्ट सीरीज में एक भी हार नहीं झेली है। 2002 के बाद से कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है। दिल्ली के इस मैदान पर जडेजा का प्रदर्शन एक बार फिर चर्चा में है – याद दिला दें, 2023 में इसी पिच पर उन्होंने एक पारी में 7 विकेट (7/42) और पूरे मैच में 10 विकेट झटके थे।

जिद ने दिलाया खिताब, कोको गॉफ ने पेगुला को हराकर जीता वुहान ओपन फाइनल

स्पोर्ट्स डेस्क। अमेरिकी स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ (Coco Gauff) ने रविवार को अपने हमवतन जेसिका पेगुला को 6-4, 7-5 से हराकर वुहान ओपन 2025 का खिताब अपने नाम किया। 21 वर्षीय गॉफ ने इस टूर्नामेंट में बिना एक भी सेट गंवाए खिताब जीता और ओपन एरा में ऐसी पहली खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने अपने शुरुआती 9 हार्ड कोर्ट फाइनल लगातार जीते।

गॉफ ने मैच के बाद बताया कि उनकी 'जिद' ने उन्हें जीत दिलाई, 'मेरे कोच चाहते थे कि मैं यूएस ओपन के बाद आराम करूं, लेकिन मैं जिद्दी हूं... और मैंने उन्हें गलत साबित कर दिया।'

कोको ने कहा कि चीन आकर खेलने का उनका फैसला सही साबित हुआ, 'यह एशियन स्विंग शानदार रहा। बीजिंग में सेमीफाइनल तक पहुंची और अब यहां खिताब जीतना वाकई खास है।'

गॉफ और पेगुला कभी डबल्स पार्टनर रह चुकी हैं। इस ऑल-अमेरिकन फाइनल में गॉफ ने कई बार पिछड़ने के बावजूद वापसी की। उन्होंने लगातार 10 अंक जीतकर मुकाबले को अपने नाम किया। पेगुला ने भी गॉफ की तारीफ करते हुए कहा, 'कोको के साथ फाइनल खेलना शानदार अनुभव रहा। वह जबरदस्त फाइटर हैं।'

31 वर्षीय पेगुला ने हाल के हफ्तों में बीजिंग और वुहान दोनों जगह शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि एशियाई टूर की गर्मी और थकान के बावजूद वह उनका सबसे अच्छा फॉर्म रहा है।'

गॉफ ने अब तक अपने करियर का तीसरा WTA 1000 खिताब जीता है और उनकी फॉर्म आने वाले सीजन के लिए इंगित करती है कि वह अभी लंबी दौड़ में हैं।

लगातार दूसरी हार से निराश हरमनप्रीत बोली, हम वापसी करेंगे

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्वकप मैच में 300 से अधिक रन बनाने के बाद भी मिली हार पर निराशा जताई है। हरमनप्रीत ने साथ ही कहा कि केवल दो मैचों में मिली हार से विश्वकप अभियान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इन दोनों ही मैचों में टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा हालांकि उसे जीत नहीं मिल पायी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने 330 रनों का विशाल स्कोर बनाया था पर फिर भी वह उसका बचाव नहीं कर पायी। इस मैच में भारतीय टीम को 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत ने कहा कि दो मैचों की विफलता से कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है और टीम एक बार फिर जीत के साथ वापसी करेगी। हरमनप्रीत कौर ने कहा, हमारी शुरुआत जिस तरह की हुई थी, उससे हम 30 से 40 रन और बना सकते थे पर अंतिम 6 से 7 ओवरों में हमने लगातार विकेट गंवा दिये। बल्लेबाजी के लिए अच्छे विकेट का लाभ नहीं उठा पाने के कारण ऐसा हुआ। सलामी बल्लेबाजों ने काफी अच्छी शुरुआत दी थी पर बीच के ओवरों में हम उसका ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाये हालांकि निचले क्रम का प्रदर्शन अच्छा रहा। हरमनप्रीत ने कहा, अगले कुछ मैच बहुत अहम हैं और इस मैच से कई सकारात्मक बातें सामने आई हैं। हम बैठकर उस पर बात करेंगे। इस संयोजन से हमें पहले भी सफलता मिली है। वहीं भारतीय टीम को पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच भी भारतीय टीम जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयी थी। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने शुरुआती विकेट काफी कम रनों पर गंवा दिये थे पर उसके बाद निचले क्रम ने उसे लक्ष्य तक पहुंचा दिया था।

मोहम्मद सिराज 2025 में टेस्ट क्रिकेट के बादशाह बने, ब्लेसिंग मुजरबानी को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 2025 में टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने यह उपलब्धि वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के चौथे दिन हासिल की, जब उन्होंने शाई होप (103 रन) को आउट किया।

सिराज ने इस साल अब तक आठ टेस्ट मैचों में 37 विकेट झटके हैं। उन्होंने 1,575 गेंदें (262.3 ओवर) फेंकीं, जिनमें 39 मेडन ओवर शामिल रहे। उनका गेंदबाजी औसत 26.91, इकॉनमी रेट 3.79 और स्ट्राइक रेट 42.56 रहा। सिराज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 70 रन देकर 6 विकेट का है। उन्होंने दो बार चार विकेट और दो बार पांच विकेट हासिल किए हैं।

दूसरी ओर, जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी ने नौ मैचों में 36 विकेट लिए हैं। उन्होंने 1,660 गेंदें (276.4 ओवर) फेंकीं और 28.63 की औसत से विकेट झटके। उनका इकॉनमी रेट 3.72 और स्ट्राइक रेट 46.11 रहा, जबकि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर 7 विकेट का था।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन, मेहमान टीम ने 252/3 के स्कोर से दूसरे सत्र की शुरुआत की थी। शाई होप ने सिराज की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया, लेकिन जल्द ही 103 रन पर आउट हो गए। इसके बाद कुलदीप यादव ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके रोस्टन चेज (40) और खैरी पियरे (0)।

विंडीज की टीम 300 रन तक पहुंची, लेकिन जल्द ही वारिकन (3) और फिलिप्स (2) भी आउट हो गए। दिन के अंत में मेहमान टीम 93 ओवर में 311/9 पर संघर्ष कर रही थी, जबकि जस्टिन ग्रीव्स (5*) और जोमेल वारिकन (0*) क्रीज पर टिके रहे। सिराज के शानदार प्रदर्शन ने न केवल भारत को मजबूत स्थिति में ला दिया है, बल्कि उन्हें 2025 का टेस्ट विकेट किंग भी बना दिया है।

जोशना चिनप्पा ने जापान ओपन का खिताब जीता

नई दिल्ली। भारत की चोटी की स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को योकोहामा में जापान ओपन फाइनल में मिस्र की हया अली को चार गेम में हराकर अपना 11वां पीएसए टूर खिताब जीता। विश्व की पूर्व नंबर 10 भारतीय महिला खिलाड़ी ने 15,000 अमेरिकी डॉलर इनामी चैलेंजर प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की खिलाड़ी को 38 मिनट में 11-5, 11-9, 6-11, 11-8 से हराया। इससे पहले विश्व रैंकिंग में 117वें स्थान पर काबिज चिनप्पा ने सेमीफाइनल में मिस्र की चौथी वरीयता प्राप्त राणा इस्माइल को 11-7, 11-1, 11-5 से हराया था। इस बीच मौजूदा पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन और दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह रविवार को रेडवुड सिटी (अमेरिका) में चल रहे 130,500 डॉलर इनामी पीएसए गोल्ड इवेंट सिलिकॉन वैली ओपन के राउंड ऑफ 16 के मैच में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के विक्टर क्रुइन से 4-11, 2-11, 1-11 से हार गए।

पाक गेंदबाज इहसानुल्लाह का दावा, अभिषेक को 3 से 6 गेंदों में ही आउट कर दूंगा

लाहौर। एशिया कप क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोधी टीम के गेंदबाजों की जमकर पिटाई करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पाकिस्तान के एक गेंदबाज ने चुनौती दी है। पाक गेंदबाज इहसानुल्लाह का एक वीडियो आया है। इसमें इस गेंदबाज ने कहा है कि अगर उसे अवसर मिले तो वह 3 से 6 गेंदों में ही अभिषेक को आउट कर सकता है। उसने इसके लिए अपनी योजना भी बतायी है। इहसानुल्लाह को एशिया कप में पाकिस्तान की टीम में जगह नहीं मिली थी। इस गेंदबाज ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रवेश किया है। इस गेंदबाज ने पाक के लिए एक एकदिवसीय और 4 टी20 मुकाबले खेले हैं। वहीं दूसरी ओर अभिषेक ने एशिया कप के सात मैचों में करीब 200 के करीब स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाए हैं। उनके नाम सबसे ज्यादा छक्के का रिकार्ड भी है। वहीं पाक सुपर लीग में 152.65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने के लिए मशहूर हुए इहसानुल्लाह के अनुसार वह अभिषेक का विकेट ले सकते हैं। वायरल वीडियो में इहसानुल्लाह कहते नजर आ रहे हैं, 'अगर मुझे भारत के खिलाफ खेलने का मौका मिला तो मैं अभिषेक का विकेट 3 से 6 गेंदों के बीच ले लूंगा।' साथ ही कहा, 'मेरी 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार उसे 160 जैसी लगेगी। वह उनकी तेजी का अंदाजा नहीं लगा पाएगा। मैं बाएं हाथ के बल्लेबाजों को इनस्विंगर करता हूं, और उसे ऐसी गेंदों से परेशानी होती है। इसीलिए मैं ऐसा कह रहा हूं। मैं बाएं हाथ के बल्लेबाजों के दाएं कंधे पर अपनी बाउंसर फेंकता हूं। जिससे खेलना कठिन हो जाता है।' भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच अगला मुकाबला टी20 विश्वकप 2026 में खेला जाएगा, अब देखना होगा कि इनमें इहसानुल्लाह पाक टीम में जगह मिलती है या नहीं।

हरभजन सिंह को उम्मीद, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विराट कोहली कम से कम इतने शतक लगाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में वापसी पर खुशी जताई और उम्मीद जताई कि 19 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीन मैचों के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान वह कम से कम दो शतक जड़ेंगे। विराट रोहित शर्मा के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर से बाहर होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी करेंगे।

टी20 और टेस्ट मैचों से पहले ही संन्यास ले चुके विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी किसी उत्सव से कम नहीं लग रही है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में, जहां उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। शुभमन गिल के नए वनडे कप्तान बनने और अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और तिलक वर्मा जैसी कई नई प्रतिभाओं के साथ उन्हें 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप की दौड़ में बने रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि टूर्नामेंट से पहले उनकी उम्र क्रमशः 39 और 40 वर्ष होगी।

हरभजन ने कहा कि विराट उन खिलाड़ियों में से एक हैं जो बड़े मौकों पर शानदार प्रदर्शन करते हैं और यही बात उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। उन्होंने कहा, 'वह बड़े मौकों और दबाव वाले मैचों का इंतजार करता है और तभी वह दिखाता है कि वह चैंपियन क्यों है। जब आप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तभी आप सम्मान अर्जित करते हैं और उसने वह सम्मान अर्जित किया है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाने और टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के बाद। यही वो चुनौतियां हैं जिनका वह बेसब्री से इंतजार करता है। ऑस्ट्रेलिया उसका पसंदीदा शिकारगाह है और अब वह आईपीएल के बाद वापसी कर रहा है। मैं उसे उन तीन वनडे मैचों में बल्लेबाजी करते देखने के लिए उत्सुक हूं और उम्मीद है कि उन तीन में से वह भारत के लिए कम से कम दो शतक लगाएगा।'

हरभजन ने विराट को फिटनेस गुरु भी कहा और आग्रह किया कि इस स्टार बल्लेबाज की फिटनेस को लेकर कोई सवाल या चिंता न उठाई जाए। उन्होंने आगे कहा, 'वह फिट है, शायद उनके साथ खेलने वाले कई खिलाड़ियों से ज्यादा फिट। आज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वह यकीनन सबसे फिट खिलाड़ी हैं। अब मैं विराट को फिर से खेलते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं। प्रशंसकों ने उन्हें देखना मिस किया है, और निजी तौर पर मैं उन्हें कुछ और समय तक वनडे इंटरनेशनल फॉर्मेट में खेलते देखना पसंद करूंगा क्योंकि उनमें अभी भी बहुत कुछ है। जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया, तो मुझे सचमुच लगा कि उनमें अभी भी 4-5 साल बाकी हैं, न सिर्फ खेलने के लिए बल्कि दबदबा बनाने के लिए भी, क्योंकि वह उस तरह के बल्लेबाज हैं।'

इस स्पिनर ने विश्वास जताया कि विराट ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर अपनी -दमदार- दिखाएंगे। उन्होंने कहा, 'हमने उन्हें पहले भी उन परिस्थितियों में ढेरों रन बनाते देखा है, और मुझे विश्वास है कि वह फिर से ऐसा करेंगे। रोहित के लिए भी यही बात लागू होती है, मैं इन दोनों दिग्गजों को भारत के लिए बड़े स्कोर बनाते और टीम को मैच जिताने में मदद करते देखने के लिए उत्सुक हूं।'

विराट का रिकॉर्ड

विराट वनडे में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 302 मैचों और 290 पारियों में 57.88 की औसत और 93 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 14,181 रन बनाए हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183 है। इस साल सात वनडे मैचों में, इस सुपरस्टार ने सात पारियों में 45.83 की औसत से 275 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 100* है।

विराट का ऑस्ट्रेलियाई खेल परिस्थितियों से भी पुराना नाता है। उन्होंने 29 वनडे मैचों में 51.03 की औसत और 89 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,327 रन बनाए हैं, जिसमें 29 पारियों में 5 शतक और 6 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 133* है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी आखिरी पांच पारियां 54, 56, 85, 54 और 84 हैं। ऑस्ट्रेलिया में उनकी आखिरी पांच पारियां 104, 46, 21, 89 और 63 हैं।

डेनमार्क ओपन में लक्ष्य सेन, चिराग-सात्विक की जोड़ी करेगी भारतीय चुनौती की अगुवाई

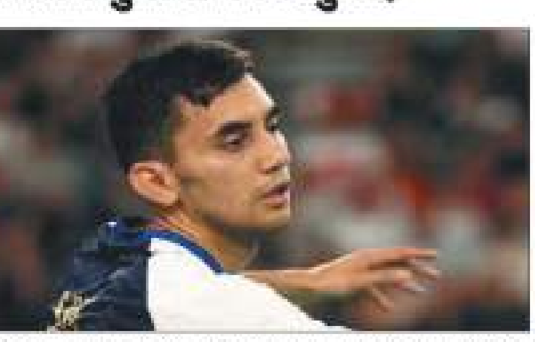

नई दिल्ली। लक्ष्य सेन और देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी मंगलवार से शुरू हो रहे डेनमार्क ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। लक्ष्य सेन ने पिछले साल पेरिस 2024 में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उसके बाद से वह सीजन अब तक 10 बार पहले दौर से बाहर हो चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले महीने हांगकांग ओपन में रहा, जहां वे उपविजेता रहे। पुरुष एकल वर्ग में सेन के साथ आयुष शेट्टी भी होंगे। इस साल की शुरुआत में आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन 2025 में पुरुष एकल स्पर्धा का खिताब जीता था। पुरुष युगल ड्रॉ में छठी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी पिछले महीने हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में लगातार उपविजेता रहने के बाद अपने हालिया प्रदर्शन को और बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगे। साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय ड्रॉ में शामिल अन्य भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हैं। अनमोल खरब महिला एकल वर्ग में भारत की एकमात्र खिलाड़ी हैं और पिछले हफ्ते आर्कटिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ होगा। मिश्रित युगल में भारत की चुनौती का नेतृत्व ओलंपियन तनिषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला करेंगे। महिला युगल में भारत के लिए कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी और रुतपर्णा पांडा-श्वेतापर्णा पांडा की जोड़ी मैदान में उतरेंगी।

इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है, अपने पहले टेस्ट शतक के बाद बोले कैंपबेल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल सोमवार को यहां अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद भावुक हो गए और कहा कि समझदारी से शॉट चयन करना उनके लिए कारगर रहा। फॉलोऑन खेलने के बाद कैंपबेल (155 रन, 199 गेंद में) और शाई होप (103 रन, 214 गेंद में) ने तीसरे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी की जिससे वेस्टइंडीज ने शानदार वापसी करते हुए मैच को पांचवें दिन तक खिंचने में सफल रहे। कैंपबेल ने कहा, 'इस पारी में मेरा शॉट चयन काफी सधा हुआ था। मुझे स्वीप खेलने में हमेशा से मजा आता है। शुक्र है, यह मेरे लिए कारगर रहा।' वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में 390 रन बनाये और भारत को 121 रनों का लक्ष्य दिया। स्टंप्स के समय भारत 2-0 की क्लीन स्वीप से 58 रन दूर था। कैम्पबेल इस तरह 23 साल बाद भारत में टेस्ट शतक बनाने वाले वेस्टइंडीज के पहले सलामी बल्लेबाज बन गये। उनसे पहले वेवेल हाइंड्स ने 2002 में ईडन गार्डन्स में शतक बनाया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने रविंद्र जडेजा की गेंद पर लांग ऑन पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने छक्का लगाकर शतक पूरा करने के बारे में पूछ जाने पर कहा, 'इस गेंद से पहले मैंने देखा कि जडेजा मिड-ऑन के क्षेत्ररक्षक को करीब बुला रहे हैं। ऐसे में मैंने क्षेत्ररक्षक के ऊपर से शॉट खेलने का मन बनाया।' उन्होंने कहा, 'मैं दूसरी पारी में टीम के लिए योगदान देखकर खुश हूं।'

पाकिस्तान की हॉकी खिलाड़ियों को सलाह, भारतीय खिलाड़ियों के साथ टकराव से बचें

लाहौर। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (PHF) ने अपनी राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को सलाह दी है कि वे मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह के टकराव से बचें और मंगलवार को मलेशिया के जोहर बाहरू में सुल्तान जोहोर कप मैच के दौरान सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें। पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में संपन्न एशिया कप के मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था, जिसमें फाइनल भी शामिल था। इससे विवाद पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) में विरोध दर्ज कराया था। पूरी संभावना है कि भारतीय जूनियर हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच में अपनी क्रिकेट टीम की तरह ही रवैया अपनाएगी। पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों से कहा गया है कि अगर भारतीय खिलाड़ी मैच से पहले या बाद में हाथ नहीं मिलाते हैं तो उन्हें अनदेखा कर देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। उन्हें खेल के दौरान किसी भी तरह के भावनात्मक टकराव से बचने के लिए भी कहा गया है।' पाकिस्तान ने अगस्त में बिहार के राजगीर में आयोजित पुरुष एशिया कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजी थी। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों से कहा है कि वे सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें।

विराट के बाद बाबर? टेस्ट क्रिकेट से बाहर होने की कगार पर पाकिस्तानी स्टार, पूर्व कप्तान ने उठाए सवाल

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम एक बार फिर आलोचनाओं के घेरे में हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में 43 गेंदों पर सिर्फ 23 रन बनाने के बाद पूर्व कप्तान पर सवाल उठने लगे हैं। तीन साल से घरेलू मैदान पर अर्धशतक न बनाने वाले बाबर की फॉर्म को लेकर अब यह चर्चा तेज है कि क्या वह भी विराट कोहली की तरह टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की राह पर हैं।

सलमान बट का तंज- 'बाबर घरेलू क्रिकेट से ऊपर नहीं हैं'

पूर्व पाकिस्तानी कप्तान सलमान बट ने अपने यूट्यूब चैनल पर बाबर आजम की आलोचना करते हुए कहा कि खराब फॉर्म के बावजूद उन्होंने घरेलू लाल गेंद क्रिकेट खेलने से परहेज किया, जो उनकी गिरती फॉर्म की बड़ी वजह है। बट ने कहा, 'बाबर प्रथम श्रेणी मैच भी नहीं खेलना चाहता। यह बेरुखी साफ दिखाई दी। जो खिलाड़ी खेले, उन्होंने रन बनाए तो बाबर क्यों नहीं खेला? पहले ओवर में ही वह बहुत कमजोर लग रहे थे। हां, वह बड़ा खिलाड़ी है, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता आपको घरेलू क्रिकेट खेलना ही होगा। आप इससे ऊपर नहीं हैं।'

34 महीने से अर्धशतक का सूखा

बाबर आजम का आखिरी टेस्ट शतक और अर्धशतक 2022 में आया था। तब से अब तक, उन्होंने 2024 में सिर्फ एक और 2025 में दो अर्धशतक लगाए हैं। लगातार नाकामी के चलते उनकी टीम में जगह पर भी सवाल उठ रहे हैं।

कोहली से तुलना- क्या बाबर भी वही रास्ता अपनाएंगे?

सलमान बट की टिप्पणी के बाद कई फैंस और विश्लेषक बाबर की तुलना विराट कोहली से करने लगे हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार असफलता के बाद जनवरी 2025 में टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेकर सबको चौंका दिया था। दिलचस्प बात यह है कि कोहली ने अपने रिटायरमेंट से ठीक पहले दिल्ली के लिए एक घरेलू मैच खेला था जो बाबर नहीं कर रहे।

क्या बाबर का टेस्ट करियर भी ढलान पर है?

बाबर की फॉर्म और रवैये पर उठ रहे सवालों ने यह चर्चा तेज कर दी है कि क्या पाकिस्तान चयन समिति जल्द ही उन्हें टेस्ट टीम से बाहर कर सकती है। उनके प्रदर्शन में लगातार गिरावट और घरेलू क्रिकेट से दूरी यह संकेत देती है कि बाबर का टेस्ट करियर अब निर्णायक मोड़ पर है।

संक्षिप्त समाचार

अब लेबनान पर टूटा इजरायल का कहर, गाजा में शांति के बीच नेतन्याहू का ऐक्शन

येरूसलम, एजेंसी। हमास और इजरायल के बीच पिछले दो सालों से गाजा में अब शांति की ओर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। इजरायली सेना भी पीछे की तरफ जाने लगी है। लेकिन इसी बीच नेतन्याहू के देश ने अपने एक और पड़ोसी लेबनान पर बमबारी कर दी है। आईडीएफ ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने दक्षिणी लेबनान के आयता अश-शब हिज्बुल्लाह के एक हथियार अड्डे को ध्वस्त कर दिया है इजरायली समाचार एजेंसी जेएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली सेना ने खुफिया जानकारी मिली थी कि हिज्बुल्लाह यहां पर हथियारों का जखीरा तैयार कर रहा है। इसके आधार पर इजरायली सैनिकों ने घटनास्थल की तलाशी ली और ढांचे को ध्वस्त कर दिया, वहां मिले हथियारों को भी जब्त कर लिया। इस हमले को सही साबित करते हुए इजरायली सेना ने लेबनान के ऊपर 27 सितंबर 2024 को युद्धविराम समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया। आईडीएफ के मुताबिक इस इमारत के भीतर हिज्बुल्लाह जिस तरीके से हथियारों का इकट्ठा करके और अन्य गतिविधियां कर रहा था वह साफ तौर पर समझौते का उल्लंघन है। गौरतलब है कि 18 फरवरी को युद्धविराम की समय सीमा समाप्त होने के बाद से ही लेबनान और इजरायल के बीच में तनाव बना हुआ है। मंगलवार को भी आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान के टायर जिले में हमला बोल दिया था। इसमें हिज्बुल्लाह का बड़ा नेता महमूद अली इस्सा मारा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस्सा स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर हिज्बुल्लाह के वित्तीय और सैन्य प्रबंधन की देख-रेख करता था।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव

काबुल, एजेंसी। एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि तालिबान नेतृत्व वाली अफगान सेना ने पाकिस्तान की कई चौकियों पर कब्जा कर लिया है जो डूरंड लाइन के पास कुनर और हेलमंद प्रांतों में स्थित हैं। अफगान टोलो चैनल के सूत्रों के मुताबिक, इन झड़पों में कम से कम 12 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और दो घायल हुए हैं। भारी गोलाबारी बहरामचा जिले के शकीज, बीबी जानी और सालेहान इलाकों में जारी है। यह लड़ाई पकिया प्रांत के आर्यूब जाजी जिले तक फैल चुकी है। अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि कई पोस्ट पर कब्जा कर लिया गया है। अफगान रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, तालिबान बलों ने कुनर और हेलमंद प्रांतों में डूरंड लाइन के पार स्थित पाकिस्तानी सेना की कई चौकियों पर कब्जा कर लिया है। लड़ाई अभी भी शकीज, बीबी जानी और सालेहान क्षेत्रों में जारी है। यह झड़पें उस घटना के कुछ दिन बाद हुई हैं जब पाकिस्तान ने कथित तौर पर काबुल के पास हवाई हमला किया था। अफगानिस्तान की 201 खालिद बिन वालिद आर्मी कोर ने इसे प्रतिशोध की कार्रवाई को उकसाने वाला कदम बताया था और कहा था कि इसके जवाब में पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर नंगरहार और कुनर में हमले किए गए। इस्लामाबाद ने अब तक इस कथित हवाई हमले की न तो पुष्टि की है, न ही खंडन किया है। पाकिस्तानी सेना ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन सुरक्षा सूत्रों ने कम से कम पांच स्थानों पर संघर्ष की पुष्टि की है और कहा है कि उनकी सेनाएं जवाबी कार्रवाई कर रही हैं। बताया कि झड़पें अब पकिया के आर्यूब जाजी जिले से आगे बढ़कर स्पिना शागा, गीवी, मनी जब्बा और आस-पास के इलाकों तक फैल चुकी हैं। अफगान रक्षा मंत्रालय का दावा है कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और उपकरणों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है और कुनर व हेलमंद में एक-एक चौकी पूरी तरह नष्ट कर दी गई है।

ट्रंप के लगाए 100 प्रतिशत टैरिफ पर भड़का चीन, कहा- यह US का यह दोहरा मापदंड

बीजिंग/वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका द्वारा चीन पर अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद बीजिंग ने रविवार को वॉशिंगटन पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बिना नाम बताए कहा, अमेरिकी बयान तथाकथित दोहरे मानदंडों का एक उदाहरण है। यह प्रतिक्रिया तब आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को चीन से आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। यह कदम दोनों देशों के बीच पहले से जारी व्यापार तनाव को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है। ट्रंप ने अपने बयान में कहा था कि यह कदम चीन द्वारा दुर्लभ पृथ्वी तत्वों पर लगाए गए नए निर्यात प्रतिबंधों के जवाब में उठाया गया है। इनका का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्टफोन और रक्षा उपकरणों में किया जाता है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, इन कार्रवाइयों ने चीन के हितों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है और दोनों पक्षों के बीच आर्थिक एवं व्यापारिक वार्ता के माहौल को गंभीर रूप से कमजोर किया है। हर मोड़ पर उच्च शुल्क लगाने की धमकी देना चीन के साथ बातचीत का सही तरीका नहीं है। चीन की ओर से आई इस प्रतिक्रिया में कहा गया कि अमेरिका एक ओर वैश्विक व्यापार में मुक्तता की बात करता है, जबकि दूसरी ओर खुद संरक्षणवादी नीतियों को लागू करता है।

पाकिस्तान में टीएलपी वालों ने काटा भारी बवाल; मुरीदके में डाला डेरा, हिंसा के बाच इस्लामाबाद जाने पर अड़े

इस्लामाबाद, एजेंसी। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान के समर्थकों ने पंजाब के शेखुपुरा में रातोंरात कैंप बना लिए हैं। ये लोग फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए राजधानी इस्लामाबाद पहुंचना चाहते हैं। इससे पहले दिन में, टीएलपी कार्यकर्ताओं के इस्लामाबाद की ओर मार्च शुरू करने के बाद पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। लाहौर में पुलिस के साथ हिंसक झड़पें हुई और अधिकारियों ने राजधानी में सड़कों पर आवाजाही को रोक दिया। इंटरनेट सर्विस पर भी पाबंदी लगा दी गई।

टीएलपी की ओर से गाजा मार्च लाहौर में मुल्तान रोड पर पार्टी मुख्यालय से जुमे की नमाज के बाद शुरू हुआ। टीएलपी प्रमुख साद रिजवी के नेतृत्व में इस जुलूस में हजारों समर्थकों ने हिस्सा लिया, जो धार्मिक नारे लगा रहे थे। इनमें से कई के पास लाठियां, छड़ें और ईंटें थीं। पुलिस ने यतीम खाना चौक, चौबुर्जी, आजादी चौक और शाहदरा जैसे प्रमुख चौराहों पर बैरिकेड्स लगाए थे। आंसू गैस का इस्तेमाल करके रैली को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़ दिए और इस्लामाबाद की ओर बढ़ते रहे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ टीएलपी समर्थकों ने ऑरेंज लाइन मेट्रो ट्रैक पर कब्जा कर लिया। उन्होंने सुरक्षा बलों पर पथराव किया, जिससे कई पुलिस अधिकारी घायल हो गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में प्रदर्शनकारी लाहौर वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी और पंजाब पुलिस की क्रेन जैसे सरकारी वाहनों को अपने कब्जे में लेते नजर आ रहे हैं। लाहौर के आजादी चौक के पास झड़पें तेज हो गईं, जहां कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हुए और कई अधिकारी घायल हो गए। वीडियो में सुरक्षा कर्मियों को आंसू गैस छोड़ते और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोलीबारी करते देखा गया। कुछ अधिकारी सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। लाहौर पुलिस ने बताया कि दर्जनों अधिकारी घायल हुए हैं। टीएलपी का दावा है कि उनके कई कार्यकर्ता घायल हो गए।

बांधों में पल रही जल प्रलय ! दुनिया की 60 फीसदी नदियां हो गईं डाइवर्ट

लंदन, एजेंसी।
ज्यादा से ज्यादा एनर्जी की जरूरत और इंसानों की महत्वाकांक्षा के चलते दुनिया को प्रलय के मुंह में धकेलने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। एक हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दुनियाभर की 60 फीसदी नदियों को या तो डाइवर्ट कर दिया गया है या फिर बांधों में कैद कर दिया गया है। इससे प्राकृतिक बहाव प्रभावित हुआ है जो कि बड़े संकट को जन्म दे रहा है। यहां तक कि नदियों का बहाव रुकने से मछली और अन्य जलीय जीवों की प्रजातियां लुप्त हो रही हैं और आने वाले समय में बड़ी खाद्य समस्या भी पैदा हो सकती है।

ग्लोबल लैंड आउटलुक की रिपोर्ट के मुताबिक इंसानों ने पृथ्वी की एक तिहाई जमीन को बदलकर रख दिया है। इससे जैव विविधता पर असर पड़ रहा है। यूनाइटेड नेशन्स कन्वेंशन टु कॉम्बैट डिजर्टिफिकेशन और कंजरवेशन ऑफ माइग्रेटरी स्पीसिज ऑफ वाइल्ड एनिमिल्स की तरफ से पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि नदी, जंगल और जमीन का पूरा नेटवर्क डिस्टर्ब हो गया है। ऐसे में पूरा प्राकृतिक तंत्र प्रभावित हो गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया की 60 फीसदी नदियों के साथ छेड़छाड़ हुई है। उदाहरण के तौर पर एशिया का मेकॉन्ग कभी मछलियों के लिए बहुत ही अनुकूल जगह हुआ करती थी जो कि अब बांधों की वजह से प्रभावित हो गई है। मछलियों का माइग्रेशन रुक गया है और लाखों लोगों के सामने खाने की समस्या पैदा हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नदियों के अलावा रेलवे और सड़कें भी इकोसिस्टम को बुरी तरह प्रभावित कर रही हैं। 2050 तक सड़कों का जाल 60 फीसदी और बढ़ जाएगा। इससे इकोसिस्टम पर दबाव बढ़ेगा। मानव गतिविधियों से मिट्टी की पकड़ ढीली हो जाती है और फिर बाढ़, सूखे दोनों की समस्या बढ़ती है। धरती का 40 फीसदी हिस्सा मानव गतिविधियों की वजह से खतरे में आ गया है और इससे आधी आबादी पर संकट मंडरा रहा है। UNCCD के एग्जिक्यूटिव सेक्रेटरी यास्मिन फोआद ने कहा, धरती और जल तंत्र के आपसी स्वस्थ्य समन्वय से ही धरती पर जीवन संभव है। अगर हम इसे प्रभावित करते हैं तो सबसे पहले खतरा भी हम पर ही आएगा। ऐसे में इकोसिस्टम को रीस्टोर करना जरूरी है। दुनियाभर में बांधों को लेकर बड़े सवाल उठ रहे हैं। बांध में इतना पानी जमा होता है कि अगर वह टूट जाए तो बड़ा इलाका जलमग्न हो सकता है। देश के कई बांध इस समय जर्जर हो रहे हैं। जाहिर सी बात है कि मानव द्वारा विकसित की गई किसी भी संरचना की एक निश्चित आयु होती है और इसके बाद इसे ध्वस्त होना ही है।

बांग्लादेश की सेना ने अधिकारियों को हिरासत में लिया

शेख हसीना समेत 30 आरोपितों के खिलाफ किए गए थे वारंट जारी

ढाका , एजेंसी।
बांग्लादेश की सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों में कथित संलिप्तता के मामलों में सेवारत और सेवानिवृत्त 15 सैन्य अधिकारियों को हिरासत में लिया है। हसीना को अगस्त, 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के बाद सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। बहरहाल, सेना की यह कार्रवाई बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) द्वारा 30 आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने के तीन दिन बाद हुई है। न्यायाधिकरण हसीना सरकार और उनकी अब प्रतिबंधित अवामी लीग पार्टी से जुड़े पूर्व वरिष्ठ नेताओं पर मुकदमा चला रहा है।

हिरासत में लिए गए सैन्य अधिकारी

मेजर जनरल मोहम्मद हकीमुज्जमां ने कहा कि मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोपित 15 पूर्व और वर्तमान सैन्य अधिकारियों को हिरासत में ले लिया गया है। सेना वर्तमान कानूनी प्रक्रिया का पूरा समर्थन करेगी। इससे पहले, आठ अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने अवामी लीग शासन के दौरान जबरन गुमशुदगी के जरिए मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित दो अलग-अलग मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत 30 आरोपितों के खिलाफ वारंट जारी किए थे।

न्यायाधिकरण ने क्या दिया आदेश?

न्यायाधिकरण ने आदेश दिया कि आरोपितों को 22 अक्टूबर तक गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया जाए। न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मजूमदार की अध्यक्षता वाले न्यायाधिकरण की तीन सदस्यीय पीठ ने बुधवार को यह आदेश पारित किया। हसीना के अलावा, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान, पूर्व प्रधानमंत्री के रक्षा सलाहकार रहे सेवानिवृत्त मेजर जनरल तारिक अहमद सिद्दीकी और पूर्व पुलिस प्रमुख बेनजीर अहमद के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे। शेष अभियुक्तों में से 27 पूर्व या सेवारत सैन्य अधिकारी हैं।

समिट में हिस्सा लेने पहुंचे कतर के 3 राजनायिकों की कार हादसे में मौत

इजरायल, एजेंसी: 2 साल की लड़ाई के बाद इजरायल और हमास के बीच शांति समझौता होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, इस सीजफायर में एक के बाद एक लगातार कई अड़चनें भी आ रही हैं। हाल ही में सीजफायर समिट में हिस्सा लेने के लिए जा रहे कतर के तीन राजनयिकों की कार हादसे में दर्दनाक मौत हो गई है और 2 राजनयिक गंभीर रूप से घायल हैं।

मिस्त्र के शहर शर्म अल-शेख में इजरायल और हमास का सीजफायर समिट आयोजित किया गया है। शर्म अल-शेख के रेड सी रिजॉर्ट में यह बैठक होगी। मगर, रिजॉर्ट पहुंचने से महज 50 किलोमीटर की दूरी पर कतर के अधिकारियों का काफिला अचानक पलट गया।

3 की मौत और 2 अधिकारी घायल

हादसे का शिकार हुई कार में कतरी प्रोटोकॉल टीम के राजनयिक मौजूद थे, तो इजरायल और हमास के बीच होने वाली सीजफायर पर हाई लेवल बैठक के लिए मिस्त्र पहुंचे थे। कार में 5 राजनयिक सवार थे, जिनमें से 3 की मौके पर ही मौत हो गई और 2 लोग घायल हैं।

बता दें कि इजरायल और हमास की सीजफायर में कई देश मध्यस्थता कर रहे हैं। इस लिस्ट में मिस्त्र, कतर, अमेरिका और तुर्किए का नाम शामिल है। इस बैठक को शर्म अल-शेख शांति सम्मेलन का नाम दिया गया है। वहीं, मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

20 देशों के नेता लेंगे हिस्सा

इस बैठक में 20 देशों के दिग्गज नेता हिस्सा लेंगे। मिस्त्र के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस समेत दुनिया भर के 2 दर्जन से अधिक नेता इस बैठक में शामिल हो सकते हैं।

अमेरिका के टेनेसी में विस्फोट के बाद संयंत्र में कोई भी नहीं बचा जिंदा: शेरिफ

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी राज्य में एक गोला-बारूद संयंत्र में भीषण विस्फोट हुआ, जिससे संयंत्र पूरी तरह से नष्ट हो गया। हम्फ्रीज काउंटी के शेरिफ के अनुसार, विस्फोट के बाद कोई भी जीवित नहीं बचा है। विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है, और अधिकारियों ने स्पष्टता आने में समय लगने की बात कही है। विस्फोट का मलबा दूर-दूर तक फैल गया। डिजिटल डेस्क, नई दिल्ली। अमेरिका के टेनेसी के गोला-बारूद संयंत्र में शुक्रवार तड़के हुए शक्तिशाली विस्फोट में संयंत्र ध्वस्त हो गया तथा इसका प्रभाव मीलों तक महसूस किया गया। एपी ने हम्फ्रीज काउंटी शेरिफ क्रिस डेविस के हवाले से शनिवार को बताया कि इस विस्फोट में बाद संयंत्र में कोई भी जीवित नहीं बचा।

रूस की जब्त संपत्ति बेचकर यूक्रेन को देंगे हथियार, यूरोपीय देशों ने जताई सहमति

पेरिस , एजेंसी यूक्रेन की राजधानी कीव में शुक्रवार को रूस के हवाई हमले में जिन आठ लाख उपभोक्ताओं के घरों की बिजली आपूर्ति भंग हो गई थी, उसे शनिवार को सुचारु कर लिया गया। शहर में पानी और गैस की आपूर्ति भी शुरू हो गई। इस बीच रूस की जब्त की गई अरबों डालर की संपति बेचकर उससे मिलने वाले धन से यूक्रेन को युद्ध के लिए हथियार देने पर यूरोपीय देश सहमत हो गए हैं। वैसे यूरोप की इस योजना पर रूस कड़ा विरोध जता चुका है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने संयुक्त बयान में रूस की जब्त संपत्ति से यूक्रेन की सैन्य जरूरतें पूरी करने पर सहमति जताई है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह कार्य अमेरिका के सहयोग से किया जाएगा। यह रूसी संपति 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के दंड स्वरूप जब्त की गई थी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026–27 के लिए यूक्रेन को हथियारों और अन्य सैन्य खर्चों के लिए 153 अरब डालर की जरूरत होगी जबकि फरवरी 2022 से अभी तक के युद्ध में यूरोपीय संघ के देश यूक्रेन को 202 अरब डॉलर की सैन्य सहायता दे चुके हैं। यूक्रेन की सबसे बड़ी एनर्जी कंपनी डीटेक ने कहा है कि कीव के लगभग सभी इलाकों की बिजली आपूर्ति सुचारु हो गई है।

जो बाइडेन की कैंसर से जंग: पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति करवा रहे रेडिएशन और हार्मोन थेरेपी, मई में हुई थी गंभीर बीमारी की पहचान

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन इस समय प्रोस्टेट कैंसर के इलाज से गुजर रहे हैं। उनके प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि बाइडेन की हालत के लिए रेडिएशन और हार्मोन ट्रीटमेंट चल रहा है। यह कैंसर मई 2025 में सामने आया था, जब डॉक्टरों ने जांच में पाया कि बाइडेन के प्रोस्टेट में मौजूद गांठ अब हड्डियों तक फैल चुकी है, यानी यह एडवांस स्टेज का कैंसर है। बाइडेन ने मई में अपनी बीमारी की जानकारी साझा करते हुए कहा था –कैंसर हम सभी को किसी न किसी रूप में प्रभावित करता है। जिल (पत्नी) और मैंने भी सीखा है कि हम अपनी सबसे कमजोर जगहों पर ही सबसे मजबूत बनते हैं। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा था, आप सभी के प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। यह बाइडेन के लिए बेहद भावनात्मक वक्त था, क्योंकि उनके बेटे ब्यू बाइडेन की 2015 में कैंसर से मौत हो चुकी है। 82 वर्षीय जो बाइडेन की सेहत लंबे समय से अमेरिकी राजनीति में चर्चा का विषय रही है। 2024 में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ हुए राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान उनकी कमजोर बहस प्रदर्शन के बाद उनकी तबीयत को लेकर कई रिपोर्ट्स सामने आईं। जुलाई 2024 में बाइडेन ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली और कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद के लिए समर्थन दिया। हालांकि, बाद में ट्रंप ने चुनाव जीतकर जनवरी 2025 में अपना दूसरा कार्यकाल शुरू किया। बाइडेन की टीम ने बताया कि उनका इलाज वाशिंगटन डी.सी. के एक प्राइवेट कैंसर सेंटर में चल रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, हार्मोन थेरेपी से शरीर में टेस्टोस्टेरोन का स्तर घटाया जाता है, जिससे कैंसर की गति धीमी होती है। वहीं रेडिएशन ट्यूमर को छोटा करने और दर्द कम करने में मदद करता है। हालांकि, यह कैंसर को पूरी तरह खत्म नहीं करता। पुरुषों में सबसे ज्यादा पाए जाने वाले कैंसर में से एक है। करीब 80व पुरुष, जिनकी उम्र 80 साल से अधिक होती है, उनके प्रोस्टेट में कैंसर कोशिकाएं पाई जाती हैं। अगर समय पर इलाज न मिले तो यह कैंसर फेफड़ों और हड्डियों तक फैल सकता है। शुरुआती चरण में पहचान हो जाए तो यह काफी हद तक ठीक हो सकता है, लेकिन उन्नत अवस्था में यह पुरुषों में कैंसर से मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण बन जाता है।

अल-फाशर में तीन दिनों से हमला, 53 नागरिकों की मौत

यूएन ने मानवता को खतरे में बताया

काहिरा, एजेंसी।
सूडान के पश्चिमी हिस्से में अल-फाशर कैम्प और आसपास के इलाकों में इस सप्ताह तीन दिनों में हुए संघर्षों में कम से कम 53 नागरिक मारे गए और 60 से अधिक घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने यह जानकारी दी और चेतावनी दी कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

टर्क ने बताया कि पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्स द्वारा अबु शौक और दाराजा औला इलाकों में किए गए ड्रोन और तोपखाने के हमलों में 46 लोग मारे गए। इनमें से दर्जनों लोग एल-फाशर के एकमात्र कामकाजी अस्पताल पर हुए शेलिंग में मारे गए। शेलिंग के दौरान पास की मस्जिद भी निशाना बनी, जहां लोग शरण लिए हुए थे।

रैपिड सपोर्ट फोर्स की जमीनी कार्रवाई के दौरान कम से कम सात लोगों की जातिगत हत्या की गई। आरएसएफ और सूडानी सेना पर कथित युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध का आरोप लगा है और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जांच चल रही है। टर्क ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बार-बार अपील करने के बावजूद, उनके खिलाफ हमले जारी हैं। यह युद्ध कानून का उल्लंघन है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। उन्होंने यूएन सदस्य देशों से तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया।

सूडान में 2023 से आरएसएफ और सेना के बीच संघर्ष जारी है। दारफुर क्षेत्र इस लड़ाई का मुख्य केंद्र रहा है। युद्ध में अब तक 40,000 से अधिक लोगों की मौत हुई है, 14 मिलियन लोग विस्थापित हुए हैं और कई हिस्सों में, विशेषकर दारफुर में, अकाल की घोषणा की गई है। एल-फाशर, उत्तर दारफुर की राजधानी, पिछले एक साल से घेराबंदी में है। यूएन और अन्य सहायता समूहों का कहना है कि शहर में 2.6 लाख नागरिक फंसे हुए हैं। सैकड़ों हजार लोग पास के तविला शरण शिविरों में आ गए हैं। यूएन की ह्यूमेनिटेरियन कोऑर्डिनेटर डेनिस ब्राउन ने कहा तविला एक मानवीय संकट का मुख्य केंद्र बन चुका है। यहां करीब 6 लाख आंतरिक रूप से विस्थापित लोग हैं, जो ज्यादातर एल-फाशर से भागे हैं।

मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके में लगी भीषण आग, कई दुकानें जलकर हुई खाक

मुंबई। एजेंसी)। मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, लेकिन शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। इससे ठीक एक दिन पहले यानी रविवार को भी मुंबई के खारघर में आग लगने की घटना सामने आ चुकी है। रविवार को नवी मुंबई के खारघर इलाके में एक रिहायशी इमारत में आग लग गई थी। रैपिड एक्शन फोर्स ने तीन महिलाओं समेत 7 लोगों को बचाया। 19 मंजिला इमारत, टाइसिटी सिम्फनी में रविवार दोपहर करीब 12:50 बजे आग लग गई। बचाव दल ने 17वीं और 18वीं मंजिल से लोगों को बाहर निकाला। अधिकारियों ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उनका इलाज जारी है। मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात भीषण आग ने देखते ही देखते कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और आसपास के इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर बैरिकेडिंग की गई है। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है जिसमें दिखाई दे रहा है कि दुकानों में भीषण आग लगी है और ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही। आग लगते ही इलाके में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई।

जयपुर-अजमेर हाईवे पर एंबुलेंस की ट्रक से टक्कर... दो लोगों की मौके पर मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में जयपुर-अजमेर हाईवे पर तेज रफ्तार एंबुलेंस, सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। एंबुलेंस में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हुई, जबकि 3 लोग घायल हैं। रोड पर पाम ऑयल गिरा हुआ था। इससे पहिया फिसलने के बाद एंबुलेंस अनियंत्रित हो गई थी। हादसा बगरू इलाके के छीतरोली स्टैंड के पास रात करीब ढाई बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि छीतरोली स्टैंड पर पाम ऑयल का टैंकर खड़ा था। पीछे से आए डंपर ने एंबुलेंस को टक्कर मार दी। पाम ऑयल सड़क पर फैल गया। टक्कर में डंपर के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। टक्कर के बाद टैंकर से पाम ऑयल का रिसाव होने लगा और वह हाईवे पर फैल गया। तभी किशनगढ़ की ओर से आ रही एम्बुलेंस पाम ऑयल पर आकर अनियंत्रित हो गई। हाईवे किनारे खड़े ट्रक में सामने से एंबुलेंस घुस गई। एंबुलेंस सतीश धामनी (31) चला रहा था। इसके अलावा एंबुलेंस में 4 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि घायलों को बगरू सीएचसी ले गए थे। इसके बाद दो घायलों को अस्पताल भेजा गया। हादसे में किशनगढ़, अजमेर निवासी दिनेश कुमारी (55) और विक्की उर्फ वीरम सिंह (31) पुत्र गोविंद सिंह की मौत हो गई। एम्बुलेंस ड्राइवर सतीश धामनी, अमित वैष्णव (30), और बिट्ठुदास (60) का एसएमएस हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

नेहा सिंह राठौर को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने कहा... मुकदमे का सामना करे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम आतंकी हमले के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट को लेकर गायिका और कार्यकर्ता नेहा सिंह राठौर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर विचार करने से इंकार कर उन्हें मुकदमे का सामना करने को कह दिया। शीर्ष अदालत ने दो टूक कहा कि वे मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं कर रही है। जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि इस समय वे विद्रोह के आरोप। भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने) के मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं कर रही है। शीर्ष अदालत ने उन्हें आरोप तय करते समय ये मुद्दे उठाने की भी स्वतंत्रता दी। गायिका ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के 19 सितंबर के आदेश को चुनौती देकर शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इंकार किया था। प्राथमिकी में राठौर पर एक खास धार्मिक समुदाय को निशाना बनाने और देश की एकता को खतरे में डालने का आरोप लगा है। उन्होंने अप्रैल के आखिरी हफ्ते में थाने में अभय प्रताप सिंह नाम के एक व्यक्ति द्वारा अपने खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी को चुनौती दी थी। सिंह ने राठौर पर धार्मिक आधार पर एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ भड़काने की बार-बार कोशिश करने का आरोप लगाया था।

जहरीले कफ सिरप मामले में श्रीसन फार्मा से जुड़े चेन्नई के 7 ठिकानों पर ईडी का छापा

चेन्नई (एजेंसी)। हाल ही में जहरीले कफ सिरप से करीब दो दर्जन बच्चों की जान चली गई। इन दवाओं को बनाने में नियमों का पालन नहीं हो रहा था। लेकिन कोई अफसर जांचने नहीं गया। बताया जा रहा है कि घोर लापरवाही के चलते सब कुछ कागजों पर ऑल इज वेल की कहानी चलती रही। कुछ इसी तरह की जानकारियां उस वक्त सामने आई जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत श्रीसन फार्मा और तमिलनाडु ड्रग नियंत्रण विभाग के शीर्ष अधिकारियों से जुड़े चेन्नई स्थित सात ठिकानों पर छापेमारी की। बता दें कि जो दवा जीवन बचाती है, उसने बच्चों को मौत दी। इस मामले ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है। वहीं, नियामक निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण में भी गंभीर खामियों को उजागर किया है। छापेमारी कोल्ड्रिफ कफ सिरप मामले के सिलसिले में की गई है, जिसके कारण मध्य प्रदेश में 20 से अधिक बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हो गई थी। ईडी अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी तमिलनाडु के वरिष्ठ ड्रग नियंत्रण अधिकारियों के आवासों और जहरीले सिरप की निर्माता कंपनी श्रीसन फार्मा से जुड़े परिसरों पर की गई। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने कंपनी और तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि प्रशासन दोनों द्वारा कई उल्लंघन पाए। खराब बुनियादी ढांचे और बार-बार सुरक्षा उल्लंघनों के बावजूद, श्रीसन 2011 में लाइसेंस प्राप्त करने के बाद से बेरोकटोक काम करती रही। कोल्ड्रिफ सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल नामक घातक मात्रा पाई गई है, जो आमतौर पर एंटीफ्रीज में इस्तेमाल होने वाला एक रसायन है।

'माँ, माटी, मानुष' का दावा झूठा! बांसुरी स्वराज बोलीं- ममता के कुशासन से बंगाल में माँ शर्मिंदा

बेंगलुरु (एजेंसी)। दुर्गापुर में द्वितीय वर्ष की मेडिकल छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने सोमवार को कहा कि यह सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की रूढ़िवादी मानसिकता को दर्शाता है। बयान को असंवेदनशील बताते हुए, स्वराज ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देवी दुर्गा की भूमि माने जाने वाले राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि माँ दुर्गा के बंगाल में महिलाएं असुरक्षित हैं। राज्य की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बलात्कार पीड़िता को दोषी ठहराकर ऐसी असंवेदनशील टिप्पणी करती हैं। मेरा मानना है कि यह टीएमसी की रूढ़िवादी मानसिकता को दर्शाता है।

स्वराज ने बनर्जी से ओडिशा की रहने वाली पीड़िता को न्याय दिलाने और राज्य भर में महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा, 'मैं ममता बनर्जी से कहना चाहूँगी कि वह न केवल राज्य की मुख्यमंत्री हैं, बल्कि गृह विभाग भी उनके पास है। इसका मतलब है कि आंतरिक सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी उनकी है। उन्हें ऐसा माहौल बनाना चाहिए, जहाँ लड़कियाँ सुरक्षित महसूस करें और दिन हो या रात, आजादी से घूम सकें। मैं उनसे फिर से अनुरोध करना चाहूँगी: कृपया बलात्कार को सही न ठहराएँ। उस लड़की को न्याय दिलाने की दिशा में काम करें।'

स्वराज ने आगे कहा कि मैं ममता बनर्जी से पूछना चाहती हूँ, वे 'माँ, माटी, मानुष' के नारे लगाती हैं। लेकिन आपकी असंवेदनशीलता, कुशासन और प्रतिगामी मानसिकता के कारण आज बंगाल में 'माँ' शर्मिंदा है, 'माटी' लहूलुहान है और 'मानुष' बदहाल है। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की सदस्य अर्चना मजूमदार ने एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष रेखा शर्मा के स्वतः संज्ञान लेने के निर्देश के बाद मामले की चल रही जाँच की समीक्षा के लिए दुर्गापुर का दौरा किया। उन्होंने पीड़िता के परिवार, छात्रों और स्थानीय अधिकारियों, जिनमें एसपी और ओसी भी शामिल हैं, से मुलाकात की।

उन्होंने एक समाचार एजेंसी को बताया, 'मेरी अध्यक्ष से बातचीत हुई। उन्होंने मुझे मामले का तुरंत स्वतः संज्ञान लेने, घटनास्थल पर पहुँचने और पीड़िता से मिलने के लिए कहा। मैंने अधिकारियों, छात्रों और पीड़िता के अभिभावकों से बात की। फिर मैंने पुलिस, एसपी और ओसी से बात की। हम अगले कार्यदिवस पर अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे।' उन्होंने आगे बताया कि पुलिस ने पाँच संदिग्धों की पहचान कर ली है, जिनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें 10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस जल्द से जल्द आरोप पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया में है। मेडिकल नमूने राज्य फोरेंसिक प्रयोगशाला भेजे गए हैं, जिन्हें उन्होंने केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) भेजने की सिफारिश की है।

हत्या के मामले में जेल आते ही फूट-फूटकर रोई महामंडलेश्वर पूजा शकुन पांडेय

अलीगढ़ (एजेंसी)। बीते 26 सितंबर की रात को खेरेश्वर चौराहे पर हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव कचौरा निवासी टीवीएस शोरूम मालिक अभिषेक गुप्ता की बाइक सवार दो शूटरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसमें नामजद पूजा शकुन पांडेय को पुलिस ने राजस्थान के भरतपुर जिले से गिरफ्तार किया। दोपहर में उसे जेल में दाखिल कर दिया गया। अंदर वह परेशान नजर आई। अन्य महिलाओं ने उसे संभाला।

अभिषेक की हत्या के मामले में 50 हजार की इनामी महामंडलेश्वर पूजा शकुन पांडेय उर्फ अन्नपूर्णा भारती जेल में आते ही फूट-फूटकर रोई। अधिकारियों ने उसे जेल के नियम-कायदे बताए। उधर, पुलिस अब मामले में चार्जशीट व गैंगस्टर लगाने की तैयारी कर रही है। हालांकि उसने खाना आदि समय से खाया। करवटें बदलकर रात काटी। पूजा को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। उससे मुलाकात के लिए 10 लोगों के नाम लिए हैं। उनसे सप्ताह में तीन दिन मुलाकात कराई जाएगी। इससे पहले जेल भेजे गए उसके पति अशोक कुमार पांडेय को भी संवेदनशील श्रेणी में ही रखा है। एएसपी मयंक पाठक के अनुसार मामले में जल्द ही चार्जशीट लगाई जाएगी। गैंगस्टर की कार्रवाई भी होगी। हत्या के बाद फरार हुई पूजा ने परिजनों से संपर्क नहीं किया। वह जहां भी गई, वहां उसे शरण नहीं मिली। लेकिन, कुछ लोगों ने उसको भगाने में सहयोग भी किया है। ऐसे लोग पुलिस के रडार पर आ गए हैं। वहीं दूसरी तरफ अभिषेक के भाई आशीष ने कहा कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ एनएसए की कार्रवाई करे। साथ ही उनके घर की कुर्की हो। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में पुलिस ने पूजा को जेल भेज दिया। जबकि सही ढंग से उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ होनी चाहिए थे। ताकि पूरे षड्यंत्र का खुलासा हो सके। परिजनों ने रविवार शाम को गोंडा थाने में इंस्पेक्टर से मुलाकात की।

करोड़ों खर्च के बाद भी साफ नहीं हो सकी गोमत नदी!

- 20 लाख लोगों को नदी से मिलता है 320 एमएलडी कच्चा पानी

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में बहने वाली गोमती नदी शहर की जीवनरेखा है, लेकिन प्रदूषण के कारण इसकी स्थिति चिंताजनक हो गई है। करीब 20 लाख लोगों को 320 एमएलडी कच्चा पानी नदी से मिलता है। गोमती बैराज के पास पानी का स्तर बनाए रखने के लिए पानी का बहाव रोका जाता है। नदी में 39 नाले गिरते हैं, जिनमें से 13 नाले बिना ट्रीटमेंट या आंशिक ट्रीटमेंट के सीवेज सीधे नदी में डालते हैं, जिससे पानी काला और जहरीला हो गया है। 2010 से 2025 तक गोमती नदी को स्वच्छ बनाने के लिए करीब 2,500 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 2011 में भरवारा और दौलतगंज में बड़े एसटीपी बनाए गए, लेकिन नालों पर पंप काम नहीं कर रहे हैं और सीवेज पंपिंग स्टेशन से सही तरीके से सीवेज एसटीपी तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसके कारण सीवेज अभी भी सीधे नदी में गिरता है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के प्रमुख प्रो. वेंकटेश दत्ता और गोमती टास्क फोर्स के मेजर केएस नागी ने नदी में गिरने वाले नालों का सर्वे किया। हैदर कैनाल, कुकरैल नाला और घसियारी मंडी नाले में कूड़ा-कचरा सीवेज सीधे नदी में पहुंच रहा है। नगर निगम भी नदी किनारे कूड़ा फेंकता रहा है, जिससे प्रदूषण और बढ़ा है। गोमती नदी की स्थिति सुधारने के लिए विभागों को अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए प्रभावी कार्यवाही करनी होगी। नालों और सीवेज प्रणाली की सही देखरेख, कूड़ा निस्तारण और जागरूकता अभियान के साथ-साथ पानी की गुणवत्ता पर कड़ी निगरानी जरूरी है, तभी गोमती को फिर से स्वच्छ और जीवनदायिनी बनाया जा सकेगा।

असम में सरकारी नौकरी का रिकॉर्ड! 1 लाख का आंकड़ा पार, 2 लाख की ओर सरमा सरकार

दिसपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम सरकार ने एक लाख से ज्यादा उम्मीदवारों को लाभकारी रोजगार प्रदान करके एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, और अब दो लाख नियुक्तियों के विशाल लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है। असम प्रदेश भाजपा ने एक बयान में कहा कि राज्य के महत्वाकांक्षी युवाओं में नई आशा का संचार करते हुए, सरकार अक्टूबर महीने में 35,000 उम्मीदवारों को रोजगार देने के लिए तैयार है। असम पुलिस में 5,614 कांस्टेबल पदों के लिए बहुप्रतीक्षित परिणामों की घोषणा ने न केवल अनगिनत सपनों को साकार किया है, बल्कि पारदर्शिता, दक्षता और योग्यता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया है।

बयान में कहा गया है कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 3,698 तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों के लिए परिणामों की घोषणा भी उतनी ही उत्साहनीय है। जैसा कि मुख्यमंत्री ने अपने फेसबुक लाइव संबोधन में घोषणा की थी, एडीआर परीक्षा के अंतर्गत चतुर्थ श्रेणी पदों के परिणाम 15 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे, उसके बाद 17 अक्टूबर तक स्नातकोत्तर शिक्षक के परिणाम घोषित किए जाएंगे। असम राज्य भाजपा प्रवक्ता ज़फरीन मेहजबीन ने एक लाख सरकारी नौकरियाँ प्रदान करने के अपने वादे को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की गहरी सराहना और हार्दिक बधाई व्यक्त की - एक ऐसा वादा जिसे विपक्ष ने कभी अप्राप्य बताकर खारिज कर दिया था।

बयान में कहा गया है, 'आज यह उपलब्धि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ कार्यान्वयन का अकाट्य प्रमाण है। नवंबर तक, 38,000 अतिरिक्त नियुक्तियाँ वितरित की जानी हैं, जो रोजगार सृजन में निरंतर गति को दर्शाती है। साथ ही, मुख्यमंत्री के आत्मनिर्भर असम अभियान (CMAAA) के तहत, एक लाख और युवाओं - पुरुषों और महिलाओं दोनों - को उद्यमशीलता के उपक्रम शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये मिलेंगे, जिससे पूरे राज्य में आत्मनिर्भरता की लहर दौड़ेगी। आवेदन प्रक्रिया पहले से ही चल रही है, और जिन लाभार्थियों ने पहली किस्त का विवेकपूर्ण उपयोग किया है, उन्हें सहायता की दूसरी किस्त मिलने की उम्मीद है।'

ज़फरीन मेहजबीन ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में असम की भाजपा-नेतृत्व वाली सरकार ने सरकारी भर्ती को उद्यम-आधारित विकास के साथ सामंजस्य स्थापित करके रोजगार नीति के पारंपरिक दायरे को पार कर लिया है। असम राज्य भाजपा ने बयान में कहा, 'योग्यता आधारित नियुक्तियों और उद्यमशीलता सशक्तिकरण पर यह दोहरा जोर समग्र सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की दिशा में एक आदर्श बदलाव का प्रतीक है।'

कर्नाटक में मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें तेज, सिद्धारमैया बोले- रात्रिभोज सामान्य

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को मंत्रिमंडल में फेरबदल की अफवाहों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि कैबिनेट सहयोगियों के साथ उनकी रात्रिभोज बैठक एक नियमित बैठक थी और इसका किसी राजनीतिक कदम से कोई लेना-देना नहीं है। सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा इस रात्रिभोज का मंत्रिमंडल में फेरबदल से कोई लेना-देना नहीं है। मैं अक्सर रात्रिभोज का आयोजन करता हूँ। मैंने काफी समय से इसकी मेज़बानी नहीं की है, इसलिए मैंने आज आमंत्रित किया। इस रात्रिभोज में कुछ खास नहीं है। यह केवल आपके और भाजपा के लोगों के लिए खास है। कांग्रेस सरकार अगले महीने अपने कार्यकाल के 2.5 वर्ष पूरे करने जा रही है, ऐसे में मंत्रिमंडल में संभावित बदलाव और यहां तक ??कि «नवंबर क्रांति» की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ लोग इस मुहावरे का इस्तेमाल राज्य में सत्ता परिवर्तन का संकेत देने के लिए कर रहे हैं। क्या हमें मिलना नहीं चाहिए? मुझे समझ नहीं आ रहा। भाजपा की बात मानकर, आपने (मीडिया ने) हमारी डिनर पर हुई मुलाकात को अपराध बना दिया है। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन के पीछे राजनीतिक महत्व की बातों को खारिज करते हुए कहा हम अक्सर मिलते रहते हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में आगामी तालुका, जिला पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना है। कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ द्वारा हाल ही में लिखे गए एक पत्र के बाद, जिसमें दावा किया गया था कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में कमीशन की मांग दोगुनी हो गई है, भ्रष्टाचार के आरोपों का मुकाबला करने की रणनीतियों पर भी चर्चा हो सकती है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों का विषय रहे हैं, ने हालांकि में फेरबदल की चर्चा को एक अफवाह करार दिया। सिद्धारमैया के करीबी सूत्रों का कहना है कि किसी भी फेरबदल से उनके अधिकार और निरंतरता पर जोर पड़ेगा, लेकिन दोनों नेताओं ने कांग्रेस सरकार के भीतर किसी भी आंतरिक दरार के संकेत को कम करने की कोशिश की है।

10 दिन बाद सुबह पदयात्रा पर निकले संत प्रेमानंद महाराज... भक्तों की आंखों से आंसू छलक पड़े

-राधे-राधे जयकारों से गूंज उठी वृंदावन की गली-गली

मथुरा (एजेंसी)। वृंदावन में मशहूर संत प्रेमानंद महाराज 10 दिन बाद पदयात्रा पर निकले। महाराज की झलक पाकर भक्तों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े और हजारों की भीड़ जोर-जोर से राधे-राधे का जयकारा लगाने लगी। बता दें कि प्रेमानंद महाराज 2 अक्टूबर से पदयात्रा नहीं कर रहे थे। केली कुंज आश्रम ने इसके पीछे उनके स्वास्थ्य का हवाला दिया था। हालांकि, इस दौरान वे आश्रम में ही एकांतिक वार्ता (भक्तों से बातचीत) करते रहे।

दरअसल मथुरा-वृंदावन से संत प्रेमानंद जी महाराज के भक्तों के लिए रविवार की सुबह खुशखबरी लेकर आई। काफी दिन बाद प्रेमानंद महाराज ने अपनी पदयात्रा फिर शुरू की। सुबह करीब 3 बजे श्री राधे हित केलिकुंज आश्रम से बाहर निकलते ही उन्होंने परिक्रमा मार्ग की ओर प्रस्थान किया। इस दौरान उनके दर्शन के लिए भारी संख्या में भक्त उमड़ पड़े। परिक्रमा मार्ग राधे-राधे के जयकारों से गूंजने लगा। भक्तों का उत्साह देखकर प्रेमानंद महाराज कई स्थानों पर रुककर उनकी तरफ मुस्कुराते हुए दिखाई दिए। प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य में सुधार को देखकर भक्तों ने भी राहत की सांस ली। उनकी एक झलक पाने को हजारों भक्त पहले से ही खड़े थे। महाराज को देखते ही भक्तों के चेहरे खिल उठे। भक्तों ने कहा, जब से हमने सुना था कि महाराज जी की तबीयत खराब है, हम बहुत चिंतित थे। लेकिन अब उन्हें स्वस्थ देखकर मन को सुकून मिला। वे हम सभी को आशीर्वाद देते हुए आगे बढ़ गए।

प्रेमानंद महाराज वृंदावन में श्रीकृष्ण शरणम् सोसाइटी से रमणरेती स्थित आश्रम हित राधा केली कुंज के लिए निकलते हैं। 2 किमी पैदल चलकर जाते हैं। उनके दर्शन के लिए रात को हजारों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं।

बिहार में मुस्लिम चुनाव में कर सकते हैं खेल, सभी राजनीतिक दलों की है नजर

-11 सीटों पर 40 फीसदी मुस्लिम, 2020 में दिखाया था ट्रेलर, ओवैसी भी पीछे नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। जाति और धर्म के आधार पर सीटों का विश्लेषण कर उसी के अनुरूप प्रत्याशियों का चयन किया जा रहा रहा है। एनडीए और महागठबंधन में सभी तरह के समीकरणों का ख्याल रखकर सीट बंटवारे पर मंथन चल रहा है। बिहार में लालू यादव ने मुस्लिम-यादव समीकरण का ईजाद कर आरजेडी की बादशाहत कायम की थी। बाद के सालों में उनके इस समीकरण की काट निकाली गई और आरजेडी सत्ता के अंदर-बाहर आती और जाती रही, लेकिन ज्यादातर समय एनडीए के हाथ में ही सत्ता की बागडोर रही।

हालांकि, आरजेडी के लिए मुस्लिम-यादव फॉर्मूला आज भी उपयोगी और कारगर है, लेकिन 2020 के विधानसभा चुनाव में एक नए खिलाड़ी ने आरजेडी के इस फॉर्मूले में सेंध लगा दी और पांच सीटें जीत लीं। उनका नाम है असदुद्दीन ओवैसी। उनकी पार्टी एआईएमआईएम साल 2015 के चुनाव में बिहार की एंट्री की थी और अब खासकर सीमांचल क्षेत्र में अहम फैक्टर बन चुकी है। ओवैसी की पार्टी ने इसबार 243 सीटों में से 100 पर उम्मीदवार उतारने का मन बनाया है। राजनीतिक एक्सपर्ट्स का मानना है कि एआईएमआईएम सबसे ज्यादा आरजेडी को नुकसान पहुंचाएगी।

सीमांचल को मुस्लिम आबादी वाला क्षेत्र माना जाता है। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से चार जिले कटिहार, किशनगंज, अररिया और पूर्णिया आते हैं। यह क्षेत्र मुस्लिम बहुल आबादी के चलते लंबे समय से राजनीतिक दलों के लिए आकर्षण का केंद्र है। किशनगंज में ओवैसी ने इस फैक्टर को ध्यान में रखते हुए कहा था कि वे बिहार में कई साथियों से मिलने और नई मित्रता करने के लिए उत्सुक हैं। राज्य की जनता को एक नया विकल्प चाहिए और हम वही बनने की कोशिश कर रहे हैं।

बता दें एआईएमआईएम ने साल 2015 में पहली बार बिहार विधानसभा चुनाव लड़ा था। पार्टी ने सीमांचल की छह सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिली थी। किशनगंज के कोचाधामन विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार और पार्टी के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान को करीब 37 हजार वोट मिले थे। यह कुल मतों का करीब 26 फीसदी था। साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में ओवैसी की पार्टी ने अपना अच्छा खासा प्रभाव छोड़ा था। बिहार में मुसलमानों की आबादी 17.7 फीसदी से ज्यादा है। राज्य की 47 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। इनमें 11 सीटों पर मुस्लिम आबादी 40 फीसदी से ज्यादा, सात सीटों पर 30 फीसदी से ज्यादा और 29 सीटों पर 20 से 30 फीसदी के बीच है। इनमें से ज्यादातर सीटें सीमांचल में ही हैं। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान का कहना है कि हम बिहार चुनाव में विकल्प पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी योजना 100 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की है। इसने राजद प्रमुख लालू यादव और महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव को पत्र लिखकर महागठबंधन में एआईएमआईएम के लिए कुछ सीट की मांग की थी, लेकिन उन्होंने रुचि नहीं दिखाई। चुनाव में जनता इसका जवाब देगी।

बता दें साल 2020 के विधानसभा चुनाव में ओवैसी की पार्टी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारकर राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया था। इस चुनाव में एआईएमआईएम ने सीमांचल की पांच सीटों अमौर, बहादुरगंज, बायसी, कोचाधामन और जोकीहाट पर जीत हासिल की थी। विजयी उम्मीदवारों में अमौर से अख्तरुल ईमान, बहादुरगंज से मोहम्मद अंजार नईमी, बायसी से सैयद रुकनुद्दीन, कोचाधामन से इजहार असफी और जोकीहाट से शाहनवाज आलम शामिल थे। हालांकि, 2022 में पार्टी को बड़ा झटका तब लगा जब अख्तरुल ईमान को छोड़कर बाकी चारों विधायक राजद में शामिल हो गए। साल 2020 के चुनाव में पार्टी ने 16 मुस्लिम और चार गैर-मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट दिया था। इनमें से पांच मुस्लिम उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी। पार्टी के गैर-मुस्लिम उम्मीदवारों को सफलता नहीं मिली थी।